हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शनिवार • 04.04.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 247 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

असम चुनाव : एनआरसी-सीएए पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने भाजपा को घेरा, कहा

अधिकारों की लड़ाई में झामुमो लिखेगा 'बदलाव की कहानी'

एजेंसी

असम : झारखंड के मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमन्त सोरेन ने असम विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की आक्रामक मौजूदगी दर्ज करा दी है। बोरचल्ला और लखीमपुर के रोगोनाडी में विशाल जनसभाओं को संबोधित करते हुए सोरेन ने भाजपा की नीतियों पर तीखा प्रहार किया और असम की जनता से बदलाव के लिए झामुमो को चुनने की अपील की।

महिलाओं की आर्थिक मदद पर उठाए सवाल

असम सरकार द्वारा महिलाओं के खाते में दी जा रही सहायता राशि पर तंज कसते हुए हेमन्त सोरेन ने पूछा, चुनाव के वक्त महिलाओं को 9-9 हजार रुपये दिए जा रहे हैं, क्या 5 साल के लिए यह काफी है? अगर सरकार को वास्तव में चिंता है, तो हर महीने महिलाओं के खाते में 9 हजार रुपये क्यों नहीं डाले जाते?

चाय बागान के मजदूर असम की अर्थव्यवस्था की रीढ़

एनआरसी-सीएए के जरिए समाज को बांट रही भाजपा

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपने संबोधन में केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सत्ता में बने रहने के लिए एनआरसी और सीएए जैसे विवादास्पद मुद्दों का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा, भाजपा की राजनीति केवल 'बांटो और राज करो' की नीति पर टिकी है। यह सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का प्रयास है, जिसे जनता अब समझ चुकी है।

चाय बागान मजदूरों की दयनीय स्थिति पर हमला

असम की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले चाय बागानों का जिक्र करते हुए सोरेन भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि दौरे के दौरान उन्होंने मजदूरों और आदिवासी समाज की बदहाली को करीब से देखा है। विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच आज भी चाय बागान के मजदूरों को सम्मानजनक मजदूरी, बिजली, पानी और पक्के मकान जैसी बुनियादी सुविधाएं नसीब नहीं हैं। यह सरकार की सबसे बड़ी विफलता है।

झामुमो का असम से पुराना रिश्ता

हेमन्त सोरेन ने स्पष्ट किया कि झामुमो पहली बार औपचारिक रूप से असम के मैदान में है, लेकिन यहाँ की जनता से उनका रिश्ता नया नहीं है। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के समय से ही यहाँ के आदिवासियों और पिछड़ों के साथ पार्टी का गहरा जुड़ाव रहा है।

रामगढ़ में हाथियों का तांडवः गोला में 3 ग्रामीणों को पटक-पटक कर मारा डाला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईंट भट्ठा मजदूरों और महुआ चुन रहे बुजुर्ग को बनाया निशाना, इलाके में मचा हड़कंप

रामगढ़ : संवाददाता झारखंड के रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड में शुक्रवार को जंगली हाथियों के एक झुंड ने भारी तबाही मचाई। हाथियों ने अलग-अलग स्थानों पर हमला कर तीन लोगों को बेरहमी से कुचलकर मार डाला, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इस भीषण घटना के बाद पूरे क्षेत्र में मातम और वन विभाग के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश देखा जा रहा है। ईंट भट्ठे से शुरू हुआ मौत का तांडव डीएफओ (प्रभागीय वन अधिकारी) नीतीश कुमार ने बताया कि हाथियों का झुंड सबसे पहले बंदा गांव स्थित एक ईंट भट्टे पर पहुंचा। वहां काम कर रहे मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हाथियों ने धीरज भुईंया (कुजू) और युगल भुईंया (ताराटांड़, पतरातू) को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इसके बाद झुंड मुरपा गांव की ओर बढ़ा, जहां महुआ चुन रहे 74 वर्षीय बुजुर्ग श्यामदेव साहू को हाथियों ने कुचल दिया। वहीं, सूतरी धोड़धोड़िया बस्ती में महुआ चुन रही एक महिला पर भी हमला हुआ, जिसका पैर टूट गया है।

पुडुचेरी की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब प्रधानमंत्री मोदी ने किया भव्य रोड शो

एजेंसी

पुडुचेरी : आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पुडुचेरी में शक्ति प्रदर्शन किया। एक भव्य रोड शो के जरिए उन्होंने ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस और भाजपा गठबंधन के पक्ष में माहौल बनाया। प्रधानमंत्री के आगमन पर कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय और जय श्री राम के नारों के साथ पूरे शहर को गुंजायमान कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी का यह रोड शो अजंता सिग्नल पॉइंट से शुरू होकर कामराजर प्रतिमा (राजा थिएटर सिग्नल) पर संपन्न हुआ। लगभग दो किलोमीटर लंबे इस मार्ग को तय करने में करीब एक घंटा लगा।

एक नजर

लोकसभा अध्यक्ष ने किया स्व-गणना पंजीकरण

नयी दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) अभियान में भाग लेते हुए अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए नागरिकों से भी इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

उपराष्ट्रपति आज बिहार के दौरे पर

नयी दिल्ली : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन एक दिवसीय दौरे पर शनिवार, 4 अप्रैल को बिहार जाएंगे। इस दौरान वह कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन 4 अप्रैल को बिहार की यात्रा करेंगे। इस दौरान उपराष्ट्रपति महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वह पश्चिम चंपारण स्थित भीतिहरवा गांधी आश्रम का भी दौरा करेंगे।

तमिलनाडु चुनाव : भाजपा के 27 उम्मीदवारों की सूची जारी

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए 27 उम्मीदवारों की सूची शुक्रवार को जारी की। केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन को अवनाशी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा के मुताबिक मायलापुर सीट से तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को टिकट दिया है। सूची में राष्ट्रीय महिला मोर्चा प्रमुख वनिथी श्रीनिवासन, प्रदेश अध्यक्ष नैनार नैनार नागेंद्रन के नाम भी शामिल हैं। हालांकि इस सूची में के. अन्नामलाई का नाम नहीं है। उन्होंने पहले ही चुनाव लड़ने से मना कर दिया था।

ईरान ने अमेरिका के एफ-35 समेत दो विमानों को मार गिराया

एजेंसी

तेहरान : पश्चिम एशिया में 35 दिनों से जारी युद्ध के बीच ईरान ने अपने मध्य हवाई क्षेत्र में अमेरिका के एफ-35 समेत दो लड़ाकू विमानों को मार गिराने का दावा किया है। इसके पहले भी ईरानी सेना ने एक एफ-35 विमान को मार गिराया था। ईरान के प्रेसईडी और तसनीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अमेरिका के इन दो विमानों को मार गिराने का दावा ऐसे समय में किया है जब डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ईरान की वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट करने की बात कही थी। हालांकि, इस दावे पर अभी तक अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

ईरान ने इजराइल के तेल अवीव और एलात पर मिसाइलों की बौछार की

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने आज इजराइल की राजधानी तेल अवीव और दूसरे शहर एलात पर ताजा हवाई हमला किया है। आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसने तेल अवीव और एलात पर हमला कर इजराइली सेना और सैन्य औद्योगिक कंपनियों के महत्वपूर्ण केंद्रों को उड़ा दिया है। इजराइल ने स्वीकार किया है कि ईरान ने मिसाइलों की नई लहर छोड़ी है।
अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने स्वीकार किया है कि ईरान से इजराइल के इलाके की ओर और मिसाइलें दागी गई हैं। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि इस हमले को रोकने के लिए हवाई सुरक्षा प्रणालियां काम कर रही हैं। उधर, इराकी इराकी सशस्त्र समूह 'सराया औलिया अल-दाम' का कहना है कि उसने पिछले 24 घंटों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए पांच हमले किए हैं। इस बीच, इराक में 'इस्लामिक प्रतिरोध' समूह (ईरान समर्थित शिया मिलिशिया समूहों का नेटवर्क) ने कहा कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में इराक के अंदर और पूरे क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए 23 हमले किए हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि 28 फरवरी से अब तक अमेरिका और इजराइल के हमलों में 600 से अधिक स्कूल और शिक्षण केंद्र प्रभावित हुए हैं।

ईरान ने जिंदा दबोचा अमेरिकी पायलट!

ईरान की न्यूज एजेंसी तसनिम के मुताबिक, आइआरजीसी के एडवांस डिफेंस सिस्टम ने अमेरिकी फाइटर जेट एफ-35 को निशाना बनाया, पायलट ने खुद को बचाने के लिए इजेक्ट किया और ईरानी जमीन पर लैंड कर गया. इसके बाद वो भाग खड़ा हुआ और अमेरिकी सेना ने अपने पायलट को ईरान की सीमा से सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश की लेकिन इससे पहले ही ईरानी सेना ने पहले ही हिरासत में ले लिया.

जहरीली शराब का तांडव : अबतक 5 की मौत, 6 ने गंवाई आंखों की रोशनी

एजेंसी

मोतिहारी : बिहार में शराबबंदी के दावों के बीच मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) जिले में जहरीली शराब ने कहर बरपाया है। संदिग्ध स्थिति में शराब पीने से अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 6 लोगों की आंखों की रोशनी चली गई है। 7 अन्य लोगों की हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इस मामले में पुलिस प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया है।

परिजनों में कोहराम, गांव में मातम घटना के बाद से ही प्रभावित गांवों में चीख-पुकार मची हुई है। अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों ने बताया कि शराब पीने के कुछ ही घंटों बाद लोगों को धुंधला दिखने लगा और तेज सिरदर्द के साथ उल्टियां शुरू हो गईं। जब तक उन्हें अस्पताल पहुंचाया जाता, तब तक 5 लोगों ने दम तोड़ दिया।

4 आतंकी लखनऊ से गिरफ्तार

लखनऊ : यूपी एसटीएफ को लखनऊ में बड़ी सफलता मिली है। एटीएस ने देश विरोधी गतिविधियों में शामिल चार आतंकियों को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। इनमें दो मेरठ और दो नोएडा के रहने वाले हैं। गिरफ्तार सभी आतंकी सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफार्म से जुड़कर पाकिस्तान हैंडहैं लर के संपर्क में थे। गिरफ्तार आतंकियों में मुख्य आरोपी नाई का काम करता था जो उसकी आड़ में देश के खिलाफ साजिश रच रहा था। एटीएस को सूचना मिलते ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान एटीएस ने उनके पास से एक कैन ज्वलनशील पदार्थ, सात स्मार्टफोन, 24 पम्पलेट और आधार कार्ड बरामद किए हैं।

देश से घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध : अमित शाह

एजेंसी

ग्वालपाड़ा (असम) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दुधनाई के कॉलेज ग्राउंड मैदान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा उम्मीदवार टंकेश्वर राभा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। वह असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे थे।
सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार देश से अवैध विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए प्रतिबद्ध है और राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने ग्वालपाड़ा जिले की सभी चारों विधानसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की।
कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में असम को अशांत बनाए रखा और राज्य की संस्कृति के संरक्षण के लिए कोई ठोस कार्य नहीं किया। इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि भाजपा असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर ले जाने का प्रयास कर रही है।

'आईएनएस अरिदमन' नौसेना में शामिल, स्वदेशी पनडुब्बी से बढ़ी ताकत

एजेंसी

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में नौसेना के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस आयोजन के दौरान भारत की स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। परमाणु शक्ति और बैलिस्टिक मिसाइल से लैस देश की इस तीसरी पनडुब्बी के नौसेना में शामिल होने से सेना की ताकत बढ़ी है। कमीशन किए जाने से पहले रक्षा मंत्री ने आज अपने एक्स हैंडल पर लिखा- 'शब्द नहीं शक्ति है, 'अरिदमन' !'
पानी के भीतर करीब 44 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली अरिदमन का पता लगाना काफी मुश्किल है। के-15 और के-4 जैसी घातक बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस अरिदमन नौसेना की तीसरी ऐसी पनडुब्बी है जो परमाणु ताकत से लैस है। बैलिस्टिक मिसाइल वाली इस पनडुब्बी से भारत की परमाणु प्रतिरोधक और मारक क्षमता उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगी।
पानी के ऊपर इसका वजन लगभग 6,000 टन।
पूरी तरह जलमग्न होने पर वजन बढ़कर 7,000 टन। (क्योंकि इसमें पानी भर जाता है)।
करीब 95 से 100 कर्मियों का दल इस पनडुब्बी को संचालित करता है।
अरिदमन पर नौसेना अधिकारियों के अलावा नाविकों (सेलर्स) की भी तैनाती।
संचालन में 83 मेगावाट के छोटे परमाणु रिएक्टर (न्यूक्लियर इंजन) का इस्तेमाल।
यह तकनीक तमिलनाडु के कलपक्कम में विकसित पुराने नौसैनिक रिएक्टर पर आधारित।
आईएनएस अरिदमन आकार और क्षमता के लिहाज से पहले वाली दोनों पनडुब्बियों से बड़ी और अधिक शक्तिशाली है। इस श्रृंखला में बनाई जा रही चौथी एसएसबीएन फिलहाल समुद्री परीक्षण (सी ट्रायल) के दौर में है। इसे अगले वर्ष नौसेना में शामिल किए जाने की संभावना है। चौथी पनडुब्बी भी अरिदमन श्रेणी की ही होगी।
पनडुब्बी के अलावा भारतीय नौसेना को आज 75 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री वाले युद्धपोत-आईएनएस तारागिरी की सौगात भी मिली। नौसेना में अरिदमन और तारागिरी की कमीशनिंग ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्यों में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती भागीदारी के कारण भारत के पूर्वी तट का रणनीतिक और समुद्री महत्व भी लगातार बढ़ रहा है।
प्रोजेक्ट 17ए श्रेणी के चौथे शक्तिशाली प्लेटफॉर्म के रूप में, तारागिरी महज एक जहाज नहीं है। यह 6,670 टन का एक ऐसा प्रतीक है जो 'मेक इन इंडिया' की भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्डों की परिष्कृत इंजीनियरिंग क्षमताओं को दर्शाता है। मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) की और से निर्मित यह फ्रिगेट अपने पूर्ववर्ती डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ीगत छलांग का प्रतिनिधित्व करता है। इसका आकार और रडार क्रॉस-सेक्शन में उल्लेखनीय कमी इसे घातक स्टील्थ तकनीक से संचालित करने में सक्षम बनाती है। 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री से युक्त यह जहाज घरेलू औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की परिपक्वता को दशार्ता है, जिसमें अब 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) शामिल हैं।

रक्षा मंत्री बोले- शब्द नहीं शक्ति है 'अरिदमन'

अरिदमन से पहले भारतीय नौसेना के पास कौन सी पनडुब्बियां उपलब्ध थीं?

भारत की परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (एसएसबीएन) परियोजना के तहत आईएनएस अरिहंत पहला पोत था। इसके बाद आईएनएस अरिघात को नौसेना में शामिल किया गया था। आईएनएस अरिहंत को जुलाई 2009 में लॉन्च किया गया था जिसे 2016 में नौसेना में शामिल किया गया। दूसरी पनडुब्बी अगस्त 2024 में कमीशन की गई।

रामनवमी जुलूस में युवक की हत्या का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सदर थाना क्षेत्र के जामा मस्जिद रोड पर रामनवमी जुलूस के दौरान हुई युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय, हजारीबाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। जानकारी के अनुसार, 29 मार्च 2026 को रामनवमी जुलूस के दौरान विष्णुपुरी शोभायात्रा में शामिल प्रिंस कुमार (पिता-शशि कुमार, निवासी-सिलवार कला, थाना-मुफ्फसिल, जिला-हजारीबाग) पर एक युवक ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, फोटो और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी की पहचान कर उसे धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान करन कुमार (उम्र करीब 19 वर्ष, पिता-मुकेश मुण्डा उर्फ लकरवा, निवासी-बालियन, थाना-पेलावल, जिला-हजारीबाग) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में सदर थाना कांड संख्या 70/2026, दिनांक 30 मार्च 2026 को भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने आरोपी के पास से हत्या में प्रयुक्त दो धारदार चाकू (एक कवर सहित) तथा घटना के दिन पहना गया काला शर्ट बरामद किया है। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनन्द के नेतृत्व में थाना प्रभारी सुभाष सिंह, पु०अ०नि० सोनू कुमार, मुकेश कुमार रजक, सुरेन्द्र कुमार तथा आरक्षी मनीष कुमार चंदेल सहित सदर थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की जांच जारी है।

एक नजर

श्यामसुंदर खंडेलवाल का निधन, शहर में शोक की लहर

हजारीबाग : खंडेलवाल वैश्य पंचायत हजारीबाग के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्यामसुंदर खंडेलवाल का गुरुवार को प्रातः 9:41 बजे आकस्मिक निधन हो गया। 30 अगस्त 1949 को जन्मे स्व. खंडेलवाल ने 77 वर्ष की आयु में इस संसार को अलविदा कहा। उनके निधन से शहर सहित पूरे समाज में शोक की लहर व्याप्त है। स्व. श्यामसुंदर खंडेलवाल एक प्रतिष्ठित समाजसेवी परिवार से जुड़े थे। उनके पिता स्व. रामविलास खंडेलवाल अपने समय के प्रख्यात समाजसेवी रहे, साथ ही खंडेलवाल समाज के अध्यक्ष भी रहे है। जिन्होंने समाज को संगठित करने एवं नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए श्यामसुंदर खंडेलवाल ने भी समाज सेवा को अपना जीवन समर्पित किया और खंडेलवाल वैश्य पंचायत के अध्यक्ष के रूप में दायित्व निभाते हुए समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। मृदुभाषी, सरल एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी स्व. खंडेलवाल समाज के हर वर्ग में सम्मानित थे। उन्होंने अपने व्यवहार और सेवा भावना से लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाया। उनके निधन से समाज ने एक सशक्त नेतृत्वकर्ता और प्रेरणास्रोत को खो दिया है।

एसवीएम रजरप्पा में हवन के साथ नए सत्र का शुभारंभ

रजरप्पा : रामगढ़ जिले के सीसीएल रजरप्पा आवासीय कॉलोनी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में गुरुवार को हवन-पूजन के साथ नए शैक्षणिक सत्र (2026-27) का शुभारंभ हुआ। परिसर में आयोजित 11 कुण्डीय हवन कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हुए हवन वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। मुख्य यजमान की भूमिका प्राचार्य उमेश प्रसाद ने निभाई। पंडित राजकुमार पाण्डेय ने हवन- पूजन संपन्न कराया। कार्यक्रम दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ व हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ किया। छात्र-छात्राओं ने हवन में बढ़-चढ़कर भाग लिया और आहुति देकर अपने जीवन में सकारात्मकता एवं संस्कारों के संचार का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन मंगल आरती के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने नए सत्र को उत्साह, अनुशासन व संस्कारयुक्त शिक्षा के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। विद्यालय में शुक्रवार से कक्षाएं प्रारंभ होंगी।

स्वास्थ्य सेवाओं को मिला नया आयाम पाण्डेयबारा में भारत पेथो लेब का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के पाण्डेयबारा चौक में शुक्रवार को भारत पेथो लेब का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उदय राणा ने कहा कि क्षेत्र में इस तरह की जांच सुविधा शुरू होने से आम लोगों को अब बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि समय पर जांच होने से बीमारियों की पहचान आसान होगी और इलाज भी समय पर संभव हो सकेगा। वहीं जांच घर के संचालक आरिफ हुसैन ने बताया कि केंद्र में अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की जांचें उचित दर पर उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को शहरों जैसी स्वास्थ्य सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें जांच के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख न करना पड़े। कार्यक्रम के दौरान पसंस अतहर हुसैन, मोइनुद्दीन, मुस्लिम अंसारी, रंजीत पाण्डेय, सुभाष सिंह, श्रवण यादव, प्रमोद सिंह, सुखदेव सिंह सहित कई गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : गौरियाकर्मा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान केंद्र में पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन हो गया। यह कार्यक्रम संस्थान के निदेशक एवं कुलपति डॉ. सी. एच. श्रीनिवासराव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य पाकुड़ जिले के किसानों को प्राकृतिक एवं एकीकृत कृषि प्रणाली की आधुनिक तकनीकों से जोड़ना था। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया गया, जिसका मुख्य विषय प्राकृतिक खेती तथा एकीकृत कृषि तकनीकों एवं पद्धतियों पर आधारित था। कार्यक्रम का प्रायोजन आत्मा, पाकुड़ द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती के लाभ, जैविक खाद निर्माण, रसायन-मुक्त खेती के उपाय तथा एकीकृत कृषि प्रणाली के माध्यम से आय बढ़ाने के विभिन्न तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही व्यावहारिक सत्रों के जरिए किसानों को नई तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव भी कराया गया।

इस कार्यक्रम में कुल 25 किसानों ने भाग लिया और प्रशिक्षण से जुड़ी नई जानकारियों को अपनाने के प्रति उत्साह व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर किसानों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए तथा उन्हें भविष्य में इन तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन और आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम का प्रायोजन आत्मा, पाकुड़ द्वारा किया गया था। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती के लाभ, जैविक खाद निर्माण, रसायन-मुक्त खेती के तरीके तथा एकीकृत कृषि प्रणाली के माध्यम से आय बढ़ाने की तकनीकों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही, व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से किसानों को नई तकनीकों का अनुभव भी कराया गया। इस कार्यक्रम में 25 किसानो ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण से किसानों को नई दिशा मिलेगी और वे आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल खेती अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगे। कार्यक्रम अवसर पर परिसर प्रभारी डॉ. एस. के. महंता, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विशाल नाथ, डॉ. निर्मल, डॉ. काशिनाथ एवं पाकुड़ आत्मा के उप परियोजना निर्देशक डॉ चन्द्रमौली उपस्थित रहे।

कमलवार में दर्दनाक हादसा, बाल-बाल बचे एक ही परिवार के पांच लोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड की पाण्डेयबारा पंचायत अंतर्गत कमलवार गांव के समीप शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों का संबंध ग्राम मूर्तियां से बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जेएच02 एजेड़ 8489 नंबर की कार में सवार परिवार दनुआ से हजारीबाग अपनी छोटी बच्ची का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने जा रहा था। इसी दौरान कमलवार के पास आगे चल रहे एक कंटेनर गाड़ी ने अचानक अपनी रफ्तार धीमी कर दी। स्थिति को संभालने के प्रयास में कार चालक ने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर एनएचएआई द्वारा लगाए गए साइड बैरिकेडिंग से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला टायर फट गया और वाहन पलट गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल भेजा गया।

घायलों में प्रदीप कुमार, दिलीप कुमार, सुनीता कुमारी समेत एक अन्य महिला और एक छोटी बच्ची शामिल हैं। चिकित्सकों के अनुसार सभी की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। इधर, दनुआ घाटी क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला लगातार जारी है। शुक्रवार को ही एक बालू लदा ट्रैक्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जबकि एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरा। बढ़ती दुर्घटनाओं से चिंतित ग्रामीणों ने प्रशासन से दनुआ घाटी में सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

मोदी टोला में जलमीनार बना शोपीस ग्रामीणों को नहीं मिल रहा पानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के विजैया पंचायत अंतर्गत मोदी टोला में बना जलमीनार शोपीस बनकर रह गया है। निर्माण के बाद से अब तक एक बूंद भी पानी ग्रामीणों को नहीं मिल सका है, जिससे लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। मुखिया प्रतिनिधि मंसूर अली ने बताया कि विजैया पंचायत में कुल 54 जलमीनार निर्माण का लक्ष्य था, जिसमें से 50 का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। लेकिन इनमें से कई जलमीनार या तो बंद पड़े हैं या अभी तक चालू ही नहीं किए गए हैं। मोदी टोला का जलमीनार भी उन्हीं में से एक है, जो बनने के बाद से अब तक शुरू नहीं हो पाया है।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में संबंधित विभाग और अधिकारियों को कई बार फोन कर जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। वहीं, कई अन्य जलमीनार खराब होने के बावजूद उनकी मरम्मत भी नहीं कराई गई है। विदित हो कि एक जलमीनार के निर्माण पर लगभग 10 लाख रुपये खर्च किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें शुद्ध पेयजल का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इससे सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द जलमीनार को चालू कराने और खराब पड़े जलमीनारों की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि उन्हें पेयजल की समस्या से राहत मिल सके।

संक्षिप्त खबरें

महासमिति के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों ने एसडीपीओ को किया सम्मानित

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में रामनवमी महापर्व धूमधाम व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होने पर बड़कागांव रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष विवेक सोनी ने पुलिस प्रशासन को बधाई देते हुए बड़कागांव एसडीपीओ पवन कुमार को ट्रॉफी व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया है। पुलिस प्रशासन की योगदान को देखते हुए इससे पूर्व महासमिति के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों के द्वारा पुलिस इंस्पेक्टर ललित कुमार एवं थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह को सम्मानित किया गया है। सम्मानित करने वालों में मुख्य रूप से महासमिति अध्यक्ष विवेक कुमार सोनी, मुखिया संघ के अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, सचिव बैजनाथ महतो, मुखिया मोहम्मद तकरीमुल्ला खान, विनोद सिन्हा, वीरेंद्र महतो, मुखिया प्रतिनिधि बालेश्वर महतो व अन्य शामिल थे।

बड़कागांव चर्च में मनाया गया गुड फ्राइडे

बड़कागांव : जेएमएस चर्च पास्टर नकुल महतो के नेतृत्व में बड़कागांव चर्च में शुक्रवार को गुड फ्राइडे मनाया गया। इस दौरान ईसा मसीह के अनुयायियों ने देश में अमन चैन शांति के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन किया। पास्टर नकुल महतो ने बताया कि कलीसिया (चर्च) के सभी लोग मिलकर यीशु मसीह के उस सर्वश्रेष्ठ बलिदान को याद किए। जब यीशु मसीह मनुष्य जाति के पाप के लिए अपना प्राण क्रूस पर न्योछावर कर दिया और अपना सारा लहू बहा दिया उनके लहू बहाने से हमारे पाप धोए गए। इसलिए इस दिन को सभी मसीह विश्वासी और दुनिया में हर एक जगह, इस दिन को भला शुक्रवार के रूप में यानी गुड फ्राइडे के रूप में मनाया जाता है।

राम भक्तों ने मनाया हनुमान जन्मोत्सव

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के चर्चित दैनिक बाजार स्थित हनुमान मंदिर एवं विश्रामपुर शिव मंदिर में राम भक्तों ने धूमधाम से हनुमान जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान लोगों ने हनुमान चालीसा पाठ एवं हनुमान जी की आरती उतार कर तथा हनुमान जी की साज श्रृंगार कर पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात श्रद्धालुओं के बीच राम भक्तों ने प्रसाद का वितरण किया। इंग्लेश सोनी एवं पिंटू गुप्ता ने कहा कि हमें भगवान हनुमान जी चिरंजीव है इनकी विचारों को हमें आत्मसात करने की जरूरत है। तभी संपूर्ण समाज का कल्याण संभव है। हनुमान जी की सच्ची पूजा अर्चना से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मौके पर इंग्लेश सोनी जिला सेवा प्रमुख विश्व हिंदू परिषद,पिंटू गुप्ता प्रखंड मंत्री,विद्या अलंकार बजरंग दल प्रखंड सह संयोजक,पंचम पांडे,अनिल कुमार, दिनेश्वर कुमार, बजरंग दल प्रखंड संयोजक, नन्दलाल कुमार, सुनील कुमार राणा, गीता देवी, रीना देवी गणित देवी, सोनी कुमारी, आशा देवी, आचार्य गीता देवी, संच प्रशिक्षक सुषमा राणा समेत कई राम भक्त उपस्थित थे।

प्रवासी मजदूर की पुणे में बिल्डिंग से गिरकर दर्दनाक मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

विष्णुगढ़ : प्रवासी मजदूरों की मौत का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। इस क्रम में झारखंड के हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र सारुकुदार पंचायत के चिंहुटिया के एक प्रवासी मजदूर की महाराष्ट्र के पुणे चाकन में काम के दौरान बिल्डिंग से गिरने से गुरुवार को मौत हो गई।मौत की सूचना मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत सारूकुदर पंचायत के चिहुंटिया गांव निवासी नेहाल महतो के 40 वर्षीय पुत्र नुनुचंद महतो की मौत काम के दौरान बिल्डिंग से गिरने से मौत हो गई। वह पिछले 15 वर्षों से पुणे में राजमिस्त्री का काम करता था और वह अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी धनेश्वरी देवी, पुत्री देवंती कुमारी (20), कंचन कुमारी (15) और पुत्र राकेश कुमार (18) समेत भरापूरा परिवार छोड़ गया। सूचना मिलने पर प्रवासी मजदूर के हित में कार्य करने वाले समाजसेवी सिकन्दर अली मृतक के घर पहुंचे और घटना की जानकारी ली और उसके परिजन को ढाढ़स बंधाया और उन्होंने संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि प्रवासी मजदूरों की मौत का यह इकलौता मामला नहीं है। आए दिन देश के दूसरे राज्यों समेत विदेशों में काम के दौरान बगोदर प्रखंड के प्रवासी मजदूरों की मौत के मामले सामने आते रहे हैं। बता दें कि हजारीबाग बोकारो और गिरिडीह जिले के काफी युवा रोजी-रोटी के लिए विदेश समेत देश के दूसरे राज्यों, महानगरों में पलायन करते हैं। वहां रोजगार कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इसी दौरान कई मजदूरों की मौत हो जाती है इसलिए सरकार को स्थानीय स्तर पर रोजगार मुहैया कराने की दिशा में पहल करने की जरूरत हैं ताकि पलायन रोका जा सके।

विष्णुगढ़ मामले में सरकार संवेदनशील, पुलिस की कार्रवाई सराहनीय : उमाशंकर अकेला

भाजपा पर झूठा माहौल बनाने का आरोप, जनप्रतिनिधियों से राजनीति नहीं सहयोग की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने कोनरा पंचायत भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में विष्णुगढ़ मामले को लेकर राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन की कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस संवेदनशील मामले में गंभीरता और तत्परता दिखाई, जिसके कारण पुलिस ने समय रहते पूरे प्रकरण का खुलासा कर दिया। पूर्व विधायक ने कहा कि घटना के समय जिला पुलिस रामनवमी पर्व की सुरक्षा व्यवस्था में व्यस्त थी,

बावजूद इसके त्योहार समाप्त होते ही पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मामले का उद्भेदन कर लिया। उन्होंने इसे प्रशासन की सक्रियता और प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। इस दौरान उन्होंने भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के कुछ नेताओं ने मामले को लेकर झूठा माहौल बनाने और साजिश रचने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री से लेकर हजारीबाग सांसद, बरही विधायक, सदर विधायक और बरकट्ठा विधायक सहित कई भाजपा नेता विष्णुगढ़ पहुंचकर फांसी की सजा की मांग कर रहे थे। श्री अकेला ने कहा कि जैसे ही जांच में भाजपा से जुड़े एक नेता का नाम सामने आया, वैसे ही पार्टी के नेताओं की सक्रियता कम हो गई और वे इस मुद्दे पर शांत पड़ गए। उन्होंने कहा कि इस तरह के संवेदनशील मामलों में जनप्रतिनिधियों को राजनीति करने के बजाय पुलिस प्रशासन का सहयोग करना चाहिए। प्रेसवार्ता में उन्होंने बताया कि जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया है कि मृतक किशोरी की मां, उनके सहयोगी भीम राम और एक महिला सहयोगी (भक्तिन) इस पूरे मामले के मुख्य साजिशकर्ता निकले हैं। मौके पर 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, बेन्दगी पंचायत के मुखिया सिकंदर राणा, करियातपुर मुखिया मनोज कुमार, कोनरा मुखिया प्रतिनिधि मो. ताजुद्दीन, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि मो. सागिर, गोविंद यादव, रिजवान अली समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गैस खत्म का बोर्ड, एजेंसी बंद, देविशिका एचपी गैस की कार्यशैली पर भड़के उपभोक्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड स्थित देविशिका एचपी गैस एजेंसी की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। बुधवार को सीओ संजय यादव एवं एमओ विक्रम पाण्डेय द्वारा एजेंसी का निरीक्षण किए जाने के बाद गुरुवार को एजेंसी व गोदाम खोले गए और उपभोक्ताओं के बीच गैस का वितरण भी किया गया। लेकिन शुक्रवार को पुनः एजेंसी और गोदाम दोनों बंद पाए गए, साथ ही गोदाम पर गैस खत्म का बोर्ड लगा दिया गया। इस अचानक बंदी से उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि एजेंसी द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूली जा रही है।

बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडर की कीमत 972 रुपये निर्धारित है, इसके बावजूद उपभोक्ताओं से अधिक पैसे लिए जा रहे हैं। वहीं जनप्रतिनिधियों ने भी एजेंसी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि गैस स्टॉक खत्म भी हो गया है, तो कम से कम कार्यालय खुला रखा जाना चाहिए, ताकि उपभोक्ता केवाईसी एवं अन्य जरूरी कार्य कर सकें। कार्यालय बंद रहने के कारण आम लोग बार-बार चक्कर काटकर वापस लौटने को मजबूर हैं। लगातार मिल रही शिकायतों के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं होने से उपभोक्ताओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

लोगों ने प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

एक नजर

झूलन के साथ संपन्न हुआ बाबा आम्रेश्वर धाम का मंडा महोत्सव

रांची : खूंटी स्थित बाबा आम्रेश्वर धाम में आयोजित पांच दिवसीय मंडा महोत्सव का समापन 3 अप्रैल 2026 को पारंपरिक झूलन कार्यक्रम के साथ भव्य तरीके से हुआ. धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर इस महोत्सव में अंतिम दिन हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी. समापन के अवसर पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित उस्ताद सुनीता महतो की महिला मंडली और चिरकाडीह, पुरुलिया की उस्ताद ममता महतो की महिला मंडली ने आकर्षक छऊ नृत्य की प्रस्तुति दी. लोक संस्कृति की इस मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. आसपास के गांवों से पहुंचे लोगों ने देर तक इन प्रस्तुतियों का आनंद लिया.

सिल्ली में बॉक्साइट लदे ट्रक में लगी आग

रांची : राजधानी रांची के सिल्ली इलाके में शुक्रवार को एक बॉक्साइट लदे ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। यह घटना नवाडीह के पास उस समय हुई, जब ट्रक लोहरदगा से हिंडालको की ओर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक में आग लगते ही चालक और खलासी ने तत्परता और सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को तुरंत सड़क किनारे खड़ा कर दिया और सुरक्षित बाहर निकल गए। कुछ ही देर में ट्रक से तेज लपटें उठने लगीं, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। सूचना पाकर पुलिस टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया।

माओवादी नेता प्रशांत बोस का 80 वर्ष की आयु में निधन

रांची : प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के पोलित ब्यूरो सदस्य और एक करोड़ रुपये के इनामी नेता प्रशांत बोस का शुक्रवार तड़के निधन हो गया। वह रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद था, जहां उसने सुबह अंतिम सांस ली। उसकी उम्र करीब 80 वर्ष बताई जा रही है। जेल प्रशासन ने उसके निधन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। प्रशांत बोस मूल रूप से पश्चिम बंगाल का निवासी था और नक्सली संगठन में किशन दा के नाम से जाना जाता था। जानकारी के अनुसार, वह पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के जादवपुर स्थित विजयगढ़ कॉलोनी का रहने वाला था। नक्सली गतिविधियों में उसकी लंबे समय से सक्रिय भूमिका रही थी।

आईएमए भवन में दवा मेला 10 से

रांची : डॉक्टर्स वाइव्स एसोसिएशन ने दो दिवसीय 10-11 अप्रैल को करमटोली स्थित आईएमए भवन में दवा मेला 2026 का आयोजन किया है। इसका उद्घाटन गांडेय विधायक कल्पना सोरेन करेंगी। आईएमए हाल के अंदर और परिसर में करीब 50 स्टॉल लगेंगे। इस बार अंतरराज्यीय स्टालों की संख्या बढ़ी है। कमेटी की चेयरपर्सन विनीता शरण, फाउंडर एंड को चेयरपर्सन झूमा सरकार, अध्यक्ष रेणु तिवारी, सचिव श्वेता रंजन एवं कोषाध्यक्ष पल्लवी शरण हैं।

एलपीजी की 'वेटिंग' ने बढ़ाई चूल्हों की 'रेटिंग', रांची के बाजारों में उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में गहराते एलपीजी संकट ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। गैस सिलेंडर की किल्लत और लंबी वेटिंग लिस्ट के बीच लोग अब मजबूरी में पारंपरिक विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। शहर के बाजारों में दशकों पुराने लोहे, टिन और मिट्टी के चूल्हों की मांग में अचानक भारी उछाल देखा जा रहा है।

हालांकि प्रशासन अवैध रिफिलिंग और कालाबाजारी पर छापेमारी कर रहा है, लेकिन आपूर्ति सुचारू न होने तक पारंपरिक चूल्हे ही लोगों का एकमात्र सहारा बने हुए हैं। अब देखना यह है कि आपूर्ति सामान्य होने के बाद ये चूल्हे फिर से स्टोर रूम में जाएंगे या बढ़ती महंगाई और किल्लत के बीच रसोई का स्थाई हिस्सा बने रहेंगे।

होटल और घरेलू उपभोक्ता दोनों परेशान

केवल घर ही नहीं, बल्कि शहर के होटल और ढाबा संचालक भी गैस की किल्लत से जूझ रहे हैं। व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए लोग बड़े और मजबूत चूल्हे खरीद रहे हैं। ग्राहकों का कहना है कि गैस बुकिंग के हफ्तों बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा है, जिसके चलते उन्हें मजबूरी में लकड़ी और कोयले का सहारा लेना पड़ रहा है।

बाजार में लौटी रौनक, कारीगरों के चेहरे खिले

कभी रसोई का अनिवार्य हिस्सा रहे पारंपरिक चूल्हे अब आधुनिक किचन में वापसी कर रहे हैं। रांची के बाजारों में 250 रूपए से लेकर 1400 रूपए तक की कीमत में विभिन्न प्रकार के चूल्हे उपलब्ध हैं।

किफायती विकल्प: लोहे की चादर और पुरानी स्टील की बाल्टियों से बने कस्टमाइज्ड चूल्हे ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं।

स्मोकलेस चूल्हे: अपार्टमेंट और फ्लैट में रहने वालों के लिए कम धुआं देने वाले 'स्मोकलेस' चूल्हों की डिमांड सबसे अधिक है।

रोजगार को संजीवनी: मांग बढ़ने से उन कारीगरों को फिर से काम मिलने लगा है जिनका काम गैस के आने के बाद लगभग ठप हो गया था।

खाड़ी देशों का तनाव बना कारण

जानकारों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाड़ी देशों में जारी तनाव के कारण गैस की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है। इसका सीधा असर घरेलू आपूर्ति पर पड़ा है। आपूर्ति में कमी के चलते रांची के कई इलाकों में उपभोक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन और सड़क जाम भी किया है।

छः को मनाया जाएगा भाजपा का स्थापना दिवस, विविध कार्यक्रमों का होगा आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 47वां स्थापना दिवस आगामी 6 अप्रैल को पूरे देश के साथ-साथ झारखंड में भी उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने बताया कि इस अवसर को भव्य बनाने के लिए राज्यभर में व्यापक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा पार्टी विद डिफरेंस है, जो केवल राजनीति नहीं, बल्कि राष्ट्रनीति के सिद्धांतों पर कार्य करती है। उन्होंने बताया कि भारतीय जनसंघ के रूप में शुरू हुआ यह संगठन आज करोड़ों कार्यकर्ताओं के समर्पण और परिश्रम से एक विशाल स्वरूप ले चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा देश के विकास और वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि स्थापना दिवस के सफल आयोजन के लिए प्रदेश स्तर पर पांच सदस्यीय टीम के साथ-साथ जिला स्तर पर भी समितियों का गठन किया गया है। 5 अप्रैल को बूथ, मंडल, जिला और प्रदेश कार्यालयों में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई और सजावट की जाएगी। महिला मोर्चा को मुख्य द्वार पर फूलों और रंगोली से सजावट की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने बताया कि 6 और 7 अप्रैल को सभी कार्यकर्ता अपने-अपने घरों पर पार्टी का नया ध्वज फहराएंगे। साथ ही सभी बूथों पर भी झंडा फहराकर स्थापना दिवस मनाया जाएगा। जिला मुख्यालयों में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक कार्यक्रम आयोजित होंगे, जहां पार्टी की विकास यात्रा पर वक्ताओं द्वारा संबोधन दिया जाएगा। इसके अलावा चौक-चौराहों और बाजारों में बड़े झंडे लगाए जाएंगे और कार्यकताओं को सोशल मीडिया पर सेल्फी साझा कर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से आज झारखण्ड विधानसभा सदस्य सत्येन्द्र नाथ तिवारी एवं अन्य ने लोक भवन में भेंट की तथा गढ़वा जिले के बलीगढ़-विश्रामपुर पंचायत क्षेत्र में कूटकू मंडल डैम से संबंधित विस्थापित परिवारों की समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए एक ज्ञापन समर्पित किया।

मारवाड़ी युवा मंच ने लगाया लस्सी-शीतल जल का शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, रांची शाखा द्वारा शुक्रवार को ओल्ड एचबी रोड स्थित क्षेत्र में स्वागत शिविर का आयोजन किया गया। इस सेवा शिविर में श्रद्धालुओं के लिए लस्सी और शीतल जल की विशेष व्यवस्था की गई, जिससे बढ़ती गर्मी के बीच लोगों को काफी राहत मिली।

शिविर में मंच के सदस्यों ने आगंतुकों का उत्साह, श्रद्धा और समर्पण के साथ स्वागत किया। पूरे आयोजन में अनुशासन, सहयोग और सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने इस पहल की सराहना की।

मंच के अध्यक्ष विकास अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज से आए श्रद्धालु भक्तों को सुविधा प्रदान करना और उनकी सेवा करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे पावन अवसर पर सेवा करना सौभाग्य की बात है और मंच भविष्य में भी समाजहित में इसी प्रकार के कार्य करता रहेगा।

पुलिस की छापेमारी में दो होटलों से अवैध शराब की बड़ी खेप जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर चौक में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए एक होटल और दुकान से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि बलराम साहू एवं प्रकाश साहू द्वारा अवैध रूप से शराब का भंडारण कर बिक्री की जा रही है। वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (ग्रामीण) के मार्गदर्शन में सिल्ली

थाना की टीम ने छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान मौके से विभिन्न ब्रांडों की सैकड़ों बोतलें बरामद की गईं, जिनमें व्हिस्की, बीयर एवं अन्य विदेशी शराब शामिल हैं। बरामद शराब में मैकडॉवेल्स, रॉयल स्टैग, इम्पीरियल ब्लू, स्टर्लिंग रिजर्व, रॉयल चैलेंज, 8 पीएम जैसे प्रमुख ब्रांड के साथ किंगफिशर और हेवर्ड्स बीयर भी शामिल हैं। पुलिस ने सभी जब्त शराब को सूचीबद्ध कर कब्जे में ले लिया है। इस मामले में सिल्ली थाना कांड संख्या 25/2026, के तहत झारखंड आबकारी अधिनियम 2015 की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन पुलिस द्वारा मामले की गहन जांच की जा रही है तथा इसमें संलिप्त लोगों की पहचान कर कार्रवाई की तैयारी की जा रही। इस मौके पर सिल्ली थाना के मुकेश कुमार कुशवाहा, रामदेव कुमार यादव, विद्या प्रसाद, महेश्वर महतो, मानस चंद्र गगन आदि प्रशासन उपस्थित थे।

हुनर के दम पर संवरी तकदीरः सुगनु की महिलाओं ने बांस की कला से लिखी स्वावलंबन की नई इबारत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की ग्रामीण महिलाएं अब केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अपने पारंपरिक हुनर को कमाई का जरिया बनाकर मिसाल पेश कर रही हैं। रांची के कांके प्रखंड स्थित सुगनु गांव की महिलाओं ने इसे सच कर दिखाया है। यहाँ की 'लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह' की महिलाएं बांस से आधुनिक सजावटी सामान तैयार कर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान भी बना रही हैं।

खास बातें

विविधता: 80 रुपये से लेकर 2000 रुपये तक के उत्पाद उपलब्ध।

पहुंच: साल में 5 से 6 बड़े राष्ट्रीय मेलों में शिरकत।

प्रशिक्षण: पारंपरिक बांस कला को आधुनिक डिजाइन में ढालने की मिली ट्रेनिंग।

दिल्ली-मुंबई तक उत्पादों की धूम

इन महिलाओं द्वारा निर्मित लैंप, हैंगिंग ग्लोब, फ्रूट बास्केट, पेन स्टैंड और ज्वेलरी बॉक्स की मांग अब देशभर में है। समूह की सदस्य मोनिका देवी ने बताया कि वे दिल्ली, मुंबई, पंजाब और लखनऊ जैसे बड़े शहरों के मेलों में अपने स्टॉल लगाती हैं। सरकार द्वारा निशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराने से उन्हें बड़े बाजार तक पहुंचने में मदद मिली है।

मजदूरी छोड़ बनीं मालकिन

संजोती देवी जैसी कई महिलाएं जो पहले दूसरों के खेतों में मजदूरी करती थीं, अब खुद के काम से सम्मानजनक कमाई कर रही हैं। रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री के अनुसार, जिला प्रशासन जेएसएलपीएस के माध्यम से महिलाओं को लगातार प्रशिक्षित कर रहा है। वर्तमान में रांची जिले के 18 प्रखंडों में लगभग 2,49,663 महिलाएं विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं।

पारंपरिक पेशा, आधुनिक पहचान

महली समुदाय से ताल्लुक रखने वाली इन महिलाओं का पुश्तैनी काम बांस की वस्तुएं बनाना था। समूह की सचिव गीता देवी बताती हैं कि पहले वे केवल पारंपरिक टोकरियां बनाती थीं, जिसमें आमदनी बेहद कम थी। साल 2016 में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी से जुड़ने के बाद उनके काम को नई दिशा मिली। 2018 में समूह ने 2.5 लाख रुपये का ऋण लिया और आज इनका सालाना टर्नओवर 2 लाख रुपये के करीब पहुंच चुका है।

सुगनु गांव की यह कहानी साबित करती है कि यदि हुनर को सही मार्गदर्शन और बाजार मिले, तो ग्रामीण महिलाएं समाज में बड़े बदलाव की वाहक बन सकती हैं।

संक्षिप्त खबरें

रांची में आदिवासी महिला के साथ अमानवीय घटना पर आजसू का विरोध, सख्त कार्रवाई की मांग

रांची : राजधानी रांची के कोकर स्थित भाभानगर में आदिवासी महिला के साथ हुई अमानवीय घटना को लेकर ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) पार्टी ने कड़ा विरोध जताया है। पार्टी ने इस घटना को बेहद निंदनीय बताते हुए कहा कि सभ्य समाज में ऐसी घटनाओं के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। जानकारी के अनुसार, कोकर क्षेत्र में एक आदिवासी महिला को कथित रूप से कालिख पोतकर, जूते-चप्पलों की माला पहनाकर सरेआम घुमाया गया। इस घटना से पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल है और लोगों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव संजय मेहता ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह न केवल एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है, बल्कि पूरे झारखंड की मानवता को शर्मसार करने वाला है। संजय मेहता ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र के भाभानगर में एक झूठे चोरी के आरोप में महिला को चार दिनों तक बंधक बनाकर प्रताड़ित किया गया। इस दौरान उसके चेहरे पर कालिख पोती गई, जूते-चप्पलों की माला पहनाई गई, चोर लिखे पोस्टर लगाए गए और उसे सार्वजनिक रूप से घुमाया गया। इतना ही नहीं, स्थानीय लोगों को भी धमकाया गया ताकि कोई इस घटना का विरोध न कर सके। उन्होंने कहा कि यह मामला अत्यंत गंभीर, घृणित और चिंताजनक है। स्थानीय महिलाओं के विरोध के बाद ही पुलिस हरकत में आई, जो कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। आजसू पार्टी ने पुलिस प्रशासन से इस मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच कराने की मांग की है। साथ ही दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कठोर दंड सुनिश्चित करने की अपील की है।

15 जिलों में 5 और 6 को ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी

रांची : झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग ने राज्य के 15 जिलों में 5 और 6 अप्रैल को ओलावृष्टि की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही 7 अप्रैल तक कई जिलों में गर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की भी चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 5 अप्रैल को गढ़वा, पलामू, चतरा और हजारीबाग जिलों में ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 6 अप्रैल को गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, रांची, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो और गिरिडीह समेत कई जिलों में ओलावृष्टि की संभावना अधिक जताई गई है। इसके अलावा 7 अप्रैल तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्जन के साथ हल्की बारिश, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। राज्य में इन दिनों मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। राजधानी रांची सहित कई जिलों में धूप और बादलों का दौर जारी है। कभी तेज गर्मी तो कभी बादल छाने से लोगों को राहत मिल रही है। शुक्रवार को राज्य का अधिकतम तापमान सामान्य से 1 डिग्री अधिक और न्यूनतम तापमान 2 डिग्री अधिक दर्ज किया गया।

सिल्ली प्रखंड कांग्रेस का संवाद कार्यक्रम कल

सिल्ली : झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष सोमनाथ मुंडा जी के निदेर्शानुसार सिल्ली प्रखंड में 5 अप्रैल दिन रविवार समय 11 बजे से द विलेज रिसोर्ट सुलुमजुड़ी सिल्ली में बीएलए 2 ट्रेनिंग,मनरेगा और पेशा कानून का संवाद कार्यक्रम रखा गया है।इस संवाद कार्यक्रम में सिल्ली प्रखंड कांग्रेस पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्षगण व पंचायत पदाधिकारीगण एवं बीएलए 2 और कांग्रेस वरिष्ठ नेतागण इस संवाद कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। इसकी जानकारी सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो ने प्रेस विज्ञप्ति को दी है।

झारखंड में नरबलि जैसी कुप्रथाओं पर बने कठोर कानून : आप

रांची : झारखंड के हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ में अंधविश्वास और कथित नरबलि से जुड़ी घटना को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पार्टी ने इस घटना को मानवता पर कलंक बताते हुए राज्य सरकार से तत्काल ठोस और प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। रांची के मोरहाबादी स्थित राजकीय अतिथिशाला में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में आआपा झारखंड के प्रदेश प्रभारी (विधि प्रकोष्ठ) अमित कुमार ने कहा कि यह सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि समाज की गहरी विफलता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आजादी के दशकों बाद भी यदि अंधविश्वास और मानव बलि जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, तो यह शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर करता है। अमित कुमार ने बताया कि राज्य में जादू-टोना निवारण अधिनियम पहले से लागू है, लेकिन इसमें मानव बलि जैसे जघन्य अपराधों के लिए स्पष्ट और कठोर दंड का प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में यह कानून अपर्याप्त साबित हो रहा है, इसलिए राज्य में एक नया, सशक्त और व्यापक कानून बनाया जाना चाहिए, जिसमें कड़ी सजा के साथ-साथ जनजागरूकता के उपाय भी शामिल हों। वहीं पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रभात शर्मा ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को इस गंभीर मुद्दे पर सिर्फ बयानबाजी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो पार्टी इस मुद्दे को लेकर व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगी। प्रेस वार्ता में आआपा सह प्रभारी कुमार राकेश और जोनल कॉर्डिनेटर राजेश लिंडा ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान पार्टी ने कई अहम मांगें सामने रखीं, जिनमें अंधविश्वास, तंत्र-मंत्र एवं मानव बलि निषेध अधिनियम के नाम से नया कठोर कानून बनाने, मानव बलि को दुर्लभ में दुर्लभतम अपराध घोषित करने और इसके लिए सख्त दंड सुनिश्चित करने की मांग प्रमुख रही।

बुंडू प्रखंड के बारूहातु पंचायत भवन में विधिक सेवा आपके द्वारा कार्यक्रम आयोजित

रांची : झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सह न्यायामूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं रांची के न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में बुंडू प्रखंड के बारूहातु पंचायत भवन में विधिक सेवा आपके द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसी वीरेंद्र प्रताप ने लोगों को पोक्सो एक्ट, मोटर व्हिकल एक्ट, बाल श्रम, बाल विवाह, डायन बिसाही और पीड़ित मुआवजा, लोक अदालत, मध्यस्थता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बाल विवाह में सजा और जुमार्ना दोनों का प्रावधान है। सौरभ पांडे ने कहा कि पीड़ितों को मुआवजा दिलाने में डालसा कड़ी का काम करता है। उन्होंने नालसा की ओर से संचालित योजना, आशा, जागृति, साथी, डॉन और नालसा के टॉल फ्री नम्बर - 15100 पर भी फोकस किया। वीरेंद्र प्रताप ने कहा कि सभी पंचायत, ब्लॉक और अस्पतालों में पीएलवी नियुक्त किये गये हैं। जरूरत पड़ने पर पीएलवी से संपर्क कर मदद लिया जा सकता है। सौरभ पांडे ने कहा कि न्यायालय से पीड़ित को मुआवजा देने के आदेश होने पर डालसा पीड़ितों को जिला प्रशासन से समन्वय बनाकर पीड़ितों को मुआवजा दिलाने में सहायता करता है।

एक नजर

अड्डी बांग्ला स्थित दुर्गा मंडप के सामने फल के कैरेट में लगी भीषण आग

झुमरीतिलैया : झुमरीतिलैया के अड्डी बांग्ला स्थित दुर्गा मंडप के सामने शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे फल के कैरेट में अचानक भीषण आग लग गई। आग कचोरीलाल के फल गद्दी के बगल में रखे कैरेट में लगी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। घटना में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

भदानीनगर में केबल चोरी की कोशिश नाकाम, प्रहरी की सतर्कता से टली घटना

भुरकुंडा : भदानीनगर ओपी क्षेत्र में एक बार फिर चोरों की सक्रियता सामने आई है, जहां ग्लास फैक्ट्री के समीप बीएसएनएल के बिजली केबल को काटने का प्रयास किया गया। हालांकि रात्रि सुरक्षा प्रहरी की सतर्कता के कारण चोर अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में हलचल मच गई। ओपी से महज सौ मीटर दूर हुई वारदात जानकारी के अनुसार, भदानीनगर ओपी से करीब सौ मीटर की दूरी पर स्थित ग्लास फैक्ट्री दुर्गा मंडप के पास चोरों ने बीएसएनएल के लगभग 11 हजार वोल्ट के बिजली केबल को निशाना बनाया। देर रात चोर कुल्हाड़ी से केबल काटने का प्रयास कर रहे थे, तभी अचानक उस लाइन की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जबकि आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई सामान्य बनी रही।
प्रहरी की सतर्कता से बची बड़ी चोरी इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात रात्रि सुरक्षा प्रहरी जलील खान की नजर संदिग्ध गतिविधि पर पड़ी। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को मोबाइल के माध्यम से सूचना दी और शोर मचाया।
अचानक शोर सुनकर चोर घबरा गए और कुदाल, कुल्हाड़ी सहित अन्य उपकरण मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए।
कर्मचारियों और स्थानीय लोगों की जुटी भीड़ घटना की जानकारी मिलते ही झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के कर्मचारी और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। कर्मचारियों ने स्थिति का जायजा लिया और क्षतिग्रस्त केबल की जांच की। मौके पर राजेंद्र महतो, विश्वनाथ करमाली, ननका महतो, कुंदन कुमार, तुलसी कुमार, मनोज मुंडा सहित कई लोग मौजूद थे।
सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल घटना स्थल ओपी से बेहद नजदीक होने के बावजूद चोरों का इस तरह सक्रिय होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों ने इलाके में नियमित गश्त बढ़ाने और ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस मुठभेड़ में हत्याकांड के आरोपी को लगी गोली

पलामू : जिले में पुलिस और अपराधियों के बीच शुक्रवार को हुई मुठभेड़ में एक अपराधी को गोली लग गई। वहीं एक अन्य अपराधी को मौके से गिरफ्तार किया गया। घायल आरोपित को इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर में भर्ती कराया गया है। घायल अपराधी की पहचान मेदिनीनगर के मुस्लिमनगर निवासी फैज खान के रूप में हुई है। फैज के पैर में दो गोली लगी है। पकड़ में आए दूसरे अपराधी की पहचान आदर्श कुमार के रूप में हुई है। यह घटना जिले के पांकी-तरहसी के बॉर्डर इलाके में हुई। पुलिस पूरे मामले में जांच कर रही है और फैज के साथ मौजूद अन्य अपराधियों की तलाश में जुटी है।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में अनियमितता डीईओ ने जारी किया शो-कॉज नोटिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा विधि विभाग, राँची द्वारा जारी अधिसूचना एवं झारखण्ड शिक्षा न्यायाधिकरण अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम द्वारा मॉर्डन पब्लिक स्कूल, झुमरीतिलैया का औचक निरीक्षण किया गया।
निरीक्षण के दौरान विद्यालय प्रबंधन द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-26 एवं 2026-27 में क्रमशः 10 प्रतिशत, 09 प्रतिशत एवं 08 प्रतिशत की शुल्क वृद्धि की पुष्टि हुई। जबकि अधिनियम की कंडिका 7 (ड़) के अनुसार शुल्क समिति द्वारा निर्धारित शुल्क दो वर्षों के लिए मान्य होता है। इसके बावजूद वर्ष 2026-27 में पुनः शुल्क वृद्धि किया जाना नियमों का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया। जांच के क्रम में यह भी सामने आया कि विद्यालय द्वारा पी.जी. से लेकर कक्षा 10 तक की पुस्तकों में वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में व्यापक बदलाव किया गया है। इस संबंध में विद्यालय प्राचार्य द्वारा कोई संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया। इससे अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ना स्वाभाविक है। इसके अतिरिक्त, विद्यालय द्वारा नर्सरी से कक्षा 08 तक के छात्रों से "स्मार्ट क्लास" के नाम पर शुल्क वसूला जा रहा है, जो नियमों के अनुरूप नहीं है। साथ ही, शुल्क समिति की बैठक दिनांक 13.03.2025 एवं 16.02.2026 को आयोजित होने के बावजूद, निर्धारित नियमों की अवहेलना करते हुए फीस में वृद्धि की गई। निरीक्षण में स्पष्ट रूप से पाया गया कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा राज्य सरकार की अधिसूचना एवं झारखण्ड शिक्षा न्यायाधिकरण अधिनियम, 2005 का उल्लंघन किया जा रहा है, जो न केवल प्रशासनिक निदेशों की अवमानना है, बल्कि अभिभावकों के हितों के विपरीत भी है। उपायुक्त ऋतुराज के निदेर्शानुसार जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा मॉर्डन पब्लिक स्कूल, झुमरी तिलैया के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए विद्यालय प्रबंधन को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया है। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी निजी विद्यालयों को सख्त संदेश दिया है कि वे निर्धारित नियमों एवं अधिनियमों का पूर्णतः पालन करें, अन्यथा विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विष्णुगढ़ घटना पर जेएमएम की प्रेस कॉन्फ्रेंस, दोषियों को कड़ी सजा की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : झारखंड मुक्ति मोर्चा कोडरमा जिला समिति के तत्वावधान में ब्लॉक रोड स्थित छाबड़ा लॉज में हजारीबाग के विष्णुगढ़ में एक मासूम के साथ हुई हैवानियत को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेएमएम के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडे, केंद्रीय समिति सदस्य गंगा प्रसाद यादव, महिला मोर्चा अध्यक्ष ओणम प्रिया, जिला सचिव पवन माइकल कुजूर, बुद्धिजीवी मोर्चा अध्यक्ष दीपक नवीन चंद्रवंशी, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र मिश्रा समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। नेताओं ने विष्णुगढ़ की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। साथ ही हजारीबाग पुलिस प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से मामले का खुलासा हुआ और स्थिति को बिगड़ने से बचाया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूदा राजनीतिक माहौल पर भी चर्चा हुई, जहां भारतीय जनता पार्टी के रवैये पर नाराजगी जताई गई। नेताओं ने कहा कि इस तरह की संवेदनशील घटनाओं को राजनीतिक रूप देने से सामाजिक सौहार्द बिगड़ सकता है। जिला प्रवक्ता वीरेंद्र मिश्रा ने कहा कि यह सिर्फ घटना नहीं, बल्कि हैवानियत है, जिसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। अंत में जेएमएम नेताओं ने पुलिस और प्रशासन से दोषियों को जल्द सजा दिलाने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एलुमनी ऐसोसिएशन ने विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन के एलुमनी ऐसोसिएशन के तत्वावधान में विषय - महिला शिक्षा पर विशेष व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी एड सत्र 2018-20 की एलुमनी मोना सिन्हा ने उक्त विषय पर अपने बहुमूल्य विचार साझा करते हुए वर्तमान समाज में महिला शिक्षा के महत्व, चुनौतियों एवं सशक्तिकरण की भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला । कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि राष्ट्र एवं समाज के विकास में महिलाओं का महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर एलुमनी मोना सिन्हा ने महाविद्यालय के पुस्तकालय हेतु पुस्तक भेंट की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बी एड सत्र 2025-27 के सभी प्रशिक्षु एवं एलुमनी एसोसिएशन के समन्वयक सौरभ शर्मा और महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक डॉ पूजा कुमारी, डी एल एड विभागाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, आंतरिक गुणवता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक मनीष कुमार सिन्हा, डी एल एड समन्वयक खुशबू कुमारी सिन्हा, संजीत कुमार, सीताराम यादव एवं चुन्नु कुमार आदि उक्त अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक अनिल दास ने किया।

गुड फ्राइडे पर विशेष प्रार्थना सभाएं, प्रभु यीशु के बलिदान को किया गया याद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : गुड फ्राइडे के अवसर पर भुरकुंडा कोयलांचल समेत बासल और पतरातू क्षेत्र के विभिन्न गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया। इस दौरान ईसाई समुदाय के लोगों ने चर्च पहुंचकर प्रभु यीशु मसीह के बलिदान को याद किया और शांति व मानवता के लिए प्रार्थना की। पूरे दिन क्षेत्र में श्रद्धा और शांत वातावरण बना रहा।

प्रभु यीशु के बलिदान को किया गया याद

ईसाई धर्म में गुड फ्राइडे को अत्यंत पवित्र और शोकपूर्ण दिन माना जाता है। मान्यता है कि इसी दिन प्रभु यीशु मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने चर्च में एकत्र होकर उनके बलिदान को याद किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

विशेष प्रार्थना और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित

भुरकुंडा स्थित कौथिलक आश्रम स्कूल सहित विभिन्न चर्चो में विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं। अनुष्ठान का संचालन फादर बरनाबस खलखो, फादर सेबरेन लकड़ा और फादर थोमस रोड्रिक ने किया। इस दौरान शांति, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया गया।

सामुदायिक सहभागिता से सफल हुआ आयोजन

कार्यक्रम को सफल बनाने में सिस्टर सुनीता, सुमन्ती, अग्नेस सहित होली क्रॉस की धर्म बहनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके अलावा इरेनियुस, इग्नासियुस किण्डो, जस्टिन, दयाकिशोर, पेत्रुस लकड़ा, अजीत, सुदीप समेत कई लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

महिला और युवा वर्ग की रही सक्रिय भागीदारी

महिला समूह से ब्रिजीनिया, ललिता, सिसिलिया, रेबेका, पूनम, कंचन, खुशबू, रासेल, सुमन, जोसफिन, शोषाण, ज्योति, मेन्सिया और हेलेन की भागीदारी रही। वहीं युवा वर्ग से मनीष लकड़ा, नम्रता, रश्मि, शनि, अनुराग, भावना और महिमा ने भी आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।

शांति और भाईचारे का संदेश

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गुड फ्राइडे हमें त्याग, प्रेम और मानवता की सेवा का संदेश देता है। यह दिन हमें सच्चाई और करुणा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। पूरे क्षेत्र में दिनभर श्रद्धा और आस्था का वातावरण बना रहा, जहां लोगों ने प्रार्थना कर विश्व शांति की कामना की।

डूबने से किशोरी की मौत, नहाने के लिए गई थी तालाब

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा मुफस्सिल थाना अंतर्गत बारीपी शारदा गांव में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। एक 14 वाषीर्या लक्ष्मी गोप नामक किशोरी की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना गुरुवार शाम की है जब वह दिन के लगभग 4.30 बजे नहाने के लिए गांव के तालाब गई थी। पास में खेल रहे बच्चों ने ग्रामीणों को दी घटना की सूचना नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चली गई। फिर निकल नहीं सकी। पास में खेल रहे बच्चों ने घटना की सूचना ग्रामीणों को दी। इसके बाद तुरंत गांव के लोग तालाब से किशोरी को निकाले का प्रयास में लग गए। बाहर निकालने पर उसे सदर अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने उसे जांच के उपरांत मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को सदर अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए भेज दिया है।

हनुमान जयंती पर भव्य समारोह, उत्कृष्ट झांकियों को किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : हनुमान जयंती के पावन अवसर पर रामगढ़ में एक भव्य और गरिमामयी समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें रामनवमी महोत्सव के दौरान प्रस्तुत उत्कृष्ट झांकियों को सम्मानित किया गया। यह आयोजन माँ विंध्यवासिनी दुर्गा मंदिर, सुभाष चौक परिसर में संपन्न हुआ, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

झांकियों ने बिखेरी भक्ति और संस्कृति की छटा

समारोह में उन झांकियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने रामनवमी के दौरान भगवान राम के जीवन, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया था। इन प्रस्तुतियों ने न केवल दर्शकों को भावुक किया, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी दिया। चयनित झांकी समितियों के पदाधिकारियों और कलाकारों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

समाज को जोड़ने का बना माध्यम

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में धार्मिक चेतना, सांस्कृतिक पहचान और नैतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। झांकियों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने का प्रयास सराहनीय है।

अध्यक्ष ने जताया आभार

महासमिति के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सभी झांकी समितियों, कलाकारों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही रामनवमी महोत्सव हर वर्ष और अधिक भव्य रूप में आयोजित हो पाता है। उन्होंने आगे भी इसी तरह सहयोग बनाए रखने की अपील की।

व्यवस्थित संचालन और सफल समापन

कार्यक्रम का संचालन नितेश मोदी ने किया, जबकि अंत में ओमप्रकाश कुशवाहा ने धन्यवाद ज्ञापन देकर समारोह का समापन किया। पूरे आयोजन के दौरान जय श्री राम के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

प्रमुख उपस्थिति:

कार्यक्रम में संजय सिंह, रंजन, फौजी दीपक मिश्रा, मधु गुप्ता, नूतन ठाकुर, सुरेंद्र महतो, तुलेश्वर पासवान, ब्रजेश पाठक, अमित ठाकुर, मंटू कुशवाहा, सुजीत सोनकर और कारू सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। यह आयोजन न केवल प्रतिभाओं के सम्मान का अवसर बना, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक भी साबित हुआ।

संक्षिप्त खबरें

रामगढ़ थाना में लगा वाटर कूलर, आमजन व पुलिस को राहत

रामगढ़ : गर्मी के बढ़ते असर के बीच रामगढ़ थाना परिसर में शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है। समाज सेवा के तहत इनरव्हील क्लब ऑफ रामगढ़ द्वारा यहां वाटर कूलर स्थापित कराया गया, जिससे पुलिस कर्मियों के साथ-साथ आम लोगों को भी राहत मिलेगी। वाटर कूलर की सुरक्षा और सुचारू संचालन को ध्यान में रखते हुए इसके ऊपर शेड का निर्माण कराया गया है। साथ ही परिसर की बाहरी दीवार पर वाश बेसिन भी लगाया गया है, जिससे लोगों को स्वच्छता संबंधी सुविधा भी उपलब्ध हो सके। थाना परिसर में स्थापित इस व्यवस्था का लाभ राहगीरों, डाकघर आने-जाने वाले लोगों तथा गांधी घाट (मुक्तिधाम) जाने वाले नागरिकों को भी मिलेगा। इससे क्षेत्र में स्वच्छ व ठंडे पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। स्थानीय लोगों ने क्लब की इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनसेवा की दिशा में सराहनीय कदम बताया है। क्लब अध्यक्ष नमिता श्रॉफ ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के जनहितकारी कार्य जारी रहेंगे। इस मौके पर थाना प्रभारी वीणा कुमारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं क्लब की ओर से जनेशा वडेरा, निधि चौधरी, नीरु साहनी, अनुराधा श्रॉफ, पिंकी पोद्दार, जसबिंदर होरा, नवलजीत कौर, मधु अग्रवाल, रंजू अग्रवाल, श्वेता जैन, मधु बरेलिया, मीरा बगड़िया, जसमीत कौर, ममता बसंत, दीपा वडेरा, अविनाश कौर, नीतू अग्रवाल, राजेंद्र बुधवार, हरमीत कौर और जसप्रीत कौर सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

चलती ट्रेन में शराब तस्करी का खुलासा, युवक गिरफ्तार

कोडरमा : दानापुर एक्सप्रेस में RPF की कार्रवाई, 7.92 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद कोडरमा के निदेर्शानुसार RPF टीम ने गाड़ी संख्या 13233 अप कोडरमा-दानापुर एक्सप्रेस) में चेकिंग के दौरान एक युवक को संदिग्ध हालत में पकड़ा। जांच में उसके पास से कुल 44 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। गिरफ्तार युवक की पहचान दीवाकर कुमार, निवासी नवादा के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने शराब को बिहार में ऊंचे दाम पर बेचने की बात स्वीकार की। बरामद शराब की कुल मात्रा 7920' और कीमत लगभग 8800 रुपये आंकी गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग कोडरमा को सौंपा जा रहा है।

श्री बालाजी फर्नीचर का बंपर ऑफर: खरीदारी पर इलेक्ट्रिक स्कूटी जीतने का मौका

डोमचांच : नगर पंचायत स्थित बिजली ऑफिस के निकट संचालित श्री बालाजी फर्नीचर द्वारा ग्राहकों के लिए आकर्षक बंपर ऑफर की घोषणा की गई है। दुकान के प्रोपराइटर ऋषिकांत कुमार और रवि कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि शादी-ब्याह के सीजन और बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए ग्राहकों के लिए खास ऑफर लाया गया है। उन्होंने बताया कि यहां बेड, अलमीरा, डायनिंग टेबल, गद्दा, तकिया के साथ-साथ फ्रिज और कूलर जैसे घरेलू उपयोग के सामानों पर विशेष पैकेज उपलब्ध है। 51 हजार रुपये की खरीदारी या 65 हजार रुपये के पैकेज पर ग्राहक लक्की ड्रॉ में शामिल हो सकते हैं, जिसमें चमचमाती इलेक्ट्रिक स्कूटी जीतने का मौका दिया जा रहा है। दुकानदारों के अनुसार, कुल 51 कूपन जारी किए गए हैं और प्रत्येक खरीदारी पर ग्राहकों को लक्की ड्रॉ कूपन दिया जाएगा। यदि लक्की ड्रॉ में आपका स्कूटी नहीं निकलता है, तो भी आपको निश्चित उपहार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील किया कि सीमित कूपन समाप्त होने से पहले इस बंपर ऑफर का लाभ उठाएं। इस अवसर पर समाजसेवी शिवनाथ यादव, राजेश साव, महेंद्र साव, रोहित (उर्फ) रघु कुमार, दिव्यांशु कुमार, राहुल कुमार, शंकर कुमार सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

हनुमान जन्मोत्सव पर झुमरी तिलैया में भक्तिमय माहौल

झुमरी तिलैया : हनुमान जन्मोत्सव को लेकर मंदिरो में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। अड्डी बंगला रोड स्थित चौधरी ब्रदर्स परिवार के द्वारा निर्मित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर 70 वां वार्षिक उत्सव धार्मिक कार्यक्रमों मैं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर आरती, ज्योत, सुंदरकांड पाठ जय सियाराम सत्संग समिति की आशा वर्णवाल कि टीम कि महिलाओं ने किया । इस अवसर पर मंगल भवन अमंगल हारी द्रबहु सुदसरत अजर बिहारी मंदिर परिसर का कोना-कोना गूंजायमान होता रहा। कार्यक्रम मे बजरंगबली के समकक्ष माथा टेक कर सुख शांति समृद्धि की कामना भक्तों ने सभी लोगों को निरोग ओर खुसहाल जीवन व्यतीत करे के कामना की। कार्यक्रम को लेकर 5 स्वामणी बुंदिया फल छप्पन भोग का प्रसाद वितरण किया मंदिर परिसर को आकर्षक लाइटिंग सजाया ओर संवारा गया था बाबा का आलौकिक श्रृंगार आकर्षण का केंद्र बिंदु बना महोत्सव को लेकर भजन कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना के साथ शुरू हुआ जिसे गोकुल शर्मा ने प्रस्तुत किया साथ ही गोकुल शर्मा ने तुम हो राम के दास हम तुम्हारे दास.... भजन प्रस्तुत किया उसके बाद पटना से आए माधो सुल्तानिया ने तारा है सारा जमाना प्रभु हम को भी तारो। हम को भी तारो प्रभु हम को भी तारो॥ अंजलि का लाला बड़ा मतवाला हवा में उड़ता जाये रे मेरा राम दुलारा----वीर हनुमान आती बाल वाना---- मुझे बाबा आपका सहारा नाह होता तो दुनिया में मेरा गुजरा ना होता---- जैसे भजन प्रस्तुत कर खूब झुमाया वही ममता चौधरी, पूनम शर्मा, गिरधारी सोमानी, सत्यम कुमार, मनोज माथुर व अन्य भजन गायकों ने बाबा भोले शंकर श्याम बाबा राणीसती दादीजी सहित भोजपुरी,राजस्थानी, क्लासिकल आधारित भजन प्रस्तुत कर भक्ति सागर गोता लगाने का मौका दिया। इस अवसर पर चौधरी परिवार, मारवाड़ी युवा मंच, प्रेरणा शाखा,अग्रवाल समाज,जैन समाज,महेश्वरी समाज, ब्राह्मण समाज के अलावा सामाजिक स्वयं सेवी धार्मिक संगठनो से जुड़े श्रद्धालु भक्त शामिल हुए।

विस्थापितों को हक नहीं मिला तो खाली जमीन पर चलाएंगे हल : चम्पाई सोरेन

पूर्व सीएम का बोकारो स्टील प्रबंधन और सरकार को 45 दिनों का अल्टीमेटम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन और राज्य सरकार के खिलाफ आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। शुक्रवार को बोकारो के सेक्टर 11 में शहीद प्रेम प्रसाद महतो की प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे पूर्व सीएम ने स्पष्ट लहजे में कहा कि यदि डेढ़ महीने के भीतर विस्थापितों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो वे हजारों रैयतों के साथ मिलकर प्लांट की खाली पड़ी जमीन पर हल चलाएंगे।

- 45 दिनों के भीतर विस्थापित अप्रेंटिस युवाओं को नौकरी देने की मांग।
- 12 साल से अधिक समय से खाली पड़ी अधिग्रहीत भूमि को वापस करने का दबाव।
- मांगें पूरी न होने पर खुद हल जोतकर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे।

'नौकरी के नाम पर थमाया जा रहा झुनझुना'

जनसभा को संबोधित करते हुए चम्पाई सोरेन ने प्रबंधन पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, बीएसएल ने 1500 विस्थापित युवाओं को अप्रेंटिस कराई, लेकिन नौकरी के बजाय उन्हें सिर्फ सर्टिफिकेट का झुनझुना थमा दिया गया। अगर उन्हें सिर्फ ट्रेनिंग ही लेनी होती, तो देश में और भी संस्थान थे। यह शिक्षित युवाओं के साथ सरासर धोखाधड़ी है।

अपने संबोधन में पूर्व सीएम ने रांची के चर्चित नगड़ी आंदोलन की याद दिलाई। उन्होंने कहा, जब सरकार नगड़ी में किसानों की जमीन घेर रही थी, तब भी हमने हल-बैल के साथ उतरकर उसे रोका था। बोकारो में भी वही इतिहास दोहराया जाएगा। अगर 60 साल से जमीन खाली पड़ी है, तो उसे कानूनी रूप से मूल रैयतों को वापस मिल जाना चाहिए। विकास के नाम पर ली गई जमीन पर शॉपिंग मॉल बनाना विस्थापितों के अस्तित्व को मिटाने की साजिश है। 1960 के दशक में भूमि देने वाले विस्थापित आज भी अपने अधिकारों के लिए जान देने को मजबूर हैं, यह इस व्यवस्था के लिए शर्म की बात है। अब लड़ाई कागजों पर नहीं, खेत-खलिहानों और प्लांट की जमीन पर होगी।

शहीद को दी श्रद्धांजलि

इससे पूर्व चम्पाई सोरेन ने पिछले वर्ष आंदोलन के दौरान अपनी जान गंवाने वाले विस्थापित इंजीनियर प्रेम प्रसाद महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि एक शिक्षित युवा की इस तरह मृत्यु एक पूरे परिवार के चिराग बुझने जैसी है और इसका हिसाब प्रबंधन को देना होगा। इस घोषणा के बाद स्थानीय विस्थापितों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

मुख्य न्यायाधीश का स्वागत नगाड़ा-मांदर बजाकर किया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति महेश शरदचंद्र सोनक के जमशेदपुर आगमन पर जिला प्रशासन की ओर से भव्य स्वागत किया गया। जिला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने पुष्पगुच्छ और पुस्तक भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। स्वागत समारोह में स्थानीय लोक कलाकारों ने पारंपरिक शैली में प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंग से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान न्यायमूर्ति सोनक ने कलाकारों से आत्मीय संवाद किया और झारखंड की समृद्ध लोक संस्कृति के प्रति अपनी रुचि व्यक्त की। उन्होंने स्वयं पारंपरिक वाद्ययंत्र नगाड़ा और मांदर बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया, जिससे वहां उपस्थित लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

इस मौके पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडे, वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे, पुलिस अधीक्षक (नगर) कुमार शिवशीष, पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ऋषभ गर्ग सहित जिला प्रशासन और पुलिस के कई अधिकारी मौजूद रहे।

ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास : चास के तेलीडीह रोड स्थित सुरेश अमृत मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में शुक्रवार को ऑपरेशन के दौरान एक महिला की मौत के बाद जमकर बवाल हुआ। बरडटांड (नारायणपुर पंचायत) निवासी 55 वर्षीय पार्वती देवी की बच्चेदानी के ऑपरेशन के दौरान हुई मौत से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। मृतका के पति प्रदीप शर्मा ने बताया कि उन्होंने पार्वती देवी को 2 मार्च की रात अस्पताल में भर्ती कराया था। डॉक्टर के निदेर्शानुसार सभी जरूरी जांचें कराई गई थीं, जिनकी रिपोर्ट सामान्य आई थी। शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे डॉ. शुभ्रा वर्मा की देखरेख में ऑपरेशन शुरू हुआ। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन शुरू होने के करीब एक घंटे बाद अचानक थियेटर में अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही देर में पार्वती देवी की मौत की सूचना दी गई।

मृतका के बेटे ने अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी मां की जान अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था न होने के कारण गई है। दूसरी ओर, अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। डॉक्टरों का कहना है कि ऑपरेशन के दौरान महिला को अचानक हार्ट अटैक (कार्डियक अरेस्ट) आया, जो मौत का मुख्य कारण बना। हंगामे की सूचना मिलते ही चास थाना प्रभारी सुषमा कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। घंटों चले हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद अस्पताल प्रबंधन और परिजनों के बीच समझौता हुआ। समझौते के बाद परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव को अंतिम संस्कार के लिए अपने साथ ले गए। प्रारंभिक सूचना के अनुसार यूटरस का ऑपरेशन चल रहा था, तभी महिला की स्थिति बिगड़ी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है।

लोहरदगा में मनाया गया गुड फ्राइडे ईसा मसीह के बलिदान को किया स्मरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : लोहरदगा जिले में ईसाई धर्मावलंबियों ने गुड फ्राइडे का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया। इस दिन को पुण्य शुक्रवार या पवित्र शुक्रवार भी कहा जाता है। मान्यता है कि इसी दिन दोपहर तीन बजे यरूशलेम के कलवारी पहाड़ पर ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था, जहां उन्होंने मानवता के कल्याण के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया।

इस अवसर पर सुबह से ही गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं। श्रद्धालुओं ने ईसा मसीह की पीड़ा और बलिदान को याद करते हुए "क्रूस रास्ता" (प्राण पीड़ा की यात्रा) का पालन किया। चालीस दिनों की तपस्या और संयम के बाद यह दिन उनके त्याग और शहादत की स्मृति में मनाया जाता है।

संत उसूर्ला अस्पताल की अधीक्षक डॉ. आईलिन कुजूर ने कहा कि गुड फ्राइडे आत्मचिंतन और हृदय परिवर्तन का दिन है। उन्होंने बताया कि ईसा मसीह ने अपने बलिदान के माध्यम से मानवता को क्षमा, प्रेम और त्याग का संदेश दिया। यह दिन लोगों को बुराई छोड़कर सच्चाई और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

चोरी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सुंदरनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात हुई चोरी की घटनाओं का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। थाना प्रभारी अजित मुंडा के नेतृत्व में की गई त्वरित कार्रवाई में एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसके पास से चोरी में प्रयुक्त औजार और नगदी बरामद की गई है।

शुक्रवार को जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अजित मुंडा ने बताया कि 02 अप्रैल की रात क्षेत्र के तीन दुकानों के ताले तोड़े गए थे। हालांकि, इन दुकानों में चोर चोरी करने में असफल रहे। इसी दौरान एक पान दुकान को निशाना बनाते हुए चोर ने ताला काटकर चोरी की घटना को अंजाम दिया और दुकान से नगदी सहित अन्य सामान लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सुंदरनगर थाना पुलिस सक्रिय हो गई और आसपास के क्षेत्रों में जांच अभियान शुरू किया गया। तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय सूचना के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध युवक विष्णु मुर्मू को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके बाद उसकी संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने आरोपित के पास से 1,300 रुपये नगद, लोहे का कटर, प्लास और कुछ सिगरेट के पैकेट बरामद किए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार युवक पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

जमशेदपुर में श्रद्धा और सादगी के साथ मना गुड फ्राइडे, चर्चों में उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : यीशु मसीह के बलिदान, प्रेम और क्षमा के संदेश को स्मरण करते हुए शहर भर में गुड फ्राइडे का पर्व शुक्रवार को गहरी आस्था और सादगी के साथ मनाया गया। विभिन्न गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं, जहां बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग शामिल हुए और मानवता के कल्याण के लिए प्रार्थना की। इसके पूर्व ईसाई समुदाय के लोगों ने शहर के विभिन्न कब्रिस्तान में अपने पूर्वजों के कब्रों की साफ-सफाई की।

शहर के प्रमुख गिरजाघरों, जिनमें सेंट जोसेफ कैथेड्रल गोलमुरी और सेंट मेरी चर्च बिष्टुपुर के साथ-साथ टेल्को, साकची और अन्य इलाकों के चर्चों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। गिरजाघरों का वातावरण पूरी तरह शांत,अनुशासित और भक्तिमय बना रहा।

सुबह से ही श्रद्धालु काले और गहरे रंग के परिधानों में चर्च पहुंचे,जो शोक और आत्ममंथन का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर 'क्रूस की राह' का आयोजन किया गया, जिसमें प्रभु यीशु मसीह के अंतिम समय की घटनाओं और उनके द्वारा सहे गए कष्टों को स्मरण किया गया। श्रद्धालुओं ने गीत, भजन और प्रार्थनाओं के माध्यम से उनके त्याग और प्रेम को याद किया। गिरजाघरों के पादरियों ने बाइबल का पाठ करते हुए यीशु मसीह के क्षमा, करुणा और अहिंसा के संदेश को लोगों तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि गुड फ्राइडे केवल शोक का दिन नहीं,बल्कि आत्मचिंतन और मानवता के लिए समर्पण का भी अवसर है। मान्यता के अनुसार दोपहर का समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इसी समय प्रभु यीशु ने क्रूस पर अपने प्राण त्यागे थे। इस दौरान गिरजाघरों में पूर्ण शांति रखी गई और विशेष शोक सभाओं का आयोजन हुआ। कई श्रद्धालुओं ने दिनभर उपवास रखकर विश्व शांति,समाज की भलाई और मानवता की रक्षा के लिए प्रार्थना की।

सुरक्षा के मद्देनजर जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा सभी प्रमुख चर्च परिसरों में पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कहीं भी किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिस बल तैनात रहा और प्रार्थना सभाएं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुईं।

एक नजर

चक्रधरपुर थाना को मिली 15 बाइक

चक्रधरपुर : कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाना को 15 नई अपाचे बाइक मिली हैं। इन बाइकों के मिलने से अब पुलिस की पेट्रोलिंग व्यवस्था तेज और प्रभावी होगी। इन अपाचे बाइकों को विशेष रुप से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में त्वरित गश्ती के लिए दिया गया है। बाइक के जरिए गश्ती से संकरी गलियों और दूरदराज इलाकों में भी पुलिस की पहुंच आसान होगी, जहां बड़े वाहनों से पहुंचना मुश्किल होता है। चक्रधरपुर के थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि बढ़ती आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई के लिए बाइक पेट्रोलिंग काफी कारगर साबित होगी। नई बाइकों के माध्यम से पुलिस टीम संदिग्ध गतिविधियों पर तेजी से नजर रख सकेगी और किसी भी घटना की सूचना मिलने पर तुरंत मौके पर पहुंच पाएगी। पुलिस विभाग का मानना है कि इन बाइकों के मिलने से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और अपराधियों पर नकेल कसने में मदद मिलेगी। लोगों को सुरक्षा का एहसास बढ़ेगा। नई बाइकों को जल्द ही विभिन्न क्षेत्रों में तैनात कर नियमित पेट्रोलिंग शुरू की जाएगी।

साइबर अपराधी गिरफ्तार, स्क्रीन शेयरिंग के जरिए करता था ठगी

जामताड़ा : पुलिस ने ठगी करने वाले एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी डठड ऐप के नाम ठगी को अंजाम देता था। अपराधी लोगों को कॉल करके पहले विश्वास में लेता था और फिर व्हाट्सएप या स्क्रीन शेयरिंग ऐप के जरिए उनके मोबाइल की स्क्रीन साझा करवाता था। इसके बाद वह बैंक खातों से पैसे उड़ा लेता था। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर करमाटांड़ थाना क्षेत्र के रतनोडीह गांव के पास छापेमारी की। जहां अपराधी अबुल अंसारी रंगे हाथों पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल किया जाने वाला एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए, आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने हाल ही में एलपीजी गैस बुकिंग के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भी खुलासा किया था। जिसमें 3 अपराधियों को पुलिस ने दबोचा था। जिसके पास से पुलिस ने 1 लाख रुपए से अधिक कैश बरामद किया था।

हजारीबाग कांड में भाजपा का असली चरित्र उजागर : अनिल कंडुलना

सिमडेगा : हजारीबाग जिले में नाबालिग बच्ची की हत्या पर सिमडेगा जिला झामुमो के नेताओं ने संवेदना के साथ कड़ी प्रतिक्रिया भी व्यक्त की है। जिला झामुमो अध्यक्ष अनिल कांडुलना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि इस घटना ने बीजेपी और उसके नेताओं का असली चरित्र सामने ला दिया है। इस विभत्स कांड ने पूरे झारखंड को झकझोर कर रख दिया। झामुमो मर्माहत है। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद बीजेपी नेताओं ने मुखर होकर सरकार पर दबाव बनाने और राजनीतिक रोटी सेंकने की भरपूर कोशिश की। लेकिन पुलिस की जांच में सारी सच्चाई सामने आ गई। अनिल कंडुलना ने हजारीबाग पुलिस की तत्परता की सराहना की, जिन्होंने कुछ ही घंटों में हत्याकांड का पदार्फाश कर अपराधी को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। प्रेसवार्ता में झामुमो जिला सचिव मो। सफीक खान, उपाध्यक्ष अनिल तिर्की, रितेश बड़ाइक, ओसकर डांग, मो। सिराजुद्दीन, नोवास केरकेट्टा, प्रफुलित डुंगडुंग सहित अन्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

12 अप्रैल को होगा ठाकुरबाड़ी मैदान में हिंदू सम्मेलन

सरिया : सरिया में हिंदू सम्मेलन आयोजन को लेकर ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में एक बैठक का आयोजन आशीष तर्वे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगम ए 12 अप्रैल को ठाकुरबारी मैदान में सकल हिंदू समाज के बैनर तले हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर आयोजन समिति का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष अनूप कुमार तर्वे,उपाध्यक्ष नवीन कुमार वर्मा तथा डॉक्टर उमेश कुमार को बनाया गया। जबकि सचिव रामावतार पांडेय उपसचिव नवीन कुमार वर्मा तथा विवेक कुमार वर्णवाल को मनोनीत किया गया। वहीं कोषाध्यक्ष सोनू कुमार वर्णवाल को चयनित किया गया। इसके आतीरिक 31 सदस्य कार्यकारी का गठन भी हुआ। कार्यक्रम की सफलता के लिए 31 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन हुआ। मौके पर डॉक्टर श्याम बिहारी प्रसाद, प्रमेश्वर मोदी, आरएसएस के जिला प्रचारक निरंजन, वीरेंद्र सोनार, सुधीर स्वर्णकार, सुरेश कुमार पांडेय,कामदेव प्रसाद, टिंकू साव, वीरेंद्र कुमार, महंत बाबूलाल पांडेय, देव कुमार मोदी, भीमसेन मोदी, विनोद कुमार, राकेश कुमार पांडेय, दयानंद सोनी सहित काफी संख्या हिंदू समाज के युवक उपस्थित थे।

हथियार के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : आजादनगर थाना क्षेत्र के ओल्ड पुरुलिया रोड में दहशत फैलाने वाले दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सिटी एसपी कुमार शिवाशिष ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि एक अप्रैल की रात करीब 10:15 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि गंगौर स्वीट्स के सामने शेख सारिक ईमाम उर्फ आयान अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर रहा है। स्थानीय लोगों की ओर से विरोध किए जाने पर उसने लोगों को डराने के लिए देशी कट्टा लहराया और अपने साथी मो. सलमान के साथ बाइक से फरार हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए आजादनगर थाना में तत्काल मामला दर्ज किया गया और एसएसपी के निर्देश पर डीएसपी पटमदा बच्चनदेव कुजूर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने लगातार छापेमारी अभियान चलाया। इसी क्रम में 2 अप्रैल की शाम गुप्त सूचना मिली कि दोनों आरोपी शहर छोड़ने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने ओल्ड पुरुलिया रोड नंबर-15 (कपाली लिंक रोड) के पास घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान तलाशी में मुख्य आरोपित शेख सारिक ईमाम के पास से एक देशी कट्टा बरामद किया गया, जबकि उसके साथी सलमान के पास से 8 एमएम की एक जिंदा गोली जब्त की गई। इस मामले में पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत एक नया कांड दर्ज किया है। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि शेख सारिक ईमाम का आपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले भी कई मामलों में संलिप्त रह चुका है। इसी वर्ष जनवरी में उसके खिलाफ मारपीट और साजिश से संबंधित मामला भी दर्ज हुआ था। सिटी एसपी ने बताया कि दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

मगही और भोजपुरी को बचाने के लिए मोर्चा ने किया धरना प्रदर्शन

पलामू : समाहरणालय के सामने सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में मगही-भोजपुरी भाषा बचाओ अभियान के तहत शुक्रवार को एक दिवसीय धरना दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा के राज्य सदस्य बिनोद तिवारी ने की, जबकि संचालन अमलेश कुमार चौरसिया और अनुज दुबे ने किया। धरना में बड़ी संख्या में सहायक अध्यापकों ने भाग लिया। धरना में पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने हर हालत में मगही-भोजपुरी भाषा को बचाने का आह्वाहन किया। उन्होंने कहा कि मगही और भोजपुरी को बचाने के लिए अंतिम दम तक लड़ूंगा। कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव नेता रुचिर तिवारी ने मगही भोजपुरी को बचाने को लेकर समर्थन दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि मगही और भोजपुरी हमारी मान सम्मान और पहचान हैं। हेमंत सोरेन जी जल्द होश में आ जाएं नहीं तो जोरदार आंदोलन शुरू किया जाएगा। वहीं भाजपा के ही भीष्म चौरसिया और जिला परिषद सदस्य रामलव चौरसिया ने आंदोलन के समर्थन में अपना विचार व्यक्त किया। धरना के बाद शहर भ्रमण किया गया। कचहरी से तीनकोनिया गैरेज होते हुए कोयल होटल मोड़ से पंचमुहान के बाद छहमुहान पर कार्यक्रम को समाप्त किया गया। मौके पर बिनोद तिवारी ने कहा कि आज का आन्दोलन शुरूआत है। आगे आक्रामक आंदोलन चलाया जाएगा, जिसमें मशाल जुलूस, पुतला दहन किया जाएगा। कार्यक्रम में अमलेश कुमार चौरसिया, अनुज दुबे, डालटनगंज विधायक के विधायक प्रतिनिधि अमलेश चौरसिया, भाजपा नेता रामकरेश चौरसिया, बिपुल तिवारी, जनेश्वर सिंह, राम रूप चौरसिया, संजय दुबे, धनंजय चौरसिया, महेन्द्र राम सहित अन्य सहायक अध्यापक शामिल थे।

सांसद ने की मेदिनीनगर में बंद पड़े आकाशवाणी-दूरदर्शन केंद्र को फिर से शुरू करने की मांग

पलामू : पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने मेदिनीनगर के बैरिया स्थित बंद पड़े आकाशवाणी और दूरदर्शन केंद्र को जल्द पुनः शुरू करने की मांग की है। इस संबंध में सांसद के निजी सचिव अलख दुबे ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सांसद ने इस मुद्दे को लोकसभा में उठाने के साथ-साथ केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर और व्यक्तिगत मुलाकात कर भी केंद्र की गतिविधियां शुरू कराने का अनुरोध किया है। सांसद ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान आकाशवाणी और दूरदर्शन केंद्र पर रिकॉर्डिंग एवं अन्य कार्यक्रमों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था, लेकिन महामारी समाप्त होने के बाद भी अब तक इन्हें दोबारा शुरू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र में आवश्यक आधारभूत संरचना उपलब्ध है और संचालन में कोई बड़ी बाधा नहीं है।

जनसंख्या परिवर्तन का टाइम बम, आजादी से अब तक का सच

देश के कुछ हिस्सों में जनसंख्या का जो बदलाव पिछले सात दशकों में हुआ है, वह महज आंकड़ों की हेरफेर नहीं है। यह एक सुनियोजित परिवर्तन की कहानी है, जिस पर देश के बुद्धिजीवी, सामाजिक संगठन और नीति-निमार्ता चिंता जता रहे हैं। गत दिवस तमिलनाडु के राज्यपाल रहे आरएन रवि ने गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में असम, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल के कुछ हिस्सों में हो रहे जनसंख्या परिवर्तन को एक टाइम बम की संज्ञा देते हुए चेतावनी दी कि यदि इन प्रवृत्तियों को नजरअंदाज किया गया, तो ये भविष्य में राष्ट्रीय एकता के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। उनका सवाल था, क्या किसी ने बीते 30-40 वर्षों में इन इलाकों में हुई जनसंख्या की प्रवृत्तियों पर ध्यान दिया है और क्या आने वाले 50 वर्षों में यह परिवर्तन देश के लिए विभाजनकारी साबित नहीं होगा? आजादी के समय असम एक ऐसा राज्य था, जहां अलग-अलग समुदाय और जनजातियाँ सदियों से साथ रहती थीं। लेकिन 1951 की पहली जनगणना में असम में मुस्लिम आबादी 22.6 प्रतिशत थी। 1971 में यह बढ़कर 24.6 प्रतिशत, 1991 में 28.4 प्रतिशत, 2001 में 31 प्रतिशत और 2011 की जनगणना में 34.2 प्रतिशत हो गई। यानी साठ वर्षों में असम में एक खास समुदाय की आबादी में लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगली जनगणना में यह आंकड़ा 40 प्रतिशत का आंकड़ा भी पार कर सकता है। इस वृद्धि की असली वजह केवल स्वाभाविक जन्मदर नहीं है। 1961 से 2011 के बीच, यानी पाँच दशकों में देश में मुस्लिम जनसंख्या की वृद्धि दर 194.38 प्रतिशत रही, जबकि असम में मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि दर 286.16 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत से लगभग डेढ़ गुना अधिक है। इस अंतर की व्याख्या केवल प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि से नहीं की जा सकती। असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि असम की कुल मुस्लिम जनसंख्या में से मात्र 3 प्रतिशत ही मूल असमिया आबादी है, शेष बांग्लादेश से आए लोग हो सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बांग्लादेश से लगी सीमा पर बसे जिलों में यह समस्या और भी गंभीर है। 2001 की जनगणना में असम में छह मुस्लिम बहुल जिले थे, जो 2011 तक बढ़कर 11 हो गए। उधर, पश्चिम बंगाल की स्थिति असम से कम चिंताजनक नहीं है। बांग्लादेश के साथ इस राज्य की लंबी सीमा है और 1971 से लगातार सीमावर्ती जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठ होती रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार पश्चिम बंगाल में मुसलमानों की हिस्सेदारी 2001 में 25.2 प्रतिशत से बढ़कर 2011 में 26.94 प्रतिशत हो गई और इस दौरान मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर 21.81 प्रतिशत रही। जिलेवार आंकड़े और भी चौंकाने वाले हैं। मुर्शिदाबाद में मुस्लिम आबादी 69.5 प्रतिशत, मालदा में 53.3 प्रतिशत, उत्तरी और दक्षिणी दिनाजपुर में 42.8 प्रतिशत, बीरभूम में 39.6 प्रतिशत और उत्तरी व दक्षिणी 24 परगना में 36.1 प्रतिशत हो चुकी है। इन सीमावर्ती आठ जिलों में हिन्दू जनसंख्या में प्रत्येक दशक में 3 प्रतिशत तक की कमी भी दर्ज की गई है। राजनीतिक आरोपों की बात करें तो 1977 से 2011 तक 34 साल सत्ता में रही वाममोर्चा सरकार पर आरोप है कि उसने घुसपैठियों को मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड और आधार कार्ड उपलब्ध कराए। इसकी एवज में 2006 तक वाममोर्चे को एकमुश्त वोट मिलता रहा, लेकिन 2007 के नंदीग्राम हिंसा के बाद यह वोट तृणमूल कांग्रेस की ओर चला गया। यह आरोप लगाने वाले केवल विरोधी दल के लोग नहीं हैं। कोलकाता में रहने वाले पूर्व नौकरशाह और तृणमूल कांग्रेस के सह-संस्थापक सदस्य दीपक कुमार घोष का कहना है कि वाममोर्चा ने अपने वोट बैंक के लिए मुस्लिम शरणार्थियों को शरण दी, जबकि तृणमूल ने इन अवैध घुसपैठियों को सत्ता तक में स्थान दिया। उत्तर प्रदेश और बिहार के पूर्वी हिस्से, यानी पूर्वांचल में जनसंख्या परिवर्तन की बात कुछ अलग किस्म की है। यहाँ प्रश्न केवल बाहर से आने वाली जनसंख्या का नहीं, बल्कि समुदाय-विशेष की प्रजनन दर का भी है। उत्तर भारत और पूर्वी भारत के राज्यों जैसे बिहार और उत्तर प्रदेश में कुल प्रजनन क्षमता दर चार से ज्यादा है, जबकि दक्षिण भारत में यह 2.1 के आसपास है, जो कि स्थिर स्तर माना जाता है।

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता : लोकतंत्र के लिए चुनौती

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दशार्ता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुर्नजागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

पीडीए के सहारे नेताजी से कैसे आगे निकल सकते हैं अखिलेश

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की सियासत में मुलायम सिंह यादव का नाम हमेशा सियासत के एक बड़े खिलाड़ी के रूप में याद किया जाता है, जो एक शिक्षक के साथ अच्छे पहलवान भी थे। कुश्ती के अखाड़े से निकलकर राजनीति के मैदान में उतरे मुलायम विरोधियों को धूल चटाने का हुनर रखते थे। इटावा जिले के छोटे से गांव सैफई से निकलकर मुलायम ने यूपी और दिल्ली की राजनीति तक में अपना दबदबा बनाए रखा था, लेकिन उनकी सियासत को संभालने वाले उनके पुत्र अखिलेश यादव नेताजी की सियासत के करीब भी भटकते हुए नजर नहीं आते हैं। सियासत में 15 साल का लंबा सफर तय करने के बाद भी अपने दमखम पर समाजवादी पार्टी को कोई बड़ी विजय का स्वाद नहीं चखा पाए हैं। अखिलेश के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी दो विधानसभा और तीन लोकसभा के चुनाव लड़ चुकी है, लेकिन कुछ हद तक 2024 के लोकसभा चुनाव के अलावा किसी भी चुनाव में अखिलेश की हनक-धमक नहीं सुनाई दी, जबकि सपा को मजबूत करने के लिए अखिलेश ने कांग्रेस और मायावती तक से समझौता करने में परहेज नहीं किया, जिनका मुलायम सिंह से छत्तीस का आंकड़ा रहता था।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने पिछड़ों-यादव और मुस्लिम वोटरों का एक ऐसा गठजोड़ तैयार कर रखा था, जिसको तोड़ना किसी भी विरोधी के लिए संभव नहीं रहा। 1992 में मुलायम सिंह ने समाजवादी पार्टी की नींव रखी, तब से लेकर 2022 तक, जब उनका निधन हुआ, मुलायम ने तीन बार उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री पद संभाला। तीन बार सीएम बनने के बाद 2012 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद मुलायम ने अपनी जगह बेटे को सीएम की कुर्सी पर बैठा दिया। मुलायम की राजनीति हमेशा जमीन से जुड़ी रही गांव-गांव घूमना, कार्यकताओं की शिकायतें सुनना, और जरूरत पड़ने पर गठबंधन की चाल चलकर सत्ता तक पहुंचना। लेकिन उनके बाद बेटे अखिलेश यादव ने जब पार्टी की कमान थामी, तो सवाल उठा कि क्या वे पिता की उस छाया से बाहर निकलकर अपनी पहचान बना पाएंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव ने इस सवाल का जवाब कुछ हद तक दे दिया, लेकिन गहराई में उतरकर देखें तो तस्वीर और भी जटिल है। नेताजी मुलायम सिंह यादव की राजनीतिक पारी की शुरूआत जनता दल से हुई, लेकिन 1992 में अलग पार्टी बनाकर उन्होंने पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को अपना आधार बनाया। 1996 के लोकसभा चुनाव में सपा को 16 सीटें मिलीं, वोट शेयर करीब 20 प्रतिशत। फिर 1998 में 20 सीटें और 1999 में 26 सीटें। 2004 में मुलायम के नेतृत्व में पार्टी ने अपना रिकॉर्ड बनाया 35 सीटें, वोट शेयर 26.74 प्रतिशत। उस वक्त सपा अकेले लड़ी थी, गठबंधन का सहारा कम था। मुलायम की ताकत उनके व्यक्तिगत कद में थी। वे खुद रैलियों में उतरकर भीड़ को संबोधित करते, पहलवानी वाली भाषा में विरोधियों को ललकारते। उनकी सरकारों में यादव-मुस्लिम समीकरण मजबूत रहा, लेकिन कभी-कभी आंतरिक कलह भी सामने आई। 2012 के विधानसभा चुनाव में सपा को 224 सीटें मिलीं और मुलायम ने बेटे अखिलेश को मुख्यमंत्री बना दिया। यह फैसला विरासत के हस्तांतरण का था, लेकिन उसी समय परिवार में दरारें भी दिखने लगीं।

अखिलेश यादव 2012 में मुख्यमंत्री बने, तो उनकी छवि युवा, पढ़े-लिखे और विकास-उन्मुख नेता की बनी। लैपटॉप बांटने, सड़कें बनाने और बिजली व्यवस्था सुधारने जैसे कामों से वे "लैपटॉप सीएम" कहलाए। लेकिन 2017 में सपा को भारी झटका लगा, सिर्फ 47 सीटें बचीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में तो पार्टी पांच सीटों पर सिमट गई, वोट शेयर गिरकर 18 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया। मुलायम के निधन के बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश अकेले मैदान में उतरे। पिता का नाम अब भी ब्रांड था, लेकिन अखिलेश को खुद को साबित करना था। उन्होंने पीडीए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक का नारा दिया, बेरोजगारी, पेपर लीक और महंगाई जैसे मुद्दों पर हमला बोला। 2024 आया और अखिलेश ने वो कर दिखाया, जो पिता के समय में भी नहीं हुआ। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से 37 सीटें जीत लीं। यह मुलायम के 2004 के 35 सीटों के रिकॉर्ड को तोड़ने वाला प्रदर्शन था। वोट शेयर बढ़कर 33.59 प्रतिशत हो गया पार्टी के 32 साल के इतिहास में सबसे ऊंचा आंकड़ा। 2019 की तुलना में वोट शेयर में करीब 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को सिर्फ छह सीटें मिलीं, जबकि सपा ने 62 सीटों पर लड़कर बहुमत से ज्यादा प्रदर्शन किया। अखिलेश खुद कन्नौज से जीते, डिंपल यादव मैनपुरी से, और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी जीत हासिल की। लेकिन इस बार यादव उम्मीदवारों की संख्या सिर्फ पांच रखी गई, जो मुलायम के समय में असंभव लगता था। अखिलेश ने मुस्लिम-यादव के पारंपरिक एमवाई समीकरण से आगे बढ़कर पीडीए को व्यापक आधार दिया। ब्राह्मण, क्षत्रिय और अन्य पिछड़ी जातियों का भी समर्थन मिला, जिससे सपा यूपी में बीजेपी की सबसे बड़ी चुनौती बन गई। अब 2027 में अखिलेश के पीडीए की परीक्षा होनी है।

खैर, लाख टके का सवाल यही है कि अखिलेश की राजनीति नेताजी मुलायम सिंह की राजनीति से कितना भिन्न भी थी, तो कहा जा सकता है कि 2024 तक अखिलेश को मुलायम सिंह जैसी कामयाबी नहीं मिल रही थी। दरअसल, मुलायम अक्सर खुद को केंद्र में रखते थे। 2004 में सपा ने यूपीए का साथ दिया था, फिर भी सीटें 35 ही रहीं। मगर अखिलेश ने 2024 में गठबंधन का फायदा उठाया, अपनी रणनीति से सीटें बढ़ाईं। उन्होंने टिकट बंटवारे में यादवों को सीमित रखकर संदेश दिया कि पार्टी अब एक जाति विशेष तक नहीं सिमटी। सपा के 86 प्रतिशत सांसद पिछड़े, दलित और मुस्लिम वर्ग से आए, जो पीडीए फॉमूर्ले की सफलता दिखाता है। मुलायम के समय में पार्टी की सरकार होने पर भी इतनी सीटें लोकसभा में नहीं मिली थीं। अखिलेश ने विरोध में रहते हुए रिकॉर्ड बनाया। उनकी रैलियां युवाओं से भरी रहती हैं, सोशल मीडिया का इस्तेमाल वे बेहतर तरीके से करते हैं। पिता की तरह वे भी सड़क पर उतरकर जनता से जुड़ते हैं, लेकिन भाषा ज्यादा संयमित और मुद्दों पर केंद्रित रखते हैं। फिर भी गहराई में चुनौतियां बाकी हैं। मुलायम का व्यक्तिगत कद इतना बड़ा था कि वे परिवार की कलह को भी अपने अनुभव से संभाल लेते थे। 2016-17 में जब अखिलेश और चाचा शिवपाल के बीच तनाव बढ़ा, मुलायम ने खुद बीच में आकर मामला सुलझाने की कोशिश की। अखिलेश को अब बिना पिता की उस छाया के काम करना पड़ रहा है। 2027 के विधानसभा चुनाव करीब हैं, जहां सपा को सत्ता हासिल करने का सपना है। यादव-मुस्लिम वोट बैंक में कभी-कभी बिखराव की खबरें आती हैं। अखिलेश ने 2024 में यादव उम्मीदवार कम रखे, जो बहुलतावादी छवि देता है, लेकिन कोर वोटर नाराज भी हो सकता है। मुलायम ने कभी पार्टी को एक परिवार की तरह चलाया, अखिलेश को अब संगठन को और मजबूत करना है। अखिलेश की राजनीति मुलायम से ज्यादा आधुनिक लगती है। वे विकास के एजेंडे को पुरानी समाजवादी विचारधारा के साथ जोड़ते हैं। 2012-17 में मुख्यमंत्री रहते उन्होंने युवाओं को आकर्षित किया, अब उसी को आगे बढ़ा रहे हैं। 2025-26 में भी अखिलेश 2027 के लिए तैयारी कर रहे हैं महिलाओं के लिए आर्थिक मदद, किसानों के लिए बेहतर मुआवजा, और सामाजिक न्याय के मुद्दे।

सूडोकु नवताल- 7754

✶✫✫✫✫ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7753 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

पचास फीसद सीट वृद्धि पर भ्रामक है कांग्रेस का विमर्श

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वर्तमान बजट सत्र के दौरान लोकसभा की सीटों में पचास प्रतिशत वृद्धि के संभावित प्रस्ताव को लेकर देश की राजनीति में एक नया विमर्श खड़ा किया जा रहा है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे दक्षिण और छोटे राज्यों के खिलाफ एक "साजिश" के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की है, परंतु इस पूरे मुद्दे का विश्लेषण यह संकेत देता है कि यह विमर्श तथ्यों से अधिक आशंकाओं और राजनीतिक पूर्वाग्रहों पर आधारित है। इसे कांग्रेस की "नासमझी की पराकाष्ठा" कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा!

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि भारत की संसद और विशेष रूप से लोकसभा की संरचना समय के साथ स्थिर नहीं रही है, इसमें कई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। 1952 में पहली लोकसभा के गठन के समय कुल सीटों की संख्या 489 थीं, 1957 में सीटों की संख्या बढ़कर 494 हो गई। 1967 के परिसीमन के बाद सीटों की संख्या बढ़कर 520 कर दी गई जोकि 1973 (31वां संविधान संशोधन) जब सीटों की संख्या में बड़ी वृद्धि की गई। 1971 की जनगणना के आधार पर 1977 तक सीटों को 525 से बढ़ाकर 545 (543 निर्वाचित + 2 मनोनीत) कर दिया गया। वस्तुतः कांग्रेस को यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि यह वृद्धि देश की बढ़ती जनसंख्या और प्रतिनिधित्व की आवश्यकता को ध्यान में रखकर की गई थी।

इसके बाद 42वां संविधान संशोधन (1976) के तहत परिसीमन की प्रक्रिया को वर्ष 2001 तक स्थगित कर दिया गया। बाद में 84वां संविधान संशोधन के माध्यम से इस स्थगन को 2026 तक बढ़ा दिया गया। इसका उद्देश्य था कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास किए हैं, उन्हें प्रतिनिधित्व में नुकसान न हो। यही संदर्भ बताता है कि संसद की सीटों का निर्धारण एक जटिल और संतुलित प्रक्रिया है, न कि किसी एक सरकार की मनमानी का परिणाम। ऐसे में कांग्रेस द्वारा यह आरोप लगाना कि नरेंद्र मोदी सरकार जबरन पचास फीसद सीट वृद्धि का बिल ला रही है, तथ्यों से परे प्रतीत होता है।

नए संसद भवन में लोकसभा के लिए 888 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था की गई है, जो भविष्य में होने वाली संभावित वृद्धि की ओर संकेत करती है। अब वर्तमान में 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना के आधार पर सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 800+ करने के प्रस्तावों पर चर्चा चल रही है। जिसमें कि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपने बयान में दक्षिणी राज्यों को संभावित नुकसान की बात कही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु की सीटों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया, परंतु उनका यह तर्क अधूरा है क्योंकि यह केवल संख्यात्मक वृद्धि को देखता है, प्रतिनिधित्व के व्यापक सिद्धांत को नहीं। वस्तुतः वे कैसे भूल सकते हैं कि लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का मूल आधार जनसंख्या होती है। यदि किसी राज्य की जनसंख्या अधिक है तब स्वाभाविक रूप से उसके प्रतिनिधियों की संख्या भी अधिक होगी। यह सिद्धांत न सिर्फ भारत में बल्कि विश्व के अधिकांश लोकतंत्रों में लागू होता है। ऐसे में यदि उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से बढ़कर 120 होती हैं और तमिलनाडु की 39 से 59 तो यह वृद्धि अनुपातिक ही मानी जाएगी।

इसके अलावा, यह भी ध्यान देने योग्य है कि प्रस्तावित वृद्धि सभी राज्यों में समान प्रतिशत (50फीसद) के आधार पर की जा रही है। इससे किसी भी राज्य के वर्तमान अनुपात में तत्काल कोई बदलाव नहीं होगा। कांग्रेस का यह दावा कि इससे "गहरे प्रभाव" होंगे, अधिकतर काल्पनिक आशंकाओं पर आधारित है। मनीष तिवारी ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए परिसीमन को फ्रीज करने या नया फामूर्ला खोजने की बात कही है, किंतु यह दृष्टिकोण भी व्यवहारिक नहीं लगता। यदि जनसंख्या बढ़ रही है और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को प्रभावी बनाना है, तब सीटों की संख्या बढ़ाना एक स्वाभाविक और आवश्यक कदम है। महिला आरक्षण के संदर्भ में भी इस प्रस्ताव को देखा जाना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए सीटों की संख्या बढ़ाना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता है। इससे वर्तमान प्रतिनिधियों की सीटें सुरक्षित रहने के साथ ही नए अवसर भी पैदा होंगे। वहीं कांग्रेस का यह तर्क देना कि इससे दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों को नुकसान होगा, एक प्रकार से क्षेत्रीय असंतोष को बढ़ावा देने का प्रयास प्रतीत होता है। जबकि वास्तविकता यह है कि परिसीमन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है, जोकि सभी राज्यों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेता है। अरे, इसका तो गठन ही जनगणना के आधार पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण करने के लिए होता है। जिसे स्वयं राष्ट्रपति अनुच्छेद 82 के अंतर्गत करते हैं।

इस संबंध में अब तक एतिहासिक संदर्भ यही बताते हैं कि संसद में परिवर्तन हमेशा व्यापक सहमति और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत हुए हैं। चाहे वह 1976 का संशोधन हो या 2001 का, सभी निर्णयों का उद्देश्य देश की एकता और लोकतांत्रिक संतुलन को बनाए रखना रहा है। आज जब भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, तब संसद की संरचना को भी समय के अनुसार विकसित करना आवश्यक है। जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना वर्तमान भारतीय लोकतांत्रिक आवश्यकता है, निश्चित ही यह शासन की प्रभावशीलता को भी बढ़ाएगा। कुल सार रूप में यहां कहना यही है कि आज कांग्रेस का इस मुद्दे पर खड़ा किया गया विमर्श तथ्यों की बजाय राजनीतिक आशंकाओं पर आधारित है। संसद की सीटों में वृद्धि एक दीर्घकालिक और आवश्यक सुधार है, जिसे क्षेत्रीय दृष्टिकोण से नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए, इसलिए जरूरी यह है कि इस विषय पर गंभीर और तथ्यात्मक चर्चा हो, न कि भ्रम और भय फैलाने वाली राजनीति।

दैनिक पंचांग

4 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

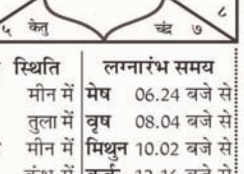

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मीन में
चंद्र	तुला में
मंगल	मीन में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	06.24 बजे से
वृष	08.04 बजे से
मिथुन	10.02 बजे से
कर्क	12.16 बजे से
सिंह	14.32 बजे से
कन्या	16.44 बजे से
तुला	18.54 बजे से
वृश्चिक	21.09 ब.से
धनु	23.25 बजे से
मकर	01.30 बजे से
कुंभ	03.17 बजे से
मीन	04.50 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 94 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 10.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 21.36 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 14.17 बजे को समाप्त।
करण गर 10.10 बजे तदनन्तर वणिज 23.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 15.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 37'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872669
जूलियन दिन 2461134.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 15

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

गुमला में स्ट्रॉबेरी की खेती से किसानों को नई उम्मीद

गुमला : झारखंड के कई इलाकों से किसान धान की खेती करने के बाद दूसरे राज्यों में कमाने के लिए चले जाते हैं। वहां वह मजदूरी करके अपना जीवन चलाते हैं और उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण किसानों की यह समस्या सभी राजनीतिक दल के लिए मुद्दा तो जरूर बनता है लेकिन इसके स्थाई समाधान को लेकर शायद ही उनकी ओर से कोई कारगर पहल की गयी हो। लेकिन गुमला जिला के सीहोर में इन दिनों इस दिशा में काफी गंभीरता से काम किया जा रहा है। गुमला डीसी प्रेरणा दीक्षित के माध्यम से लगातार इन विषयों पर गंभीरता से काम किया जा रहा है, जो ग्रामीण इलाकों में मौजूद संसाधनों के बीच में किसानों के लिए बेहतर आय का स्रोत तैयार कर सकते हैं ऐसे में जिला की डीसी प्रेरणा दीक्षित का मानना है कि इलाके में मौजूद जमीनों पर अगर सही रूप से खेती की जाए तो निश्चित रूप से इलाके में किसानों को आर्थिक रूप से अधिक लाभ मिल सकता है। उन्होंने बताया कि जहां गुमला में कई इलाकों में आज भी सही रूप से पानी की उपलब्धता होने के बाद भी किसान खेती-बाड़ी नहीं कर पाते हैं ऐसे इलाकों में किसानों को खेती करने के लिए कहीं ना कहीं प्रेरित किया जा रहा है। डीसी प्रेरणा दीक्षित ने बताया कि गुमला के कई इलाकों में स्ट्रॉबेरी की खेती बड़े पैमाने पर की जा रही है जो किसानों की आर्थिक लाभ का बेहतर विकल्प बनता नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि जिला उद्यान विभाग के माध्यम से किसानों को इसके लिए न केवल प्रशिक्षित किया जाता है, बल्कि तमाम तकनीकी सुविधा देकर उनके लिए वह सुविधाजनक माहौल तैयार किया जाता है, जिस माहौल में वह आसानी से स्ट्रॉबेरी की खेती कर सकते हैं।

गिरिडीह यौन शोषण की शिकार नाबालिग बच्ची हुई गर्भद

गिरिडीह : गिरिडीह जिले गावां थाना क्षेत्र के एक गांव में यौन शोषण की शिकार 13 वर्षीय बच्ची का गर्भवती होने का मामला प्रकाश में आया है। मामला सामने आने के बाद पीड़ित परिवार द्वारा थाना में आवेदन दिया गया है। आवेदन में उन्होंने गावां निवासी 36 वर्षीय नकुल चौधरी पर यौन शोषण एवं धमकाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़िता के परिजन गुरुवार को गावां थाना पहुंचे और आवेदन देते हुए न्याय की गुहार लगाया, जिसके बाद पुलिस में मामले की जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज की और शुक्रवार की सुबह मेडिकल जांच के लिए गिरिडीह मातृत्व स्वास्थ्य केंद्र भेज दी। इसके लेकर गावां के रक डीके सिंह ने ने कहा कि पीड़िता के परिजनों से आवेदन प्राप्त हुआ है। प्राथमिकी दर्ज की गई और पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए गिरिडीह लाया गया है।

जामताड़ा में 19 करोड़ रुपये की सोलर जलमीनार योजना ठप

जामताड़ा : जिले में 'मुख्यमंत्री जल नल योजना' विभागीय लापरवाही और खराब रखरखाव का शिकार हो गई है। वर्ष 2019-20 में ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के 435 टोलों में सोलर आधारित जलमीनारें स्थापित की गई थीं। लेकिन देखरेख के अभाव में आज इनमें से अधिकांश जलमीनार केवल शोपीस बनकर रह गई हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत जिले भर में लगभग 19 करोड़ 57 लाख 50 हजार रुपये की राशि खर्च की गई थी। प्रत्येक जलमीनार के निर्माण पर लगभग 4.50 लाख रुपये की लागत आई थी। शुरूआत में ग्रामीणों को इसका लाभ मिला, लेकिन वर्तमान में कुल 435 में से करीब 350 जलमीनारें पूरी तरह खराब पड़ी हैं। जलमीनारों के बंद होने से सबसे बड़ा झटका क्षेत्र के गरीब और आदिवासी परिवारों को लगा है।

नाबालिग की हत्या पर झामुमो में आक्रोश, डीजीपी के नाम ज्ञापन सौंपकर की सख्त सजा की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ में नाबालिग लड़की की हत्या की घटना को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं और कार्यकताओं में गहरा आक्रोश है। इस मामले को लेकर झामुमो केंद्रीय समिति के सदस्य प्रमोद लाल के नेतृत्व में शुक्रवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस महानिदेशक को संबोधित प्रार्थना पत्र उपायुक्त के माध्यम से सौंपा।

प्रार्थना पत्र में इस घटना को बेहद शर्मनाक और अमानवीय बताते हुए कड़ी निंदा की गई है। झामुमो नेताओं ने कहा कि ऐसे कृत्य किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं और इससे समाज में भय एवं असुरक्षा का वातावरण बनता है।

झामुमो कार्यकताओं ने मांग की है कि इस जघन्य हत्याकांड के आरोपितों के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर जल्द से जल्द कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए, ताकि समाज में एक सख्त और स्पष्ट संदेश जाए। साथ ही उन्होंने प्रशासन से इस मामले में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है।

प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस घटना की आड़ में कुछ असामाजिक तत्व सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं, जो अत्यंत चिंताजनक है। झामुमो नेताओं ने ऐसे तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की, ताकि राज्य में शांति और भाईचारा बना रहे। नेताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि अपराधियों का कोई जाति या धर्म नहीं होता है, इसलिए इस तरह की घटनाओं को राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से अपेक्षा जताई कि दोषियों को शीघ्र सजा दिलाकर भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जाए। इस मौके पर झामुमो के केंद्रीय सदस्य प्रमोद लाल, शेख बदरुद्दीन सहित कई अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झूलन अनुष्ठान के साथ लौंकेल मंडा संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : कर्रा प्रखंड के ऐतिहासिक लौंकेल मंडा पूजा शुक्रवार को श्रद्धा और आस्था के माहौल में संपन्न हो गया। इस अवसर पर भोक्ताओं की ओर से आस्था के फूल बरसाने की परंपरा ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। 08 दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में लगभग 45 भोक्ता और सोकताईनों ने कठोर तपस्या की। किसी ने निर्जला उपवास रखा तो किसी ने फलाहार के साथ भगवान भोलेनाथ की आराधना की। पूजा से पूर्व पंडित पवन गोस्वामी ने मंदिर का शुद्धिकरण कर विधि-विधान से सभी अनुष्ठान संपन्न कराए। गुरुवार रात आयोजित धुआं-सुआ कार्यक्रम के बाद भक्तों ने दहकते अंगारों पर चलकर अपनी आस्था और भक्ति का अद्भुत प्रदर्शन किया। शुक्रवार को झूलन कार्यक्रम के दौरान भोक्ताओं ने फूल बरसाए, जिन्हें पाने के लिए महिलाओं ने आंचल फैलाया और पुरुषों ने छाता खोलकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अनोखी परंपरा को देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ी

रही।मंडा पूजा के साथ ही परिसर में मेला भी आयोजित किया गया, जहां बच्चों ने झूले, चकरी और विभिन्न खेलों का आनंद लिया। वहीं लोगों ने चाट, पुचका, शरबत, मिठाई, फल एवं घरेलू सामान की जमकर खरीदारी की। दोपहर में रंग स्टार म्यूजिक ग्रुप की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कलाकार सूरज कुमार, जयदेव नायक, फनिराम परधिया, सुनीता कुमारी और डांसर खुशबू ने नागपुरी, भोजपुरी सहित अन्य गीतों पर शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर विवश कर दिया। कार्यक्रम में मुखिया रश्मि लकड़ा,मंटु मिश्रा,मंजुला उरांव, अनुप कुजुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दहशत फैलाने वालों को पुलिस ने गिरफ्तार कर सड़क पर कराया परेड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : आजादनगर थाना क्षेत्र के ओल्ड पुरुलिया रोड में कट्टा लहराकर दहशत फैलाने वाले दोनों आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद सख्त संदेश देने के अंदाज में सडक पर परेड कराया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों को इलाके की सड़कों पर परेड कराया। इस दौरान उनके कमर में रस्सी बांधी गई थी और हाथों में हथकड़ी लगी थी। पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपित सिर झुकाए, हाथ जोड़कर लोगों से माफी मांगते नजर आए। जिन सड़कों पर उन्होंने हथियार दिखाकर डर का माहौल बनाया था, वहीं आज वे खुद लोगों के बीच शर्मिंदा होते दिखे। स्थानीय लोगों की भीड़ इस नजारे को देखने के लिए जुट गई और पुलिस की इस कार्रवाई को

सख्त संदेश के तौर पर देखा गया। बताया जाता है कि 01 अप्रैल की रात गणगौर स्वीट्स के सामने शेख सारिक ईमाम उर्फ आयान ने अपने साथी मो सलमान के साथ मिलकर कट्टा लहराते हुए लोगों को डराया था और मौके से फरार हो गया था। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेष टीम का गठन किया और 02 अप्रैल को दोनों को ओल्ड पुरुलिया रोड नंबर-15 के पास से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान मुख्य आरोपित के पास से देशी कट्टा और उसके साथी के पास से 08 एमएम की जिंदा गोली बरामद की गई। पूछताछ में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपित का आपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले भी कई मामलों में शामिल रहा है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही स्पष्ट किया है कि शहर में दहशत फैलाने या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ इसी तरह की कड़ी और सार्वजनिक कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि अपराधियों में डर और आम लोगों में भरोसा बना रहे।

टेलीफोन एक्सचेंज परिसर से दिनदहाड़े केबल चोरी, एक आरोपी धराया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर में चोरी की बढ़ती घटनाओं के बीच शुक्रवार को पूर्व रेलवे के टेलीफोन एक्सचेंज कार्यालय परिसर से दिनदहाड़े केबल चोरी का मामला सामने आया है। हालांकि कर्मियों की सतर्कता से एक आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार एक युवक बाइक पर केबल बांधकर परिसर से बाहर ले जाने की कोशिश कर रहा था। तभी एक्सचेंज के कर्मचारियों की नजर उस पर पड़ गई। शक होने पर कर्मियों ने दौड़कर उसे पकड़ लिया और फरार होने से रोकने के लिए बंधक बना लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मनीष कुमार मल्लिक बताया। उसने स्वीकार किया कि वह लंबे समय से केबल चोरी की घटनाओं को अंजाम देता रहा है। आरोपी ने यह भी खुलासा किया कि चोरी के केबल को अंजुमन नगर क्षेत्र

के एक कबाड़ कारोबारी मिंटू भैया को लगभग 500 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेचा जाता था। इसके अलावा नॉर्थ कॉलोनी के करण कुमार और झरना कॉलोनी के राजू मल्लिक को भी इस गिरोह का सहयोगी बताया गया है। एक्सचेंज कार्यालय के पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार ने बताया कि परिसर और गोदाम से पूर्व में भी कई बार केबल चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन चोर हर बार फरार हो जाते थे। इस बार कर्मियों की सतर्कता से एक आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली है। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर थाना ले गई। पुलिस ने बताया कि मामले में नगर थाना एवं रेल थाना दोनों में लिखित आवेदन दिया जाएगा तथा आरोपी के निशानदेही पर अन्य संलिप्त लोगों की गिरफ्तारी और चोरी गए सामान की बरामदगी के लिए छापेमारी की जाएगी। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय लोगों ने चिंता जताई है।

सत्संग से जीवन में आता है ज्ञान और भक्ति का प्रकाश : आचार्य राजकुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सत्संग और कथा के माध्यम से ही मनुष्य अपने जीवन में सच्चा ज्ञान और भक्ति का प्रकाश प्राप्त कर सकता है। यह बातें शुक्रवार को लक्ष्मीनगर स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित सात दिवसीय पार्थिव पूजन यज्ञ सह शिव कथा के छठे दिन आचार्य राजकुमार मिश्रा ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। कथा के दौरान आचार्य मिश्रा ने शिव पुराण में वर्णित जलंधर और वृंदा के प्रसंग का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि जब शिव अंश जलंधर और भगवान सदाशिव के बीच भीषण युद्ध चल रहा था,तब माता पार्वती के आदेश पर भगवान विष्णु ने ऋषि का वेश धारण कर जलंधर के उद्यान में प्रवेश किया। उसी समय जलंधर की पतिव्रता पत्नी वृंदा को अशुभ स्वप्न आया, जिससे व्याकुल होकर वह अपनी सखियों के साथ उद्यान पहुंची। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने लीला स्वरूप वृंदा के साथ छल किया, जिससे उसका पतिव्रत धर्म भंग हो गया। इसके परिणामस्वरूप जलंधर की शक्ति समाप्त हो गई और भगवान शिव ने उसका वध कर दिया। इस घटना से आहत वृंदा ने भगवान विष्णु को पत्थर बनने का शाप दिया,जिससे वे शालिग्राम स्वरूप में प्रतिष्ठित हुए,जबकि वृंदा तुलसी के रूप में पूजनीय बन गईं। आचार्य मिश्रा ने कहा कि यह प्रसंग केवल कथा नहीं,बल्कि जीवन को दिशा देने वाला संदेश है। जिस प्रकार मधुमक्खी विभिन्न पुष्पों से रस एकत्र कर मधु बनाती है,उसी प्रकार मनुष्य को भी सत्संग से अच्छे विचार ग्रहण कर अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। इधर,मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्ति का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण के साथ यज्ञ में भाग लेकर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

रामगढ़ में चेतना शाखा का नया सत्र शुरू, सेवा कार्यों से किया आगाज, प्रसाद का किया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ में मारवाड़ी युवा मंच की चेतना शाखा ने सत्र 2026-27 के नए कार्यकाल की शुरूआत उत्साह और सेवा भावना के साथ की। संगठन के नियमों के तहत हर वर्ष नई कार्यकारिणी का गठन किया जाता है और इस बार भी नई टीम ने विधिवत रूप से कार्यभार संभाल लिया। नए सत्र का मुख्य उद्देश्य "एक मंच - एक लक्ष्य, सशक्त युवा - सशक्त राष्ट्र" के विजन को आगे बढ़ाना है।

पंचसूत्र पर रहेगा विशेष फोकस

नई कार्यकारिणी ने जनसेवा, समाज सुधार और व्यक्तित्व विकास को प्राथमिकता देते हुए पंचसूत्र के तहत कार्य करने का संकल्प लिया है। इसके माध्यम से

युवाओं को समाज के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनाने की दिशा में काम किया जाएगा।

हनुमान जयंती पर सेवा कार्य से शुरूआत

नए सत्र की शुरूआत हनुमान जयंती के अवसर पर एक सेवा कार्यक्रम के साथ की गई। संकट मोचन मंदिर के बाहर राहगीरों, ऑटो चालकों और जरूरतमंद लोगों के बीच पुरी, सब्जी, बुंदिया, केला, टॉफी और शरबत का वितरण किया गया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा और लोगों ने इस पहल की सराहना की।

आपसी भाईचारे और सेवा का संदेश

इस आयोजन का उद्देश्य समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और धार्मिक आस्था को मजबूत करना था। सेवा कार्य के माध्यम से संगठन ने यह संदेश दिया कि समाज के हर वर्ग तक मदद पहुंचाना ही सच्ची सेवा है।

नई टीम ने संभाली जिम्मेदारी

नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनीषा अग्रवाल और सचिव शिखा अग्रवाल के नेतृत्व में नेहा सूरज, साक्षी, रोनिका, नेहा मित्तल, ज्योति खंडेलवाल, सोनी और नेहा अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

समाज सेवा के प्रति प्रतिबद्धता

नई कार्यकारिणी ने आने वाले समय में भी इसी तरह के जनहितकारी कार्य करने का संकल्प लिया है, ताकि समाज के अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। यह आयोजन युवाओं की ऊर्जा, सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारी का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया।

संक्षिप्त खबरें

झूलन के साथ संपन्न हुआ बाबा आम्रेश्वर धाम का मंडा महोत्सव

खूंटी : जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बाबा आम्रेश्वर धाम में पांच दिनों से चल रहा मंडा महोत्सव शुक्रवार को पारंपरिक झूलन कार्यक्रम के साथ संपन्न हो गया। महोत्सव के समापन के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे आयोजन स्थल में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। महोत्सव के दौरान गुरुवार की रात्रि जागरण विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के बोंगाबारी से राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित उस्ताद सुनीता महतो की महिला मंडली एवं चिरकाडीह, पुरुलिया की उस्ताद ममता महतो की महिला मंडली की ओर से भव्य छऊ नृत्य की प्रस्तुति दी गई। पारंपरिक लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आसपास के गांवों से पहुंचे हजारों महिला-पुरुष पूरी रात कार्यक्रम का आनंद लेते रहे और सुबह तक डटे रहे। समापन दिवस पर शुक्रवार की सुबह से झूलन कार्यक्रम शुरू हुआ, जिसमें भगतियों को बारी-बारी से ऊंचे चरक स्तंभ में झुलाया गया। इस दौरान झूलन के नीचे श्रद्धा के फूल प्राप्त करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। मंडा मेला जागरण में समिति के महामंत्री सहित सभी सदस्य और स्वयंसेवकों ने आयोजन को सुव्यवस्थित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वयंसेवकों की सक्रियता के कारण भीड़ नियंत्रण बेहतर रहा और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

अनुदान रोकने से नाराज शिक्षकों ने किया पुतला दहन और चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान

पलामू : झारखंड में 223 अनुदानित एवं वित्तरहित शिक्षण संस्थानों का अनुदान रोके जाने के विरोध में शिक्षक और कर्मचारी अब आंदोलन के मूड में आ गए हैं। झारखंड राज्य वित्तरहित शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने 4 अप्रैल को राज्यभर के लगभग 600 अनुदानित और 1250 वित्तरहित स्कूल-कॉलेजों में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव का पुतला दहन करने की घोषणा की है। मोर्चा ने आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से चलाने का निर्णय लिया है। इसके तहत 10 अप्रैल को राजभवन मार्च, 15 अप्रैल तक विधायकों के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपना, प्रमंडलवार धरना और अप्रैल के अंतिम सप्ताह में मुख्यमंत्री आवास घेराव करने की चेतावनी दी गई है। मोर्चा के नेता मनीष कुमार ने पलामू में आयोजित बैठक के बाद कहा कि सरकार ने बिना समुचित जांच के कुछ संस्थानों को अनुदान जारी किया, जबकि अधिकांश संस्थानों का अनुदान रोक दिया गया। उन्होंने इसे सरकार का दोहरा मापदंड बताते हुए कड़ा विरोध जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि शासी निकाय, बंधक विलेख, उपयोगिता प्रमाण पत्र और शपथ पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर 223 संस्थानों का अनुदान काट दिया गया, जबकि ये सभी दस्तावेज विभागीय पोर्टल पर अपलोड किए गए थे। तकनीकी गड़बड़ी के कारण दस्तावेज गायब हो जाने का खामियाजा अब शिक्षकों और संस्थानों को भुगतना पड़ रहा है। मोर्चा ने सरकार पर वित्तरहित संस्थानों को समाप्त करने की साजिश का आरोप भी लगाया। उनका कहना है कि यह कदम 2004 के अधिनियम की धाराओं के विपरीत है, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि स्थापना अनुमति प्राप्त या स्वतः मान्यता प्राप्त संस्थानों को अनुदान से वंचित नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, तीन जनजातीय बहुल जिलों की अनुदान राशि के लैप्स होने का मुद्दा भी उठाया गया, जिससे आदिवासी और पिछड़े वर्ग के हजारों छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मोर्चा ने बताया कि पिछले वर्ष खूंटी और पश्चिमी सिंहभूम की राशि भी इसी तरह लैप्स हुई थी, जिसे लंबे आंदोलन के बाद जारी कराया गया था। बैठक में रघुनाथ सिंह, गणेश महतो, अरविंद सिंह, देवनाथ सिंह, नरोत्तम सिंह, मुरारी सिंह, डालेश चौधरी, मनोज तिर्की, फजलुल कादरी अहमद और हरिहर प्रसाद कुशवाहा सहित कई शिक्षक और पदाधिकारी उपस्थित थे।

अमन ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में टीम को दिलाया तीसरा स्थान

रामगढ़ : जिले के गोला क्षेत्र के रहने वाले अमन मुंडा ने खेलो इंडिया ट्राईबल्स गेम में झारखंड की टीम को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचा दिया। उसकी सफलता अब राष्ट्रीय स्तर पर गूंज रही है। पिता का साया नहीं होने और अत्यंत गरीब परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद सीमित संसाधनों में अपनी प्रतिभा के बल पर अमन मुंडा ने राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर क्षेत्र और राज्य का नाम रोशन किया है। छत्तीसगढ़ में 25 मार्च से 03 अप्रैल तक पहली बार आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में झारखंड की कबड्डी टीम ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया। इसमें गोला के हरी मंदिर नया टोला निवासी अमन मुंडा को भी स्थान मिला। झारखंड की कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस टीम में शामिल रजरप्पा स्पोर्ट्स एकेडमी एवं रामगढ़ जिला कबड्डी टीम के खिलाड़ी अमन मुंडा ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए अपने जिले और क्षेत्र को गौरवान्वित किया। अमन मुंडा की इस उपलब्धि पर कबड्डी एसोसिएशन के चेयरमैन सीडी सिंह ने शुक्रवार को गोला के हरी मंदिर नया टोला स्थित उनके आवास पहुंचकर रामगढ़ जिले के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों के साथ उन्हें फूल-माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सीडी सिंह ने कहा कि एक अत्यंत गरीब परिवार से आने वाले अमन ने अपनी प्रतिभा के दम पर यह उपलब्धि हासिल कर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर गोला पंचायत की मुखिया बुलटी देवी ने भी अमन मुंडा को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि पूरे पंचायत के लिए गर्व की बात है। राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान मिलना क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने अमन को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

एक नजर

नाली निर्माण को लेकर डीसी को दिया आवेदन

साहिबगंज: बोरियो नमस्ते रोड के ग्रामीणों ने डीसी एवं बीडीओ को आवेदन देकर नाली निर्माण की मांग की है। आवेदन में ग्रामीणों ने शिकायत की है कि नमस्ते रोड में कपिल साह के घर के पास एवं रामदेव राम के घर से स्व, रघुवंशी भगत के घर होते हुए बिमल साह के घर तक संकरा नाला के कारण नाला क्षतिग्रस्त हो चुका है। नाली जाम रहने के कारण नाली का गंदा पानी सड़क पर बहता है। बारिश के मौसम में स्थिति भयावह हो जाती है। पानी का बहाव इतना तेज होता है कि नाला का गंदा पानी घर में प्रवेश कर जाता है। ग्रामीणों ने डीसी एवं बीडीओ से चौड़ी नाली प्लेट सहित निर्माण करवाने की मांग की है। आवेदन में प्रवीण कुमार, ओम प्रकाश साह, निमाय चंद्र दास, मनोज साह, विनोद साह, राजू साह, रवि कुमार, गुणाधर रूज सहित कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर है। इस संबंध में बीडीओ नागेश्वर साव ने कहा कि 15वें वित्त की राशि से नाली का निर्माण करवाया जाएगा।

ट्रेन पर चढ़ने के दौरान हुआ हादसा, महिला का पैर कटा

साहिबगंज: जिले के राजमहल प्रखंड की रहने वाली एक महिला ट्रेन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना में महिला का पैर कट गया। हादसे के तुरंत बाद बरहरवा आरपीएफ पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बरहरवा ले जाने की प्रक्रिया शुरू की। मिली जानकारी के अनुसार घायल महिला की पहचान चांदनी देवी (55 वर्ष) के रूप में हुई है, जो थाना राजमहल क्षेत्र अंतर्गत महाजन टोली की निवासी बताई जा रही हैं। बताया जाता है कि आजीमगंजझसाहिबगंज अप पैसेंजर ट्रेन पर चढ़ने के दौरान यह हादसा हुआ, जिसमें उनका पैर कट गया। जहां गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद महिला की जान बच गई। आरपीएफ की त्वरित कार्रवाई से उन्हें समय पर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जिससे स्थिति नियंत्रित हो सकी।

दो पक्षों के बीच मारपीट मामले में दो गिरफ्तार

साहिबगंज: राजमहल थाना अंतर्गत आलमपुरा गांव में बीते 02 अप्रैल की संध्या दो पक्षों के बीच आपसी विवाद में हुई मारपीट मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों से एक-एक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके पूर्व मारपीट की घटना को लेकर एक पक्ष के आलमपुरा निवासी मुस्लिम शेख ने पुलिस को बताया था कि गांव के ही हेलवा शेख, कालू शेख, नुरेशा बीवी, रैयदा बीवी सहित अन्य एकमत होकर उनलोगों के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया जिसमें उसकी पुत्री गंभीर रूप से जख्मी हो गई। मामले को लेकर मुस्लिम शेख के बयान पर कांड संख्या 98/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जबकि दूसरे पक्ष की नुरेशा बीवी ने भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाकर शैलून बीवी, सोनी बेवा, नौसाद शेख सहित अन्य के विरुद्ध मारपीट कर जख्मी कर देने का आरोप लगाया था। पीड़ित महिला के बयान पर कांड संख्या 99/26 दर्ज हुई थी। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने घटना की छानबीन कर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रथम पक्ष की शिकायत पर हेलवा शेख तथा दूसरे पक्ष की शिकायत पर नौशाद शेख को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

गुड फ्राइडे पर यीशु के वचनों पर अमल का लिया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड के सीएनआई चर्च महादेवगंज में हुई प्रार्थना सभा में शामिल हुए लोग प्रभु यीशु का बलिदान दिवस शुक्रवार को गुड फ्राइडे के दिन सीएनआई चर्च में सादगी के साथ मनाया गया। गुड फ्राइडे के दिन ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था। उसी दिन की याद में ईसाई समुदाय गुड फ्राइडे मनाते हैं और चर्च में विशेष प्रार्थना हुई। इस प्रार्थना के लिए चर्च में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। गुड फ्राइडे मनाने की तैयारी प्रार्थना और उपवास के रूप में 40 दिन पहले शुरू हो जाती है इन 40 दिनों में शाकाहारी व सात्विक भोजन पर जोर दिया जाता है, गुड फ्राइडे पर ईसाई धर्म को मानने वाले लोगों ने चर्च में जाकर प्रभु यीशु को याद किया सीएनआई चर्च के पादरी डिकन ने बताया गुड फ्राइडे का महत्व।

बलिदान और प्रेम का दिन

इस दिन यीशु मसीह ने मानवता के पापों के लिए अपना बलिदान दिया। उनका संदेश था - प्रेम, क्षमा और दया। इसलिए यह दिन त्याग और सच्चे प्रेम का प्रतीक है।

दुःख और शोक का दिन

गुड फ्राइडे खुशी का नहीं बल्कि शोक का दिन माना जाता है। लोग चर्च में जाकर प्रार्थना करते हैं और यीशु के कष्टों को याद करते हैं।

उपवास और प्रार्थना

कई लोग इस दिन उपवास रखते हैं और शांतिपूर्वक प्रार्थना करते हैं, ताकि वे आत्मचिंतन कर सकें और अपने जीवन को बेहतर बना सकें।

क्षमा का संदेश

जब यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया, तब भी उन्होंने कहा - "हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं।ह्व यह हमें सिखाता है कि हमें दूसरों को माफ करना चाहिए। गुड फ्राइडे हमें सिखाता है कि जीवन में प्रेम, त्याग, और क्षमा सबसे बड़े गुण हैं। यह दिन हमें अपने अंदर झांकने और बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देता है। इस दिन काफी संख्या में लोग चर्च पहुंचते हैं। गुड फ्राइडे पर प्रभु यीशु के आखिरी सात वचनों के बारे में उद्बोधन दिया गया, बताया गया कि गुड फ्राइडे प्रभु यीशु मसीह के वचनों के माध्यम से इंसानियत की राह पर चलने का ज्ञान देने वाला है श्रद्धालुओं को प्रभु यीशु मसीह के व्यक्तिगत के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई गुड फ्राइडे चर्च में 7 वचन को बारी बारी से उज्ज्वल भगत, अर्चना खुजूर, मोनिका भगत, सुबेंदु आनंद, मालतो आशीष, माल्टो और पवन भगत सुनाया। वही समुदाय के लोगों ने परमेश्वर यीशु के वचनों पर अमल करने का संकल्प लिया। इस मौके पर सीएनआई चर्च के पादरी डिकन सेक्रेटरी रजीना माल्टो मुंशी आशीष माल्टो शामिल हुए।

गुड फ्राइडे पर चर्च में विशेष प्रार्थना प्रभु यीशु के बलिदान को किया याद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत तोराई स्थित चर्च में शुक्रवार को गुड फ्राइडे श्रद्धा, भक्ति और गंभीर वातावरण के बीच मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु चर्च पहुंचकर विशेष प्रार्थना सभा में शामिल हुए और प्रभु यीशु मसीह के बलिदान को याद किया। प्रार्थना सभा का संचालन पास्टर मनवेल मुर्मू ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गुड फ्राइडे हमें सत्य, प्रेम और त्याग के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे प्रभु यीशु मसीह के उपदेशों को अपने जीवन में उतारें और सदाचार के रास्ते पर चलें। पास्टर ने बताया कि यीशु मसीह ने पूरी मानवता को प्रेम, दया, क्षमा और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने अपने जीवन का बलिदान देकर यह सिद्ध किया कि

सत्य और धर्म की राह कभी व्यर्थ नहीं जाती। गुड फ्राइडे उसी महान बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है, जब यीशु मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था।

गुड फ्राइडे का महत्व और धार्मिक मान्यता

ईसाई धर्म में गुड फ्राइडे का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन प्रभु यीशु मसीह ने मानव जाति के पापों के प्रायश्चित के लिए स्वयं को बलिदान कर दिया। यह दिन त्याग, प्रेम और क्षमा का प्रतीक माना जाता है।

भजन-कीर्तन और पूजा-अर्चना से गूंजा हनुमान मंदिर श्रद्धालुओं ने धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के पावन अवसर पर हनुमान जन्मोत्सव को लेकर पाकुड़ रेलवे स्टेशन परिसर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे दिन मंदिर परिसर भक्ति और आस्था के रंग में रंगा रहा। श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ भगवान हनुमान को लाल सिंदूर, लाल पुष्प, तुलसी दल, चोला और चमेली तेल अर्पित किया। साथ ही लड्डू, बूंदी और खीर का भोग लगाकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर परिसर "जय श्री राम" और "जय हनुमान" के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच बाबा

भारतेंदु त्रिवेदी एवं सागर मिश्रा द्वारा विशेष पूजा संपन्न कराई गई। इसके बाद भव्य महाआरती का आयोजन हुआ और श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। हजारों भक्तों ने बजरंगबली का आशीर्वाद स्वरूप प्रसाद ग्रहण किया। रात्रि प्रहर में भजन-कीर्तन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मोनी व्यासजी एवं उनकी टीम ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से भक्तों को भावविभोर कर दिया। नाल वादक दशरथ सिंह दिवाना, मो. शब्बीर हुसैन, तपन पासवान, गौरीशंकर पासवान, ऑर्गन मास्टर अमित जी, पेडवादक अर्जुन जी, मां मनसा संगीत राजमहल, राहुल जी, महादेव रविदास और होरेराम दास ने भी अपनी प्रस्तुति से समां बांध दिया। इस दौरान मातृशक्ति वार्ड पार्षद निभा देवी सहित अनिकेत गोस्वामी, कुमार विश्वास सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महाराजपुर में ट्रेन से कटकर व्यक्ति की मौत, परिवार में मचा कोहराम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। बरहरवा-साहेबगंज रेलखंड के महाराजपुर रेलवे लाइन में गुरुवार की रात एक व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गयी। इस घटना के बाद इलाके में शोक और सनसनी का माहौल बन गया।

रेलवे ट्रैक के पास खड़ा था विष्णु नोनिया

मृतक की पहचान महाराजपुर निवासी अनिल नोनिया के पुत्र विष्णु नोनिया के रूप में की गयी है। बताया जा रहा है कि वह स्थानीय निवासी था और किसी कारणवश देर रात रेलवे ट्रैक के पास मौजूद था, जहां यह हादसा हो गया।

हावड़ा-जमालपुर एक्सप्रेस से हुआ हादसा

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विष्णु नोनिया की मौत हावड़ा-जमालपुर एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर हुई। घटना देर रात की बतायी जा रही है, हालांकि सुबह लोगों की नजर शव पर पड़ी, जिसके बाद इसकी सूचना तत्काल रेल पुलिस को दी गयी।

मौके पर पहुंची रेल पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही रेल पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

पत्नी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

इस घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। पत्नी और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अचानक हुई इस दर्दनाक घटना से पूरा परिवार सदमे में है।

महाप्रसादम के लिए अन्नसंग्रह धन संग्रह अभियान जोरों पर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर जय प्रकाश नगर और प्रोफेसर कॉलोनी मोहल्ले में अन्नसंग्रह धन संग्रह अभियान जोरशोर से चलाया गया। जहां रामधुन की जयकारों के साथ शहर के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस अभियान में भाग लिया। उधर गंगा समग्र के प्रांत संयोजक डॉ. देवव्रत और आरएसएस के नगर कार्यवाहक प्रमोद कुमार रिंकू के नेतृत्व में दो अलग अलग दलों में शामिल संजय पटेल, देव कुमार, अनिल कुमार गुप्ता, अमित गुप्ता, प्रमोद झा, गौरी शंकर चौधरी, राज कोचिंग के रवि कुमार तांती, रोहित यादव, परितोष कुमार एवं राजू कुमार ने घरों से अन्न संग्रह धन संग्रह किया। वही प्रमोद कुमार ने बताया कि अन्न संग्रह धन संग्रह के माध्यम से लगभग 10000 सनातन प्रेमियों को महाप्रसाद वितरित किया जाएगा। आगे उन्होंने बताया कि विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर शहर में कल से प्रचार प्रसार अभियान जोर शोर से चलाया जाएगा।

ओवरलोड वाहनों का आतंक, प्रशासन की कार्यवाही फेल खेतों में गरजती जेसीबी, उजड़ रही है उपजाऊ कृषि भूमि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के उधवा प्रखंड क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां मिट्टी का अवैध खनन और ओवरलोडिंग का खेल लगातार जारी है। प्रशासन द्वारा की गई पूर्व कार्रवाई के बावजूद अवैध परिवहन का यह सिलसिला खुलेआम चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, कृषि क्षेत्र में जेसीबी मशीन द्वारा मिट्टी का कटान कर सैकड़ों ट्रैक्टरों द्वारा मिट्टी का अवैध परिवहन किया जा रहा है, जिससे सरकार को लाखों के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध

इस पूरे खेल में जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध है। राधानगर थाना क्षेत्र से अन्य इलाकों की ओर अवैद्य मिट्टी से लदे

ओवरलोड वाहन दिन-रात बेरोकटोक गुजर रहे हैं। कटहलबाड़ी, उत्तरी और दक्षिणी पलाशगाछी, प्राणपुर, बेगमगंज जैसे इलाकों से प्रति दिन और प्रति रात्रि भारी वाहन निकलते देखे जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्थानीय पुलिस की कार्यवाही के बावजूद इन वाहनों पर कोई प्रभावी रोक देखने को नहीं मिल रही है, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ओवरलोड वाहनों के कारण सड़कें जर्जर हो चुकी हैं, दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है और आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है।

प्रशासन की अनदेखी या माफियाओं का राज

सवाल उठाना लाजमी है कि आखिर क्यों जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यवाही बार-बार फेल हो रही है। क्या खनन माफियाओं का लोकेटर और सूचना नेटवर्क प्रशासनिक गतिविधियों से ज्यादा तेज है? या सब कुछ जानते हुए भी अनदेखी की जा रही है। चिंताजनक बात यह है कि यह अवैध मिट्टी खनन और ओवरलोडिंग का खेल सिर्फ एक प्रखंड तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जिले का हर प्रखंड इस अवैद्य मिट्टी कारोबार से किसी न किसी रूप से जुड़ा अवश्य है।

संक्षिप्त खबरें

मनिहारी-साहिबगंज गंगा नदी में नौका सेवा बंद

साहिबगंज: साहिबगंज-मनिहारी के बीच गंगा में फेरी सेवा बंद होने से लोग वैसे ही परेशान थे और किसी तरह नौका से आवागमन करते थे। लेकिन बीते गुरुवार से गंगा नदी पर फेरी सेवा के बाद अब नाव परिचालन भी बंद कर दिया गया है। इसके पीछे बंदोबस्तधारी द्वारा निर्धारित राशि नहीं जमा करने से परवाना निर्गत नहीं होना एवं कागजी प्रक्रिया पूर्ण नहीं होना बताया जाता है। सेवा पुनः शुरू नहीं होने तक लोगों को भागलपुर होकर सड़क मार्ग से साहिबगंज जाना पड़ेगा। दरअसल, मनिहारी प्रशासन का कहना है की वहां के चौदह घाट की बंदोबस्ती के बदोंबस्तधारी को परवाना सहित अन्य जरूरी कागजात दुरुस्त करने के बाद ही नाव का परिचालन सुनिश्चित होगा। चौदह घाट समूह के तहत यात्री नाव का परिचालन अचानक गुरुवार को बंद हो जाने से यात्रियों को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ा। यात्री पूर्णिया, कटिहार सहित अन्य जगहों से मनिहारी पहुंचे थे। यहां पहुंचते ही जैसे ही उन्हें मालूम हुआ नाव परिचालन किसी कारणवश बंद है उनमें मायूसी छा गई। ज्ञात हो की मनिहारी साहिबगंज गंगा नदी मार्ग में अंतरराज्यीय फेरी सेवा के इस वित्तीय वर्ष में परिचालन के लिए कटिहार जिला प्रशासन के निर्धारित डाक की तिथि को किसी डाकवक्ता ने भाग नहीं लिया। जिस कारण फेरी सेवा वाले जहाजों का परिचालन बीते एक अप्रैल से बंद है। दूसरी तरफ, चौदह घाट समूह की बंदोबस्ती की प्रक्रिया में बंदोबस्तधारी द्वारा तय निर्धारित राशि जमा नहीं किए जाने तथा कागजी प्रक्रिया पूर्ण नहीं होने के कारण परवाना निर्गत नहीं होने से यात्री नाव परिचालन भी बंद कर दिया गया है।

उधवा-केवटपाड़ा गांव में एक महिला के साथ मारपीट, 9 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज: जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के पूर्वी उधवा पंचायत अंतर्गत केवटपाड़ा गांव में एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता रीना देवी ने राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता के आवेदन के आधार पर थाना कांड संख्या 103/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार इस मामले में पीड़िता रीना देवी ने पुलिस को आवेदन देकर नामजद आरोपियों में दुर्वेश चौधरी, मिथुन चौधरी, मधु चौधरी सहित अन्य छह लोगों को अभियुक्त बनाया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि सभी आरोपियों ने मिलकर उसके साथ मारपीट, गाली-गलौज एवं अन्य आपराधिक कृत्य किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हुई। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

साप्ताहिक बाजार के बाद कचरे का अंबार, हिरणपुर का फुटबॉल मैदान बना गंदगी का अड्डा

हिरणपुर : जिले के हिरणपुर स्थित फुटबॉल मैदान, जो स्थानीय स्तर पर सार्वजनिक उपयोग का एक प्रमुख स्थल माना जाता है, इन दिनों अव्यवस्था और गंदगी की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। यहां प्रत्येक सप्ताह लगने वाले साप्ताहिक बाजार के बाद मैदान की स्थिति बदहाल हो जाती है। बाजार समाप्त होते ही पूरे मैदान में प्लास्टिक, कागज, पॉलिथीन और अन्य कचरों के ढेर बिखरे नजर आते हैं। हालत ऐसी हो जाती है कि यह खेल का मैदान कम और कचरा स्थल अधिक प्रतीत होने लगता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बाजार के बाद सफाई की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की जाती, जिसके कारण हर सप्ताह यही समस्या दोहराई जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि इस मैदान में बच्चे नियमित रूप से खेलने आते हैं, लेकिन चारों ओर फैली गंदगी और सड़े-गले कचरे से उठती दुर्गंध के कारण उनके स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। संक्रमण फैलने की आशंका भी लगातार बनी हुई है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पर्यावरण प्रदूषण की समस्या भी दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसी मैदान में जे.एम.एम. झारखंड चैंपियन ट्रॉफी जैसे महत्वपूर्ण खेल आयोजन भी होते हैं, इसके बावजूद मैदान की देखरेख में भारी लापरवाही साफ दिखाई देती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि साप्ताहिक बाजार के तुरंत बाद नियमित एवं प्रभावी सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही कचरा प्रबंधन के लिए स्थायी और ठोस व्यवस्था बनाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या उत्पन्न न हो। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो स्थिति और भी विकराल हो सकती है।

बच्चों के झगड़े में बड़ों के बीच मारपीट, तीन के खिलाफ मामला दर्ज

साहिबगंज: राधानगर थाना क्षेत्र के जयंतीग्राम में बच्चों के बीच हुए विवाद ने बड़ों के बीच मारपीट का रूप ले लिया। इस संबंध में वादिनी इशमेतारा खातून, पति मोबारक शेख, निवासी जयंतीग्राम, थाना राधानगर, जिला साहिबगंज के लिखित आवेदन के आधार पर राधानगर थाना में कांड संख्या एम-105/26, 03 अप्रैल 2026 को प्राथमिकी दर्ज की गई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, इस मामले में रिजवाना खातून, जोशनारा खातून एवं अहमद शेख को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 126(2), 115(2), 117(2), 351(2), 352 एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना बच्चों के आपसी विवाद से शुरू हुई, जो बाद में बड़ों के बीच मारपीट में बदल गई। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

दरभंगा में कार्गो लॉजिस्टिक्स हब और एयरोसिटी का निर्माण 3 फेज में, जानिए क्या-क्या होगा फायदा

पटना (एजेंसी) मिथिलांचल को कई तोहफे केंद्र के साथ-साथ राज्य सरकार की ओर से दिए जा रहे हैं. ऐसे में अब दरभंगा में कार्गो-लॉजिस्टिक्स हब और एयरोसिटी बनाया जाएगा. इसके लिए जमीन अधिग्रहण की मंजूरी भी मिल गई है. इस परियोजना के पूरा होने से कई फायदे लोगों को हो सकेंगे. : बिहार के दरभंगा जिले में कार्गो-लॉजिस्टिक्स हब और एयरोसिटी का निर्माण कराया जाएगा. जल्द ही मिथिलांचल का इलाका ग्लोबल ट्रेड सेंटर के रूप में जाना जाने वाला है. जानकारी के मुताबिक, बिहार सरकार की यह बेहद खास परियोजना है. इसके लिए करीब 50.04 एकड़ जमीन अधिग्रहण किया जाएगा. जिसके लिए लगभग 138.82 करोड़ रुपए की मंजूरी भी मिल गई है. क्यों खास है ये परियोजना? इस पूरे परियोजना की बात करें तो, कार्गो-लॉजिस्टिक्स हब को दरभंगा एयरपोर्ट के पास ही बनाया जाएगा. यहां आमस-दरभंगा सिक्स लेन रोड भी खत्म होता है. इस तरह से यह जगह बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि एनएच, हवाई पट्टी और स्थानीय रास्तों को एकसाथ कनेक्ट करता है. कौन-कौन से 3 भागों में बंटी परियोजना? जानकारी के मुताबिक, इस परियोजना को 3 भागों में बांटा गया है. पहला मॉडर्न कार्गो टर्मिनल, दूसरा लॉजिस्टिक्स पार्क और तीसरा एयरोसिटी है. कार्गो टर्मिनल के जरिए मिथिला की मछली, फेमस मखाना, मिथिला पेंटिंग के साथ-साथ मौसमी फल को भी ग्लोबल मार्केट तक भेजा जा सकेगा. जबकि लॉजिस्टिक्स पार्क के बनने से यहां कोल्ड-चेन स्टोरेज और प्रोसेसिंग सेंटर होंगे. इससे प्रोडक्ट बर्बाद होने से बचाए जायेंगे. इसके अलावा एयरोसिटी के तैयार होने से फ्लाइट से सफर करने वालों के लिए शॉपिंग मॉल, कन्वेंशन सेंटर और होटल समेत कई सुविधाओं को भी बहाल किया जाएगा. इस तरह से इस परियोजना के तीन फेज में पूरा होने से दरभंगा में पर्यटन को बढ़ावा, बिजनेस सेंटर और इकोनॉमी को स्ट्रॉन्ग भी किया जा सकेगा. उचित मुआवजा देने का भरोसा जानकारी के मुताबिक, कार्गो-लॉजिस्टिक्स हब और एयरोसिटी के निर्माण के लिए पहले तो जमीन अधिग्रहण किया जाएगा. इसके लिए जमीन मालिकों को यह भरोसा भी दिया गया है कि उनकी जमीन के लिए उचित मुआवजा दिया जाएगा. इस परियोजना से बिहार से पलायन भी रूक सकेगा. युवाओं को बिहार में ही रोजगार मिल सकेगा.

मुजफ्फरपुर में 30 मिनट रुकेगी श्रीरामायण यात्रा स्पेशल ट्रेन, 17 दिन का धार्मिक सफर

पटना (एजेंसी) श्रीरामायण यात्रा टूर स्पेशल ट्रेन सीतामढ़ी होते हुए शुक्रवार रात मुजफ्फरपुर जंक्शन पहुंचेगी. 17 दिनों की इस धार्मिक यात्रा में श्रद्धालु कई प्रमुख तीर्थ स्थलों का दर्शन करेंगे. श्रद्धालुओं की मांग को देखते हुए चलाई जा रही श्रीरामायण यात्रा टूर स्पेशल ट्रेन शुक्रवार की रात मुजफ्फरपुर जंक्शन पहुंचेगी. यह विशेष धार्मिक ट्रेन सीतामढ़ी होते हुए उत्तर बिहार के कई श्रद्धालुओं को रामायण से जुड़े पवित्र स्थलों के दर्शन करवा रही है. दिल्ली से शुरू हुई 17 दिन की धार्मिक यात्रा यह ट्रेन 30 मार्च को दिल्ली के सफदरजंग स्टेशन से रवाना हुई थी. भारत गौरव डीलक्स एसी रेक के साथ चल रही यह ट्रेन पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से लैस है. 17 दिनों के इस सफर में श्रद्धालु देश के कई प्रमुख धार्मिक स्थलों का भ्रमण करेंगे. सीतामढ़ी में दो दिन का टूरिस्ट हॉल्ट गुरुवार सुबह यह ट्रेन माता जानकी की धरती सीतामढ़ी पहुंची. यहां यात्रियों के लिए दो दिनों का टूरिस्ट हॉल्ट रखा गया है. इस दौरान श्रद्धालु पुनौरा धाम सहित अन्य पौराणिक स्थलों के दर्शन कर रहे हैं. मुजफ्फरपुर में 30 मिनट का ठहराव यह विशेष ट्रेन शुक्रवार रात करीब 10:45 बजे मुजफ्फरपुर जंक्शन पहुंचेगी. यहां ट्रेन का 30 मिनट का ठहराव होगा. इसके बाद इंजन रिवर्सल कर रात 11:15 बजे ट्रेन पाटलिपुत्र और बक्सर के लिए रवाना हो जाएगी. आधुनिक सुविधाओं से लैस है ट्रेन 14 कोच वाली इस ट्रेन में फर्स्ट, सेकंड और थर्ड एसी की सुविधा दी गई है. इसके साथ ही यात्रियों के लिए दो डाइनिंग कार भी जोड़ी गई हैं, ताकि सफर के दौरान भोजन की कोई परेशानी न हो. कई प्रमुख तीर्थ स्थलों का कराएगी दर्शन इस यात्रा के दौरान श्रद्धालु अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, नासिक, हम्पी और रामेश्वरम जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों का दर्शन करेंगे. यह पूरी यात्रा 15 अप्रैल को दिल्ली में समाप्त होगी. रेलवे प्रशासन अलर्ट रेलवे प्रशासन ने इस विशेष ट्रेन के संचालन को लेकर सोनपुर और समस्तीपुर रेल मंडल के अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है. सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि यात्रियों को कोई परेशानी न हो.

अप्रैल में झुलसेगा बिहार, टेंपरेचर चढ़ेगा पिछले साल से भी ऊपर

पटना (एजेंसी) बिहार में अप्रैल महीने में इस बार तेज गर्मी के साथ बारिश का भी असर देखने को मिलेगा. मौसम विभाग ने दूसरे हफ्ते से हीट वेव की चेतावनी दी है, जबकि बीच-बीच में आंधी और बारिश से राहत मिलने की संभावना है. बिहार में अप्रैल महीने का मौसम इस बार अलग तेवर दिखाने वाला है. एक तरफ जहां तेज गर्मी लोगों को परेशान करेगी, वहीं बीच-बीच में बारिश भी राहत दे सकती है. मौसम विभाग के अनुसार महीने के दूसरे हफ्ते से राज्य में हीट वेव चलने की संभावना है. मौसम विभाग का कहना है कि इस बार अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान सामान्य से ऊपर रह सकते हैं. आमतौर पर अप्रैल में अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री और न्यूनतम 22 से 24 डिग्री के बीच रहता है, लेकिन इस बार पारा इससे ऊपर जा सकता है. स्कूलों का समय बदला बढ़ती गर्मी को देखते हुए सरकार ने स्कूलों के समय में बदलाव किया है. 6 अप्रैल से सरकारी स्कूल सुबह 6:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक चलेंगे. सुबह 9 बजे से 9:40 बजे तक मध्यांतर और मिड डे मील का समय तय किया गया है. यह व्यवस्था 31 मई तक लागू रहेगी. पिछले साल से अलग रहेगा मौसम अप्रैल 2025 में बिहार में भीषण गर्मी पड़ी थी. गया, पटना और औरंगाबाद जैसे जिलों में तापमान 42 डिग्री तक पहुंच गया था. पूरे महीने हीट वेव का असर रहा और बारिश बहुत कम हुई. इस साल ज्यादा बारिश की संभावना अप्रैल 2026 में भी गर्मी कम नहीं होगी, लेकिन इस बार बारिश ज्यादा होने का अनुमान है. मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है. इसका मतलब है कि गर्मी के बीच-बीच में आंधी और बारिश से थोड़ी राहत मिलेगी. क्यों बढ़ती है अप्रैल में गर्मी? अप्रैल में आमतौर पर आसमान साफ रहता है, जिससे सूरज की किरणें सीधे जमीन पर पड़ती हैं. दिन लंबे होने के कारण धूप का असर ज्यादा समय तक रहता है. इसके साथ ही पश्चिम और उत्तर-पश्चिम से आने वाली गर्म हवाएं यानी लू नमी को कम कर देती हैं, जिससे तापमान तेजी से बढ़ता है. अभी कैसा रहेगा मौसम? फिलहाल बिहार में मौसम सामान्य बना हुआ है, लेकिन गर्मी का असर धीरे-धीरे बढ़ रहा है. मौसम विभाग के अनुसार 5 अप्रैल तक राज्य के अधिकांश जिलों में तापमान सामान्य से अधिक रहेगा और तेज धूप का सामना करना पड़ेगा.

10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य की शपथ लेंगे नीतीश कुमार, जल्द दे सकते हैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा

नीतीश का दिल्ली दौरा और बिहार में नई सरकार की सुगबुगाहट; 14 अप्रैल के बाद शुरू होगी नए गठन की प्रक्रिया

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा के सदस्य की शपथ 10 अप्रैल को लेंगे. इससे पहले 30 मार्च को उन्होंने बिहार विधान परिषद की सदस्यता से आधिकारिक तौर पर इस्तीफा दिया था. 10 अप्रैल के बाद बिहार में नई सरकार के गठन के लिए ताबड़तोड़ बैठकें भी होने वाली हैं. बिहार की राजनीति में नई सरकार को लेकर हलचल तेज होने वाली है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा के सदस्य की शपथ लेंगे. इसके लिए वे 9 अप्रैल को दिल्ली जायेंगे. 10 अप्रैल को शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मुलाकात दिल्ली में एनडीए के कई आला नेताओं से होगी. इसमें ताजा राजनीतिक हालात पर चर्चा होने की संभावना है. 11 अप्रैल के बाद हो सकती हैं बैठकें इसके साथ ही यह भी संभावना जताई जा रही है कि सीएम नीतीश कुमार 11 अप्रैल को पटना लौट आयेंगे. बिहार में 14 अप्रैल के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है. इसके पहले एनडीए विधायक दल की बैठक भी हो सकती है.
इसके अलावा जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठक 20 अप्रैल या इसके बाद होने की संभावना है. हाल में जदयू संगठन चुनाव हुए हैं और इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में एक बार फिर नीतीश कुमार चुने गए हैं. इस चुनाव के बाद यह बैठक खास मानी जा रही है. इसमें कई राजनीतिक प्रस्तावों पर मुहर लगाए जा सकते हैं. सीएम नीतीश को मिली जेड प्लस सिक्योरिटी राज्यसभा के सदस्य बनने से पहले सीएम नीतीश कुमार को जेड प्लस सिक्योरिटी मिली. गृह विभाग की ओर से जारी लेटर में कहा गया, सीएम नीतीश कुमार को बिहार स्पेशल सिक्योरिटी एक्ट-2000 के तहत सुरक्षा अनुमान्य है. राज्यसभा के लिए मुख्यमंत्री निर्वाचित हुए हैं. जल्द ही अब वे मुख्यमंत्री के पद से भी त्यागपत्र देंगे और राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे. ऐसे में सीएम नीतीश की सुरक्षा को लेकर समीक्षा की गई और जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा देने का निर्णय लिया. बिहार में सीएम फेस पर चर्चा तेज राज्यसभा के सदस्य के रूप में सीएम नीतीश शपथ लेने के बाद सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं. ऐसे में राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसकी चर्चा तेज है. बीजेपी और जेडीयू के कई नेताओं की चर्चा हो रही. खासकर दो नाम ज्यादा भावी माने जा रहे हैं. बीजेपी से डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को समर्थन देने की बात की जा रही है. जबकि जेडीयू से सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को सीएम फेस बताया जा रहा है. लेकिन अब तक एनडीए की ओर से आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं किया गया है.

बिहार में जहरीले पेय पदार्थ से मौत पर जीतन राम मांझी का बयान

पटना (एजेंसी) मोतिहारी में जहरीले पेय पदार्थ से 4 लोगों की मौत हो गई. अब यह मामला सियासी रूप लेता जा रहा है. केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, सरकार का काम कानून बनाना है और इसे इंप्लीमेंट करना हम सबका काम है. पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में जहरीले पेय पदार्थ के सेवन से 4 लोगों की मौत हो गई. इसके साथ ही 15 लोगों की हालत गंभीर भी बनी हुई है. यह मामला अब राजनीतिक रूप लेता जा रहा है. केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, शराबबंदी ठीक है. लेकिन इसके इंप्लीमेंटेशन में कहीं ना कहीं गड़बड़ी है. सरकार का काम कानून बनाना है लेकिन उसे इंप्लीमेंट करना, हम सबका काम है. क्या हुई थी पूरी घटना?जानकारी के मुताबिक, सभी मृतकों ने जहरीले पेय पदार्थ का सेवन किया था, जिसके बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई. परिजनों की ओर से अस्पताल ले जाने के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और जांच तेज कर दी है. साथ ही तुरकौलिया के थानेदार उमाशंकर मांझी को सस्पेंड कर दिया गया है. इन मुद्दों पर भी मांझी ने दिया बयान डिया से बात करते हुए सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर कहा, उन्होंने स्वेच्छा से यह निर्णय लिया है. हमारे यहां चार सदन है और उनमें से राज्यसभा के सदस्य वे अब तक नहीं बन पाए थे. ऐसे में अब वह राज्यसभा जा रहे हैं. इस दौरान सीएम नीतीश कुमार को जीतन राम मांझी ने शुभकामनाएं भी दी. हम पार्टी के प्रवक्ता दानिश रिजवान पर खुलेआम फायरिंग करने के मामले में मांझी ने कहा, उसके बारे में वह खुद ही सफाई दे देंगे. यह अदालत का मामला है. मुझे इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है. आरोप लगना और आरोप प्रूफ लगना दोनों दो बात है. अगर आरोप सही होगा तो निश्चित तौर पर कार्रवाई की जाएगी. इस आरोप पर दानिश रिजवान ने सफाई दी थी और फायरिंग वाले वीडियो को एआई जेनरेटेड बताया था.

बिहार में जहरीले पेय पदार्थ पीने से 4 लोगों की मौत, पुलिस ने कई ठिकानों पर तेज की छापेमारी

पटना (एजेंसी) बिहार के मोतिहारी में जहरीले पेय पदार्थ पीने से 4 लोगों की मौत हो गई. घटना से पूरे इलाकों में आक्रोश का माहौल है. इसके साथ ही 15 लोगों की हालत भी गंभीर बताई जा रही है. 4 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने कई संभावित ठिकानों पर छापेमारी तेज कर दी है. पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में जहरीले पेय पदार्थ पीने से 4 लोगों की मौत हो गई. जबकि 15 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है. उनका इलाज अस्पताल में जारी है. मामला रघुनाथपुर थाना इलाके के बालगंगा गांव से जुड़ा है. घटना के बाद पूरे इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है. अस्पताल ले जाने के बावजूद नहीं बच सकी जान बताया जाता है कि सभी मृतकों ने जहरीले पेय पदार्थ का सेवन किया था, जिसके बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई. परिजनों की ओर से अस्पताल ले जाने के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है. स्थानीय लोगों ने लगाया आरोप स्थानीय लोगों का आरोप है कि जहरीले पेय पदार्थ का धंधा लंबे समय से चल रहा था, लेकिन प्रशासन की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की गई. दूसरी तरफ पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संभावित ठिकानों पर छापेमारी तेज कर दी है. साथ ही शराब के अवैध कारोबार में शामिल लोगों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं. प्रशासन की ओर से किया गया ये दावा इसके साथ ही प्रशासन का दावा है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा. साथ ही घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम भी एक्टिव हो गई है और प्रभावित लोगों की जांच की जा रही है. जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को सिर्फ एक शख्स की मौत हुई थी. लेकिन आज यह आंकड़ा बढ़कर 4 हो गया है. मौत की संख्या बढ़ने पर पुलिस ने जांच तेज कर दी है.

राघव चड्ढा के बयान पर आप का पलटवार, सौरभ भारद्वाज बोले- कई अहम मुद्दों पर चुप रहते हैं

पटना (एजेंसी) राघव चड्ढा के पार्टी पर लगाए आरोपों के बाद आम आदमी पार्टी के नेता उनके खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं. सौरभ भारद्वाज और अनुराग ढांडा ने चड्ढा पर पार्टी लाइन से हटने और अहम मुद्दों पर चुप रहने के आरोप लगाए हैं. राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी के बीच विवाद अब खुलकर सामने आ गया है. डिप्टी लीडर पद से हटाए जाने के बाद राघव चड्ढा ने पार्टी पर सवाल उठाए, तो अब पार्टी के नेता भी उनके खिलाफ बोलने लगे हैं. दिल्ली में आप नेता सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर राघव चड्ढा पर पलटवार किया. उन्होंने कहा कि पार्टी का हर नेता अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में काम करता है और बिना डरे जनता के मुद्दे उठाना ही पार्टी की पहचान है. सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि राघव चड्ढा पार्टी लाइन से हटकर मुद्दे उठाते हैं और कई अहम मुद्दों पर चुप रहते हैं. उन्होंने कहा कि संसद में समय बहुत कम मिलता है, इसलिए जरूरी मुद्दों पर बात होनी चाहिए. छोटे-मोटे विषयों पर समय बर्बाद नहीं करना चाहिए. विपक्ष का साथ नहीं देते राघव-सौरभ सौरभ भारद्वाज ने यह भी कहा कि जब विपक्ष बड़े मुद्दों पर विरोध करता है या वॉकआउट करता है, तब राघव चड्ढा साथ नहीं देते. इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के चुनाव और सीईसी के खिलाफ प्रस्ताव जैसे मुद्दों पर भी चड्ढा ने समर्थन नहीं दिया. सौरभ भारद्वाज ने यह भी कहा कि गुजरात में पार्टी कार्यकताओं पर कार्रवाई हुई, लेकिन उस पर भी राघव चड्ढा ने कुछ नहीं कहा. साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि जब अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया था, तब चड्ढा देश से बाहर थे. डरने वाला देश के लिए कैसे लड़ेगा- अनुराग ढांडा पार्टी के एक और नेता अनुराग ढांडा ने भी सोशल मीडिया पर चड्ढा की आलोचना की. उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता निडर होकर सरकार के खिलाफ बोलते हैं, लेकिन अगर कोई डर जाए तो वह देश के लिए कैसे लड़ेगा. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि संसद में समय देश के बड़े मुद्दों के लिए होना चाहिए, न कि समोसे जैसे छोटे मुद्दों के लिए. इस पूरे विवाद से साफ है कि आप के अंदर मतभेद बढ़ते जा रहे हैं. इससे पहले राघव चड्ढा ने कहा था कि उन्हें संसद में बोलने से रोका जा रहा है और उनकी आवाज दबाई जा रही है. उन्होंने कहा था, मुझे चुप कराया गया है, लेकिन मैं हारा नहीं हूं. अब इस बयानबाजी से पार्टी के अंदर की खींचतान खुलकर सामने आ गई है, जिससे राजनीति में हलचल और तेज हो गई है.

रक्सौल में बिजली बिल से जुड़ी समस्या का समाधान 3 दिनों में, इस दिन लोगों से सुनी जाएगी परेशानी

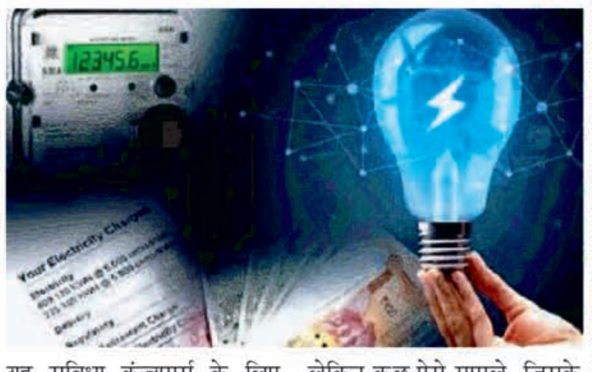

पटना (एजेंसी) रक्सौल जिले में लोगों की बिजली बिल से जुड़ी समस्याएं सिर्फ तीन दिनों में ही निपटा दिए जायेंगे. इसके लिए कैंप लगाया जाएगा, जहां कंज्यूमर अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे. कैंप सुबह के 11 बजे से दोपहर के 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा. बिजली बिल से जुड़ी काफी समस्याएं लोगों को झेलनी पड़ रही है. इस बीच रक्सौल जिले में नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने खास पहल की है. इसके साथ ही कंज्यूमर्स की समस्या के समाधान के लिए कैंप लगाए जाने का फैसला लिया है. कंज्यूमर्स के लिए यह कैंप सुबह के 11 बजे से दोपहर के 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा. हफ्ते में 2 दिन लगाए जायेंगे कैंप जानकारी के मुताबिक, हफ्ते में दो दिन सोमवार और शुक्रवार को कैंप लगाए जायेंगे. इसके बाद तय समय पर कंज्यूमर्स कैंप में पहुंच कर अपनी-अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे. रक्सौल विद्युत प्रमंडल के सभी ऑफिसों में अप्रैल महीने से यह सुविधा कंज्यूमर्स के लिए शुरू की गई है. इस कैंप का उद्देश्य बिजली बिल से जुड़ी गलतियों या फिर शिकायतों को जल्द से जल्द का निपटारा करना है. ये सभी शिकायतें करा सकेंगे दर्ज इलेक्ट्रिकल एग्जीक्यूटिव इंजीनियर की माने तो, कैंप में नया कनेक्शन, बिजली बिल में सुधार, स्मार्ट प्री-पेड मीटर, पीएम सूर्य घर योजना से जुड़े एप्लीकेशन समेत कई अन्य मामलों से जुड़ी शिकायतें कंज्यूमर्स दर्ज करा सकते हैं. खांस बात यह भी है कि सिर्फ 3 दिनों में ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा. लेकिन कुछ ऐसे मामले, जिसके लिए किसी जगह पर जाकर जांच करने की जरुरत होगी, वैसे मामलों में तीन दिन से ज्यादा का समय लग सकता है. लोगों से की गई ये अपील जानकारी के मुताबिक, कैंप से जुड़ी प्रोग्रेस रिपोर्ट मुख्यालय को भेजी जाएगी. ऐसे में स्थानीय लोगों से कैंप में आने और शिकातय दर्ज कराने की अपील की है. इससे कंज्यूमर्स को भी यह फायदा हो सकेगा कि उन्हें बार-बार ऑफिस का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा. साथ ही राजस्व वसूली में भी तेजी आ सकती है.

2029 चुनाव में दिखेगी महिला क्रांति! जदयू नेता का बड़ा दावा, संसद में जल्द आएगा प्रस्ताव

पटना (एजेंसी) बिहार की सियासत में महिला आरक्षण को लेकर हलचल तेज है. जदयू नेता राजीव रंजन प्रसाद ने दावा किया है कि एनडीए सरकार इसे जल्द लागू करने की तैयारी में है, जिसकी झलक 16 अप्रैल को संसद में देखने को मिल सकती है. बिहार की सियासत में महिला सशक्तिकरण को लेकर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है. जनता दल यूनाइटेड (JDU) के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन प्रसाद ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि एनडीए सरकार महिला आरक्षण बिल को लेकर सिर्फ घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे लागू करने की दिशा में तेजी से ठोस कदम उठाए जा रहे हैं. कागज नहीं, जमीन पर दिखेगा असर राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की कार्यशैली केवल कागजी योजनाओं तक सीमित नहीं रहती. सरकार जो भी निर्णय लेती है, उसे प्रभावी तरीके से लागू करना उसकी प्राथमिकता होती है. महिला आरक्षण को लेकर भी यही प्रतिबद्धता दिखाई दे रही है. 16 अप्रैल को संसद में अहम प्रस्ताव उन्होंने जानकारी दी कि संसद के विस्तारित सत्र के दौरान 16 अप्रैल को महिला आरक्षण से जुड़ा प्रस्ताव सदन में पेश किया जाएगा. यह कदम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को कानूनी रूप से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है. सरकार का उद्देश्य प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाना है, ताकि लंबे समय से लंबित इस मुद्दे पर निर्णायक प्रगति हो सके. 2029 लोकसभा चुनाव पर फोकस जदयू नेता ने साफ कहा कि इस पूरी पहल का लक्ष्य 2029 के लोकसभा चुनाव हैं. उनका कहना है कि सरकार चाहती है कि उस समय संसद में महिलाओं की भागीदारी पहले से कहीं अधिक मजबूत और प्रभावी दिखे. उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि 2029 में महिलाओं की संख्या और उनकी भूमिका दोनों ही नई ऊंचाई पर पहुंचे. नीतीश मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की तैयारी राजीव रंजन प्रसाद ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि बिहार में पंचायती राज और अन्य क्षेत्रों में महिलाओं को आरक्षण देकर जो मिसाल कायम की गई, अब उसी मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की दिशा में काम हो रहा है. विपक्ष के सवालों पर ठऊअ का जवाब महिला आरक्षण के लागू होने के समय को लेकर उठ रहे सवालों पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी. उनका कहना है कि एनडीए सरकार वादों को समय पर पूरा करने में विश्वास रखती है और यह पहल भी उसी दिशा में एक बड़ा कदम है.

बिहार में 40 पार जा सकता है पारा, 5 अप्रैल के बाद आंधी-बारिश का अलर्ट

पटना (एजेंसी) बिहार का तापमान अभी कुछ दिनों तक चढ़ा हुआ रह सकता है. मौसम विभाग की माने तो, आज राज्य का पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है. लेकिन 5 अप्रैल के बाद मौसम में बदलाव की भी संभावना जताई गई है. अप्रैल महीने की शुरूआत के साथ ही मौसम में बदलाव देखा जा रहा. मार्च में आंधी-बारिश का दौर जारी रहा, जबकि अप्रैल की शुरूआत से ही भीषण गर्मी का सितम लोगों को झेलना पड़ रहा. सुबह 7 बजे से ही कड़ी धूप खिल जा रही और दोपहर होते-होते लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो रहा. इस बीच मौसम विभाग ने चेतावनी जारी कर दी है. आज बिहार में कैसा रहेगा मौसम? मौसम विभाग की माने तो, आज बिहार का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है. इतना ही नहीं, अगले 48 घंटे तक तपती गर्मी लोगों को झेलनी पड़ सकती है. इस दौरान हीट वेव चलने की भी संभावना जताई गई है. आसमान भी पूरी तरह से साफ रह सकता है. अचानक मौसम में बदलाव को लेकर लोगों से सावधान रहने और लगातार ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करते रहने की अपील की गई है. 5 अप्रैल के बाद मौसम विभाग की चेतावनी मौसम विभाग ने यह भी संभावना जताई है कि 5 अप्रैल के बाद लोगों को राहत मिल सकती है. 5 अप्रैल के बाद एक बार फिर मौसम बदल सकता है. विभाग ने तेज आंधी के साथ बारिश की संभावना जताई है. धीरे-धीरे नया सिस्टम 5 अप्रैल के बाद एक्टिव हो सकता है. मौसम विभाग के मुताबिक, 5 अप्रैल को औरंगाबाद, कैमूर, गया और नवादा जिले में मौसम बदल सकता है. इसके बाद 6 अप्रैल को पूर्वी बिहार को छोड़कर बाकी के सभी जिलों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है. इसके साथ 7 और 8 अप्रैल को पूरे बिहार में यह सिस्टम एक्टिव हो सकता है. इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है. साथ ही ठनका गिरने की भी संभावना है. गुरुवार को कैसा रहा मौसम? गुरुवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया. धूप और तपिश वाली गर्मी ने लोगों को परेशान किया. मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य का अधिकतम तापमान 30ट से 38.4ट डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया. रोहतास के डेहरी, शेखपुरा और कैमूर जिले में तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया. इसके साथ ही गया में 38, अरवल में 37.1, पटना और वाल्मीकिनगर में 37.5 डिग्री सेल्सियस समेत बाकी के जिलों में 30 डिग्री से ज्यादा तापमान दर्ज किया गया.

'भूल भुलैया 2' न सही तो 'भूत बंगला' से सपना सच हो गया'

मैं कभी एक्टिंग में नहीं आना चाहते था, मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत-बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को यूए-16 की रेटिंग के साथ रिलीज की अनुमति मिली है। फिल्म में बंगाली एक्टर जिशु सेनगुप्ता ने भी अहम किरदार निभाया है। अब उन्होंने फिल्म में अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करने को किसी सपने के सच होने जैसा बताया है। बातचीत में जिशु सेनगुप्ता ने कहा, डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करना उनके लिए सपने का सच होने जैसा है, क्योंकि जब वे सीरियस फिल्म बनाते हैं, तब सेट पर गंभीरता का पैमाना अपने आप सेट हो जाता है और जब वे कॉमेडी फिल्म बनाते हैं तो सेट पर कॉमेडी के नए आयाम स्थापित हो जाते हैं। मेरी पहली मुलाकात इनसे सीसीएल में हुई थी, जब मैंने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि समय ज्यादा लग गया, लेकिन उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ सेट पर काम करने के अनुभव पर जिशु सेनगुप्ता ने कहा, 'पहले कुछ दिन अजीब लगता है, मैं नर्वस नहीं था, लेकिन समझ नहीं पा रहा था क्योंकि सेट पर एक के बाद दूसरा शॉट हो रहा था और नहीं पता कि सीन में कोई कमी तो नहीं है। मैंने पूछा तो पता चला कि सब कुछ परफेक्ट है। जब सब कुछ परफेक्ट होता तो डायरेक्टर कुछ नहीं बोलते और जब कमी होती तो वे सामने से आकर बोलते थे। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर सेट पर सबकी सुनते थे। अक्षय सर कुछ बताते तो वो तुरंत मान जाते थे।'

'भूत-बंगला' के लिए 'हां' करने के सवाल पर अभिनेता ने कहा कि भले ही फिल्म में बहुत सारे किरदार हैं, लेकिन हर किरदार का अपना अस्तित्व है और अलग कहानी है। मेरे लिए अच्छा किरदार बहुत मायने रखता है और यही कारण है कि मैंने फिल्म को करने के लिए 'हां' की।

फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत को लेकर अभिनेता का कहना है कि वो कभी भी एक्टिंग में नहीं आना चाहते थे, क्योंकि उनके पिता थिएटर एक्टर थे। उन्होंने कहा, 'मेरी मां नहीं चाहती थी कि मैं फिल्मों में आऊं और न ही मैं आना चाहता था। मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है और खुद का बैंड भी है, लेकिन किस्मत पता नहीं कैसे सिनेमा में ले आई।' अभिनेता ने खुलासा किया कि वे कभी अपनी खुद की फिल्में नहीं देखते हैं।

बातचीत के दौरान वामिका ने इस फिल्म को लेकर अपनी खुशी, 'भूल भुलैया 2' से जुड़ा एक पुराना किस्सा, अक्षय और प्रियदर्शन की आपसी समझ, सेट पर अनुशासन और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

काफी वक्त से कॉमेडी फिल्म करना चाहती थी वामिका कहती हैं, 'मैं काफी समय से कह रही थी कि मुझे ऐसी फिल्म करनी है। मैं 'गरम मसाला', 'भूल भुलैया', 'हलचल' और 'भागम भाग' जैसी फिल्मों को देखकर बड़ी हुई हूं। हमेशा सोचती थी कि काश मैं भी ऐसी एक फिल्म का हिस्सा बनूं। जब पता चला कि प्रियदर्शन सर और अक्षय सर साथ में फिल्म कर रहे हैं तो मेरे लिए यही बात अपने आप में बहुत बड़ी थी।'

'भूल भुलैया 2' करते-करते रह गई थी

वामिका ने बातचीत के दौरान यह भी बताया कि वह पहले भी इस कॉमेडी स्पेस का हिस्सा बनने के करीब पहुंच चुकी थीं। उन्होंने कहा, 'जब 'भूल भुलैया 2' बन रही थी, तब मैंने भी उस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था। मैंने ऑडिशन दिया था, फिल्म करने के काफी करीब भी पहुंच गई थी लेकिन किसी वजह से यह होते-होते रह गया। अब देखो, मैं 'भूत बंगला' कर रही हूं। जो सपना इतने साल का था, वो आखिरकार पूरा हुआ।'

कभी-कभी लगता था, सेट पर दो पुराने दोस्त खड़े हैं

सेट पर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की आपसी समझ कैसी थी पूछा जाने पर वामिका ने कहा, 'इनको देखकर कभी-कभी मुझे लगता था कि दो पुराने दोस्त साथ खड़े हैं, जो एक-दूसरे के साथ मजाक कर रहे हैं। वहीं कभी-कभी ऐसा लगता था जैसे गुरु और शिष्य के बीच कोई अनकही समझ चल रही हो। प्रियदर्शन सर कुछ कहते थे और अक्षय सर तुरंत समझ जाते थे। उनकी यह समझ सेट पर सामने देखना अपने आप में बहुत दिलचस्प था।'

अक्षय समय पर है तो आप देरी नहीं कर सकते अक्षय कुमार के अनुशासन पर बात करते हुए वामिका ने कहा, 'सेट पर समय से पहुंचने का दबाव तो होता था। जब आपको पता हो कि अक्षय सर सेट पर समय से आते हैं, अनुशासित हैं, तो आप आराम से या देर से नहीं पहुंच सकते। लेकिन वह दबाव नकारात्मक नहीं होता। वह आपको प्रोफेशनल बनाता है।'

अक्षय सर के साथ एक्शन फिल्म करूंगी

बातचीत के अंत में वामिका ने यह भी कहा कि 'भूत बंगला' के बाद अब उनकी इच्छा अक्षय कुमार के साथ एक्शन फिल्म करने की भी है। फिल्म 'भूत बंगला' को वामिका गब्बी अपने लिए यादगार मानती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए ये सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। ये बहुत खास अनुभव था। जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद हैं, उसी तरह की फिल्म में काम करना, प्रियदर्शन सर जैसे निर्देशक और अक्षय सर जैसे कलाकार के साथ काम करना यादगार रहा है।

धनुष के साथ काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं संयुक्ता

धनुष के साथ फिल्म 'वाथी' में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री संयुक्ता इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। हालांकि, एक्ट्रेस ने फिर से धनुष के साथ काम करने की संभावनाओं के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्यों धनुष के साथ वो काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं।

बातचीत में जब संयुक्ता से पूछा गया कि वह किस अभिनेता के साथ दोबारा काम करना चाहेंगी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं उन सभी मलयालम अभिनेताओं के साथ काम करना चाहूंगी, जिनके साथ मैंने काम किया है। साथ ही धनुष के साथ भी मैं दोबारा काम करना चाहूंगी। वह शानदार अभिनेता हैं। जब वो कोई स्क्रिप्ट चुनते हैं, तो आप समझ जाते हैं कि वो अच्छी कहानी है। 'वाथी' में धनुष के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनके साथ काम करना बहुत बढ़िया था। मेरा मतलब है मुझे यकीन है कि आपने इसे देखा होगा। उनके साथ एनर्जी लेवल अलग ही होता है। वो कम बोलने वाले, बेहद पढ़ने वाले व्यक्ति हैं। वो अपने काम में मग्न रहते हैं। कैमरे के सामने उनका शांत स्वभाव, पर्दे पर उनकी ताकत को दिखाता है। ऐसा लगता है जैसे वो अपना सारा जोश कैमरे के सामने वाले उस एक पल के लिए बचाकर रखते हैं। जब निर्देशक एक्शन कहते हैं, तो वो अपना पूरा जोर लगा देते हैं। वेंकी अटुलुरी द्वारा निर्देशित पीरियड एक्शन ड्रामा 'वाथी' 2023 में रिलीज हुई थी। यह उस साल की सबसे अधिक कमाई करने वाली तमिल फिल्मों में से एक है।

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म में नजर आएंगे मोहनलाल

मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल और डायरेक्टर प्रियदर्शन एक बार फिर साथ आ रहे हैं। यह प्रियदर्शन के करियर की 100वीं फिल्म होगी। खास बात यह है कि मोहनलाल ने ही प्रियदर्शन की पहली फिल्म में लीड रोल निभाया था और अब वे उनकी 'सेंचुरी' वाली फिल्म का भी हिस्सा बनेंगे। यह फिल्म एक 'म्यूजिकल ड्रामा' होगी, जिसे आशीर्वाद सिनेमाज के बैनर तले बनाया जाएगा। हालांकि इस प्रोजेक्ट का नाम अभी तय नहीं हुआ है। मोहनलाल ने सोशल मीडिया पर एक नोट लिखकर फिल्म पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'कुछ उपलब्धियां किसी एक व्यक्ति की नहीं होतीं। मेरे प्रिय मित्र प्रियन (प्रियदर्शन) अपनी 100वीं फिल्म की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और मेरे पास शब्द नहीं हैं कि यह मेरे लिए क्या मायने रखता है। 100 फिल्में सिर्फ एक नंबर नहीं हैं, बल्कि कहानियों से भरा एक जीवन है। मैं इस सफर का हिस्सा बनकर खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'

एंथोनी पेरुम्बावूर करेंगे प्रोड्यूस

इस फिल्म को मोहनलाल के करीबी और मशहूर प्रोड्यूसर एंथोनी पेरुम्बावूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि बिनू जॉर्ज अलेक्जेंडर को-प्रोड्यूसर होंगे। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है,लेकिन मेकर्स ने साफ किया है कि यह प्रियदर्शन की सिग्नेचर कॉमेडी फिल्मों से अलग एक म्यूजिकल फिल्म होगी। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

भारतीय सिनेमा में बनेगा नया रिकॉर्ड

यह फिल्म भारतीय सिनेमा में एक नया रिकॉर्ड सेट कर सकती है। बहुत कम ऐसा देखा गया है कि जिस अभिनेता ने किसी डायरेक्टर की पहली फिल्म में काम किया हो, वही उसकी 100वीं फिल्म में भी मुख्य भूमिका निभाए। मोहनलाल और प्रियदर्शन की जोड़ी ने पिछले चार दशकों में 'बोइंग बोइंग', 'चित्रम', 'कालापानी' और 'ओप्पम' जैसी कई क्लासिक फिल्में दी हैं।

पुराने दोस्त हैं प्रियदर्शन और मोहनलाल

प्रियदर्शन ने अपने करियर की शुरुआत 1980 के दशक में की थी। उन्होंने न केवल मलयालम बल्कि बॉलीवुड में भी 'हेरा फेरी', 'भूल भुलैया' और 'हंगामा' जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं। मोहनलाल के साथ उनकी जोड़ी को मलयालम इंडस्ट्री की सबसे सफल जोड़ी माना जाता है। उनकी पिछली बड़ी फिल्म 'मरक्कर: लॉयन ऑफ द अरेबियन सी' थी, जिसने नेशनल अवॉर्ड जीता था।

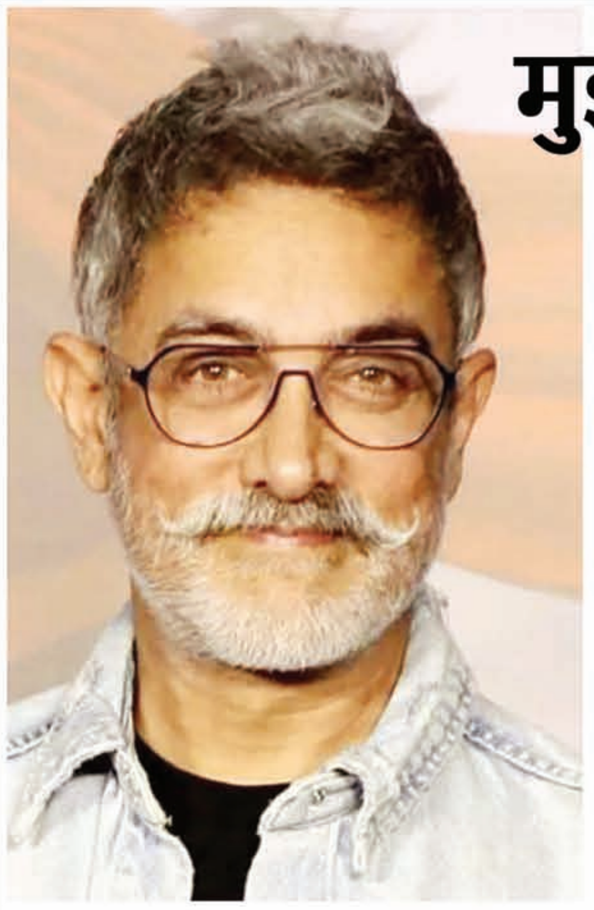

मुझे स्टोरी और लोगों की भावनाएं उत्साहित करती हैं

आमिर खान ने फिल्मों में ना सिर्फ अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया बल्कि जब उन्होंने बेहतरीन फिल्में बनाई, तो कहा जाने लगा कि आमिर हर काम बड़े तरीके से करते हैं। यहीं से उन्हें मिस्टर परफेक्शनिस्ट का टैग भी मिला। लेकिन आमिर कहते हैं कि उनके लिए सफलता का पैमाना बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कितने करोड़ कमाए, इससे तय नहीं होता। हाल ही में इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली) में आए आमिर खान ने कहा, 'मेरे लिए पैसों की अहमियत उतनी ही रही है, जितना मैं उसको इस्तेमाल कर सकता हूं। आमिर खान कहते हैं कि मुझे उत्साह पैसों से नहीं बल्कि कहीं और से मिलता है। वह कहते हैं, 'मेरे पिता फिल्ममेकर थे, तो अक्सर लोग सोचते हैं कि एक फिल्ममेकर का बेटा है तो पैसे वाले परिवार से है। लेकिन हमारे लिए वो समय आर्थिक तौर पर बहुत मुश्किल वक्त था। मेरे पिता फिल्ममेकर बहुत अच्छे थे, लेकिन वो बिजनेसमैन अच्छे नहीं थे। इसलिए ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि मैं पैसे वाली फैमिली से हूं तो मेरे लिए पैसों की वैल्यू नहीं है। मुझे स्टोरी उत्साहित करती हैं, मुझे लोगों को हंसाना, अपने काम से उनकी आंखों में खुशी के आंसू देखना, उनके दिल का छूना एक्साइट करता है।'

'मैंने शेड्यूल बनाकर बचपन नहीं जीया'

आजकल के बच्चे पढ़ाई, ट्यूशन, टेनिस क्लास, म्यूजिक क्लास में ही पूरा दिन निकाल देते हैं। उनका पूरा दिन का शेड्यूल पहले से ही पैक रहता है। आमिर कहते हैं, 'मेरा क्रिकेट या फुटबॉल क्लास का कोई शेड्यूल नहीं था। मैं क्रिकेट खेलता था, मैं फुटबॉल खेलता था, उनकी क्लास नहीं लेता था। मेरी मां ने भी कभी भी मेरे लिए ऐसा करने के लिए कोई शेड्यूल नहीं बनाया था। लेकिन आज ये शेड्यूल का हिस्सा बन गया है। हमें एक तो पहले से ही पढ़ाई से तकलीफ होती थी। स्कूल से एक बजे घर आते थे, मुझे टेनिस में रुचि थी, तो मैं टेनिस खेलता था, लेकिन जैसे ही मैं फ्री हो गया और मैं टेनिस के लिए नहीं गया हूं तो मैं बिल्डिंग के नीचे जाता था, और बोलता था स्वीटी, केवल, विकी, दरअसल मैं अपने दोस्तों का नाम लेता था, और वो भी मुझे मेरे नाम से बुलाते थे (हंसते हुए) उस समय शेड्यूल फॉलो नहीं करते थे, हम एक साथ जुटते थे और खेलने लग जाते थे।'

'नॉलेज ऑनलाइन मिल रही है तो उसे क्लास में क्यों पढ़ाएं'

आमिर को लगता है कि आज की शिक्षा प्रणाली को बदलने की जरूरत है। वह कहते हैं, 'मुझे सच में लगता है कि शिक्षा के क्षेत्र में सचमुच एक बदलाव की जरूरत है। जब आप घर बैठे ही जान सकते हैं कि कितने ग्रह हैं, हमारा सौरमंडल कैसा है, राजा शिवाजी के समय क्या हुआ था, उस समय लीडर कैसे थे, ये सब चीजें हमें स्कूल में पढ़ाई जाती है। मुझे नहीं पता कि आज ये जमाने में ये कितना उपयुक्त है। आज जो नॉलेज है वो मेरी उंगलियों पर है। मुझे जानना है कि किसी व्यक्ति का जन्म कब हुआ था, तो मैं वह तुरंत देख सकता हूं। मुझे अपने दिमाग में वो नॉलेज जमा ही क्यों करनी है, जब उसकी अभी जरूरत ही नहीं है। एक जमाने में जरूरत थी, तो स्कूल में नॉलेज मिलती थी। नॉलेज तो अब फ्री हो गई है, लेकिन उस नॉलेज का प्रयोग कैसे करना है, इसकी ट्रेनिंग हम नहीं दे रहे हैं। हम स्कूल में बच्चों को चीजों को समझना नहीं सिखा रहे हैं, कैसे लोगों का ध्यान रखें और कैसे अच्छा इंसान बने ये सिखाने की जरूरत है।

आज डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी

आमिर का कहना है कि आज के दौर में डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। वह कहते हैं, 'आजकल तो हर आदमी ज्यादातर समय फोन पर ही रहता है। हम डे ड्रीमिंग की कला को खोते जा रहे हैं। जब भी हम फ्री होते हैं, हमारा फोन हमारे हाथ में आ जाता है और हम अलग-अलग एप्स पर कुछ शॉर्ट्स देखने लगते हैं। वो बहुत मजेदार भी होते हैं लेकिन वो आपके दिमाग और समय को ऑब्जर्व कर रहे होते हैं। एक वक्त था जब फोन नहीं था, तो जब हम गाड़ी में बैठे होते थे और सिर्फ सोच रहे होते थे। बाहर जिंदगी को गुजरते हुए देख रहे होते थे। ये थी डे ड्रीमिंग। मुझे लगता है कि डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। यह आपके दिमाग को कई चीजों को एक्सप्लोर करने और उन्हें गहराई से समझने का मौका देता है। आज हमारे पास खुद के बारे में या किसी भी चीज के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं है। हमारे चारों तरफ बस डेटा घूम रहा है।'

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला मुम्बई से

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का मुकाबला पांच बार की विजेता हार्दिक पांड्या की मुम्बई इंडियंस से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। मैच दोपहर 3-30 बजे शुरू होगा। इस मैच में दिल्ली को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर इसके बाद भी उसकी दावेदारी कमजोर नजर आती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 37 मुकाबले हुए है जिसमें से मुम्बई ने 21 जबकि दिल्ली ने 16 जीते हैं। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुकाबला काफी कड़ा है, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स को थोड़ी बढ़त हासिल है, क्योंकि उसने 13 में से 7 मैच जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सत्र में दो मुकाबले हुए थे जो कि दोनों ही मुंबई इंडियंस ने जीतकर अपने नाम किए। इनके बीच हुए अंतिम मुकाबले की तो वो मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुआ था जिसमें मुम्बई ने जीत दर्ज की।

दिल्ली की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल हैं। ऐसे में यहां अधिक स्कोर वाला मैच होने की संभावना है। छोटी बाउंड्री से भी रन अधिक बनने की संभावना है। यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम अधिक लाफ में रहती है1 इस मैच में दिल्ली की बल्लेबाजी केएल राहुल के अलावा अक्षर पटेल और डेविड मिलर पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार के पास रहेगी। वहीं मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा के अलावा रयान रिकेलटन तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, नीतीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, विपराज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार

मुम्बई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, मयंक मारकंडे, एएम गजनफर, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह

प्रधानमंत्री ने संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरुरत थी तब वह अच्छा प्रदर्शन कर भरोसे पर खरे उतरे। प्रधानमंत्री ने केरल दौरे से पहले सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा कि सैमसन का दबाव में भी शांत रहना सबसे बड़ी खूबी है। उनका आत्मविश्वास और जोश बड़े मुकाबलों के दौरान अपने शीर्ष स्तर पर था। यही एक एक सच्चे खिलाड़ी के सबसे विशेष गुण हैं। ऐसा खिलाड़ी उस समय और अच्छा प्रदर्शन करता है जब टीम को उसकी अधिक जरुरत रहती है।

प्रधानमंत्री ने सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा, आजकल आईपीएल चल रहा है। लोगों के लिए संजू के प्रदर्शन से सीखने लायक बहुत कुछ है। जैसा कि हमने सैमसन के प्रदर्शन में देखा है। विश्व कप में जैसे-जैसे टूर्नामेंट में मुश्किल हालात आए, नॉकआउट चरण आया, उनका प्रदर्शन अचानक से अपने बेहतरीन स्तर पर पहुंच गया। शुरू से अंत तक, उनका ध्यान, उनका आत्मविश्वास और उनका जोश लगातार बढ़ता गया। यही एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सैमसन ने विश्वकप की 5 पारियों में 80.25 की औसत और 199.37 के स्ट्राइक रेट से कुल 321 रन बनाए। उन्होंने 27 चौके और 24 छक्के लगाए और टी20 विश्व कप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। सैमसनअपने पहले दो मैचों में कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाए थे पर इसके बाद भी वह निराश नहीं हुए , ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 के अहम मैच में उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़ी जीत दिलायी।

अंगक्रिश, उनादकट ऑरेंज व पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले उसके बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी ऑरेंज कैप की रैस में अब सबसे आगे हो गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाज जयदेव उनादकट नंबर एक पर पहुंच गये हैं। 19वें सत्र में लगातार दो अर्धशतक लगाने वाले केकेआर के रघुवंशी ने अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं। वहीं सनराइजर्स के कप्तान ईशान किशन एक बार फिर दूसरे स्थान पर रहे। पर्पल कैप की बात करें तो सनराइजर्स के जयदेव उनादकट नंबर एक पर हैं।

अंगक्रिश ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में 51 रनों की पारी खेलने के बाद दूसरे मैच में सराइजर्स के खिलाफ 52 रन बनाए। अब उनके नाम 2 मैचों में सबसे अधिक 103 रन हो गए हैं, जो उन्होंने 51.50 की औसत और 177.59 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। वहीं ईशान किशन अपने दूसरे मैच में 14 रन ही बना पाए, जिस कारण से वह सूची में दूसरे स्थान पर आ गये हैं। वहीं हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन ने अर्धशतक लगाकर शीर्ष 5 में स्थान बनाया। अब वह रोहित शर्मा और रायन रिकल्टेन के ऊपर तीसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के तेज गेंदबाज उनादकट ने केकेआर के खिलाफ 3 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की है। उनके नाम अब आईपीएल 2026 में कुल 4 विकेट हो गई है। वहीं कोलकाता के ब्लेसिंग मुजाराबानी के भी 4 विकेट हैं पर बेहतर इकॉनमी रेट के चलते उनादकट नंबर-1 पर हैं। पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष-5 गेंदबाजों में आरसीबी के जैकब डफी, दिल्ली कैपिटल्स के टी नटराजन और गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार शाम को गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेंगी। गुजरात की कप्तानी जहां शुभमन गिल के पास है। वहीं रॉयल्स की कमान युवा रियान पराग संभालेंगे। इस सत्र में गुजरान की टीम को जहां अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं रॉयल्स ने अपना पहले ही मैच जीता था। ऐसे में जहां गुजरात सत्र की पहले जीत दर्ज करने उतरेगी। वहीं राजस्थान अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सीजन दो मुकाबले हुए थे जिसमें से एक गुजरात ने जबकि एक राजस्थान ने जीता था। इनके बीच अंतिम मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया था जिसमें राजस्थान रॉयल्स की टीम ने जीत हासिल की थी।

वहीं यहां के मैदान की बात करें तो इसपर बड़े स्कोर बनते हैं और पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम लाभ में रहती है। यहां पिछले पांच में से तीन मुकाबले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों ने अबतक कुल 8 मैच खेले हैं। जिसमें से गुजरात टाइटंस ने 6 जबकि राजस्थान ने 2 मैच जीते हैं।

गुजरात टाइटंस की बात करें तो टीम की बल्लेबजा कप्तान शुभमन के अलावा साईं सुदर्शन, जोस बटलर राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खान, कगिसो रबाडा के पास रहेगी। टीम के पास वाशिंग्टन सुंदर जैसा ऑलराउंडर भी है। वहीं अगर राजस्थान रॉयल्स टीम की बात करें तो उसके पास कप्तान रियान के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के पास रहेगी। वैभव ने पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी की थी और ये सिलसिला वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जोफ्रा आर्चर संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

राजस्थान रॉयल्स : रयान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, बृजेश शर्मा।

अभिषेक आईपीएल मे 100 छक्के लगाने वाले सनराइजर्स के दूसरे खिलाड़ी बने

कोलकाता ।सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में अपनी पारी के दौरान चार छक्के लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है।अब अभिषेक आईपीएल में 100 से अधिक छक्के लगाने वाले सनराइजर्स के दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं।वहीं पहले नंबर पर डेविड वार्नर हैं।अभिषेके के नाम अब 101 छक्के हैं जबकि वार्नर ने अब तक 143 छक्के लगाये हैं।अभिषेक ने पारी की शुरुआत करते हुए 21 गेंदों पर 48 रन बनाए जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे।इसके साथ ही उन्होंने हैदराबाद की से अपना 100 छक्का लगाया। ब्लेसिंग मुजारबानी की गेंद पर वरुण चक्रवर्ती ने उनका कैच पकड़ा।

रहाणे ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद अपने आलोचकों पर जमकर निशाना साधा है। रहाणे के अनुसार उनके खिलाफ अभियान चल रहा है और एक प्रकार का भ्रम फैलाया जा रहा है। रहाणे ने ये बात तब कही जब कम स्ट्राइक रेट को लेकर बीच पत्रकार वार्ता में उनसे सवाल किया गया।केकेआर को हैदराबाद के हाथों आईपीएल 2026 में लगातार दूसरी बार हार मिली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 226 रन बनाए जिसके सामने केकेआर की पूरी टीम 161 रनों पर ही सिमट गयी। रहाणे ने कहा, साल 2020 से अब तक का मेरा सबसे स्ट्राइक-रेट काफी अच्छा रहा है। मुझे लगता है कि जो लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं, वे शायद मेरा खेल नहीं देख रहे हैं। उन्हें मेरा खेलना पसंद नहीं है, वे मुझे खेलते हुए देखना पसंद नहीं करते। मुझे जितनी सफलता मिली है, मुझे लगता है कि वे मुझसे जलते हैं पर मैं इससे ज्यादा परेशान नहीं हूं।साथ ही कहा कि कभी-कभी एक बल्लेबाज के तौर पर आपको लय नहीं मिलती पर मैं एक अलग तरह की पारी खेलना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, उनके विरोधियों को उम्मीद नहीं थी कि रहाणे इतना बेहतर खेलेगा।इसलिए मुझे खुशी है कि वे मेरे बारे में बात कर रहे हैं, नेगेटिव या पॉजिटिव - जो भी हो, मैं सच में खुश हूं कि वे बात कर रहे हैं।

मैं आईपीएल चेयरमैन होता तो संजीव गोयनका पर प्रतिबंध लगा देता : ललित मोदी

लंदन ।आईपीएल के संस्थापक रहे ललित मोदी ने कहा है कि जिस प्रकार लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत से व्यवहार किया है।ऐसे में अगर वह आईपीएल चेयरमैन होते तो गोयनका पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही उनसे टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते।ललित मोदी ने ये बात दिल्ली कैपिटल्स से पहला ही मैच हारने के बाद गोयनका के कप्तान ऋषभ पंत और सहयोगी स्टाफ से मैदान में ही हो रही बातों को देखकर कही है।प्रशंसकों को इसी के साथ ही आईपीएल 2024 याद आ गया जब गोयना इसी प्रकार से केएल राहुल पर भड़क गये थे। इसके बाद राहुल ने सुपर जाएंट्स टीम छोड़ दी थी। अब ऋषभ के साथ वही व्यवहार हुआ है।जिससे प्रशंसक नाराज हैं।ऐसे में मोदी ने गोयनका को आईपीएल से प्रतिबंबधिक करने के साथ ही मालिकाना अधिकार वापस लेने की मांग की है। वहीं इस मामले की आलोचना इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इस भी की है।उन्होंने कहा, 'टूर्नामेंट में इस प्रकार की बातों के लिए जगह नहीं है।' वॉन के इस पोस्ट पर मोदी ने लिखा कि अगर वह अभी भी आईपीएल कमिश्नर होते तो वह संजीव गोयनका को प्रतिबंधित करने के साथ ही टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैंने तुमसे कहा था कि संजीव जो लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक है उनके व्यवहार से मुझे शर्म आ रही है। मैंने आईपीएल प्रशंसककों और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था।ऐसा हर साल हर बार नहीं होना चाहिए। साथ ही कहा कि आईपीएल नियमों में इसका नियम भी है जिससे बीसीसीआई को लागू करना चाहिये।'वहीं दूसरी ओर इस मामले को बढ़ता देख लखनऊ सुपर जाएंट्स ने इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है।वीडियो में बहसबाजी जैसी बात नहीं दिख रही है।संजीव, ऋषभ और सहायोगी स्टाफ के साथ हंसते हुए बातें करते हैं। फैंचाइजी ने इसका एक वीडियो भी जारी किया है।'

अभिषेक शर्मा ने मैच के दौरान किया अश्लील शब्दों का इस्तेमाल, एक डिमेरिट पॉइंट सहित लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) के खिलाफ मैच के बाद इंडियन प्रीमियर लीग द्वारा पुष्टि की गई एक कार्रवाई के तहत एक डिमेरिट पॉइंट और मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

अभिषेक इस मैच में शानदार फॉर्म में लौटे और उन्होंने 21 गेंदों में 48 रन बनाए जिसमें 4 छक्के और 4 चौके शामिल थे। जहां मैच में उनके प्रदर्शन ने फैंस को रोमांचित कर दिया। वहीं उनके व्यवहार ने अधिकारियों को निराश कर दिया। IPL के आधिकारिक बयान में उस घटना का ठीक-ठीक जिक्र नहीं किया गया था, लेकिन इसमें बताया गया कि इस ओपनिंग बल्लेबाज ने आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल 1 का अपराध स्वीकार किया है, जो मैच के दौरान जोर से अश्लील शब्दों का इस्तेमाल करने से संबंधित है।

अपने आधिकारिक बयान में IPL ने कहा, 'सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा पर गुरुवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान IPL की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। उन्होंने आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल 1 का अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी की कार्रवाई को मान लिया। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के मामलों में, मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।'

इस कार्रवाई का मतलब है कि शर्मा अपनी मैच की कमाई का एक चौथाई हिस्सा गंवा देंगे और अब उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जुड़ गया है। हालांकि IPL के अनुशासनात्मक ढांचे के भीतर लेवल 1 के अपराध सबसे कम गंभीर माने जाते हैं, लेकिन बार-बार उल्लंघन करने पर कड़ी सजा मिल सकती है, जिसमें निलंबन भी शामिल है।

KKR vs SRH मैच

हेनरिच क्लासेन (52) के जुझारू अर्धशतक और नीतिश कुमार रेड्डी (दो विकेट और 39 रन) के हरफनमौला खेल के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराकर मौजूदा सत्र में जीत का खाता खोला। सनराइजर्स ने 8 विकेट पर 226 रन बनाने के बाद जयदेव उनादकट (21 रन पर तीन विकेट), इशान मलिंगा (14 रन पर दो विकेट) और 'प्लेयर ऑफ द मैच' रेड्डी (17 रन पर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से केकेआर की पारी को 16 ओवर में 161 रन पर समेट दिया।

आईपीएल में टीमों को बढ़ाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई : अरुण धूमल

-टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही लगातार छाया हुआ है। यहां तक कि आज आईपीएल दुनिया में सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है। इसके मैचों का प्रसारण दूनिया भर में होता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सबसे अधिक कमाई आईपीएल से ही होती है। ऐसे में बोर्ड अब इसमें टीमें बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल के अनुसार बोर्ड टीमों की संख्या बढ़ाने का कोई भी फैसला, टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता करते हुए नहीं लेगा। धूमल ने कहा, टीम बढ़ाने का फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि इसके लिए कितना समय मिलता है। निवेशकों की इसमें कितनी रुचि है क्योंकि आईपीएल में निवेश पर असाधारण रिटर्न मिल रहा है। मैचों की संख्या बढ़ाने के पहले कई बातों का ध्यान रखना होता है। साथ ही कहा कि अगर इस लीग को नियमित रूप से आयोजित किया जाना है, तो नई व्यवस्था होगी। आईसीसी कार्यक्रम में कम द्विपक्षीय मैच रखने होंगे। तभी लीग क्रिकेट बढ़ सकता है। साथ ही कहा कि जब बोर्ड ने प्रसारण अधिककार 48,390 करोड़ रुपए में बेचे थे, तो योजना यह थी कि धीरे-धीरे मैचों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अनुसार साल 2023 और 2024 में 74 मैच, 2025 और 2026 में 84 मैच, और अंत में साल 2027 तक 94 मैच खेले जाने थे पर ये योजना अभी रुकी हुई है। साल 2026 में भी 74 मैच ही खेले जाएंगे। इसके पीछे को कारण आईसीसी का मौजूदा भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) है, जो अप्रैल 2027 तक चलेगा, इससे मैचों के बीच बहुत कम खाली समय मिलता है। धूमल ने आईपीएल के विस्तार को लेकर कहा, लीग को 74 से 94 मैचों तक ले जाने के लिए हमें एक बड़ी विंडो की जरूरत है। ज़्यादातर अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर पहले से ही बुक है। मार्च के बीच से मई के आखिर तक का समय ही हमारे पास सीमित उपलब्ध है। वहीं जून में बारिश शुरु हो जाती है। तब र्नामेंट को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। अगर हम मौजूदा विंडो में ही 74 से 94 मैच करवाने की कोशिश करेंगे तो हमें अधिक डबल-हेडर करवाने पड़ेंगे। जो कि प्रसारण कर्ता के लिए फायदे का सौदा नहीं होते। हमें सभी के हितों का ध्यान रखना होता है। इसीलिए हमने अब तक 74 मैच ही रखें हैं।

एक दशक बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सिडनी ।ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम इसी साल सितंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी।इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी।ऑस्ट्रेलियाई टीम एक दशक के बाद जिम्बाब्वे जा रही है।इससे पहले वह साल 2014 में जिम्बाब्वे गयी थी। सीरीज 15 सितंबर को शुरू होगी, जबकि दूसरा और तीसरा मैच 18 और 20 सितंबर को खेला जाएगा।ये सभी मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे।वहीं इस दौरे को लेकर जिम्बाब्वे बोर्ड उत्साहित हैं।उसका मानना है कि इससे टीम को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 की तैयारी का अवसर मिलेगा।टी20 विश्कप के मेजबानों में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ जिम्बाब्वे, भी शामिल है।जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर गिवमोर माकोनी ने कहा कि यह दौरा टीम के लिए एक अहम मोड़ पर आया है।उन्होंने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है।यह एक बेहद रोमांचक एकदिवसीय सीरीज होने की उम्मीद है। शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ मैच से ही हमारी टीम आगे बढ़ेगी।ये टीम के विकास के लिए भी बहुत जरूरी हैं।पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 नजदीक आ रहा है, ऐसे में यह दौरा हमें अपनी तैयारियों को मजबूत करने का एक अच्छा अवसर देता है।हम दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेज़बानी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।उन्होंने आगे कहा, यह हमारे प्रशंसकों के लिए भी एक अच्छा अवसर है कि वे अपने घर पर ही विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आनंद उठा सकें।हमें उम्मीद है कि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हमें अपने प्रशंसकों का जोरदार समर्थन मिलेगा।हाल के दिनों में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को कई बार टक्कर दी है।इसी साल फरवरी में हुए टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम को 23 रनों से हराया था।इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की 50 ओवरों की टीम को भी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था।सितंबर 2022 में टाउन्सविले में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया तीन विकेट से हार गयी थी।ऑस्ट्रेलिया के जिम्बाब्वे दौरे पर सभी मुकाबले हरारे में खेले जाएंगे।पहला एकदिवसीय 15 सितंबर, दूसरा 18 सितंबर और तीसरा 20 सितंबर को खेला जाएगा।

टाइगर वुड्स ने राइडर कप से नाम वापस लेने के साथ ही खेल से ब्रेक लिया, इलाज के लिए विदेश जाएंगे

न्यूयार्क ।विश्व के नंबर एक दिग्गज रहे गोल्फर टाइगर वुड्स फिट नहीं होने के कारण राइडर कप गोल्फ टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे।वुड्स ने खराब सेहत का हवाला देते हुए खेल से ब्रेक लेने की भी घोषणा कर दी है।वुड्स ने कहा है कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं।वह पिछले कुछ समय से गोल्फ से जुड़ी गतिविधियों से दूर थे पर गुरुवार को उन्होंने औपचारिक रूप से राइडर कप की कप्तानी ठुकरा दी साथ ही कहा कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। उन्हें अदालतन ने इलाज के लिए देश से बाहर जाने की अनुमति भी दे दी है।वुड्स को पिछले सप्ताह नशे में गाड़ी चलाने के संदेह के कारण गिरफ्तार किया गया था हालांकि कुछ घंटे बाद ही उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था।इसी कारण उन्हें विदेश जाने से पहले अदालत से अनुमति लेनी पड़ी हैं।वुड्स ने एक बयान जारी कर कहा कि वह 'इलाज कराने और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए' अनिश्चित काल के लिए खेल से दूर जा रहे हैं।उनके वकील डगलस डंकन ने दायर एक याचिका में न्यायाधीश से वुड्स को उपचार के लिए विदेश जाने की अनुमति देने का अनुरोध किया था।उन्होंने कहा कि वुड्स को इलाज के लिए विदेश इसलिए जाना पड़ रहा है क्योंकि अमेरिका में उनके लिए अपनी निजता बनाये रखना संभव नहीं है।

पीटरसन बोले, इस बार मुंबई इंडियंस सहित ये चार टीमें पहुंच सकती हैं प्लेऑफ में

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान क्रिकेटर केविन पीटरसन ने कहा है कि इस बार मुंबई इंडियंस , दिल्ली कैपिटल्स , राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंच सकती हैं। पीटरसन पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर रहे हैं। उनका मानना है कि है ये सब टीमों के खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा। पीटरसन ने सोशल मीडिया में लिखा, इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें इन चारों ही टीमों के प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल संभावना है। हैरान की बात है कि पीटरसन ने इस सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को शामिल नहीं किया है जबकी आरसीबी गत सत्र की विजेता रही है। आरसीबी ने इस सत्र में भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदारजीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। पीटरसन के अनुसार आरसीबी के मिडिल क्रम का फॉर्म और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के फिट नहीं होने के कारण वह उसे इस बार दावेदार नहीं मानते हैं। उन्होंने सोशल मीडिय में लिखा, आरसीबी को लेकर मेरी चिंता उनके मध्य के ओवर और सिमर्स हैं और हेजलवुड की फिटनेस भी इसमें अहम है क्योंकि अंत में गेंदबाज ही जीत दिलाते हैं। वहीं पीटरसन ने कहा कि इस बार जिस प्रकार से 200 से ज्यादा के लक्ष्य को भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। उससे साफ है कि इस सत्र में कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं है। उनके अनुसार टॉस बहुत ज्यादा अहम हो गया है। उन्होंने साथ ही कहा, इस सत्र की सबसे अजीब बात यह है कि बल्लेबाजों को यह नहीं पता कि पहली पारी में जीत के लिए उन्हें कितने रन बनाने होंगे। इसस खिलाड़ी के अनुसार 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स , तीन बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और 2016 की टाइटल विजेता सनराइजर्स हैदराबाद को बदलावों के साथ ही असाधारण खेल दिखाना होगा।

सीमा हैदर ने अपने 6वें बच्चे का नाम भारत रखा... महिलाओं के साथ किया कुंआ पूजन

नोएडा (एजेंसी)। पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर ने अपने बेटे का नाम 'भारत' रख दिया है। गुरुवार को रबूपुरा स्थित घर पर बेटे का नामकरण हुआ। नामकरण संस्कार के पहले सीमा ने कुंआ पूजन किया। डीजे की धुन पर नाचती-गाती मोहल्ले की महिलाएं पूजन करने निकली। घर पर भी संगीत समारोह का आयोजन हुआ। इसके पहले रात में माता के जागरण का आयोजन किया गया था। सीमा ने कहा कि हिंदू धर्म बहुत खूबसूरत है। वे बहुत खुश हैं। उन्हें हिंदू होने पर गर्व है। सीमा हैदर ने कहा कि मैं क्रिकेट मैच में भारत को सपोर्ट करती हूं। भारत जब मैच जीतता है, तब मुझे खुशी होती है। मैच के दौरान भगवान से प्रार्थना करती हूं कि भारत की ही जीत हो। भारत के लोग बहुत ही अच्छे हैं। वापस पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। हर समाज के लोग रबूपुरा में रहते हैं। मुझे प्यार करते हैं, सम्मान देते हैं। मुझे अपनी बहू मानते हैं। दरअसल, सीमा हैदर के छठवें बच्चे का नामकरण संस्कार हुआ। उन्होंने 18 फरवरी 2026 को नोएडा के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। इससे पहले एक बेटी को भी जन्म दिया था। उसका नाम मीरा रखा था। सीमा के पाकिस्तानी पूर्व पति से चार बच्चे है। जबकि भारतीय पति सचिन मीणा से 2 बच्चे हैं। सीमा, पाकिस्तान छोड़कर चार साल पहले अपने प्रेमी सचिन के पास आ गई थी। यहां आकर उसने उससे शादी कर ली।

पटना में पीएमसीएच के पैथोलॉजी विभाग में भीषण आग... लाखों का सामना खाक

पटना (एजेंसी)। पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) के पैथोलॉजी विभाग में भीषण आग लगने से पूरे अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। आग तेजी से फैलती हुई विभाग के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले गई, जिससे मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल कर्मियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखकर सभी को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे किसी बड़े जानमाल के नुकसान से बचाव हो सका। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 5-6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। खबर लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था, हालांकि दमकलकर्मी लगातार आग पर नियंत्रण पाने में जुटे रहे। एहतियात के तौर पर अस्पताल परिसर को खाली करा लिया गया और प्रशासन व पुलिस की टीमें मौके पर तैनात रहीं। इस हादसे में पैथोलॉजी विभाग के लाखों रुपये के उपकरण, मशीनें और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, जिसकी पुष्टि अग्निशमन अधिकारी अजीत कुमार ने की है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है। प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आगे की जांच जारी है।

भारत में एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग ऐप्स का बढ़ता चलन, 40 लाख यूज़र्स के आंकड़े ने चौंकाया

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत, जहाँ शादी को पारंपरिक रूप से एक पवित्र संस्था माना जाता रहा है, वहाँ अब रिश्तों की दुनिया में खामोश लेकिन बड़ा बदलाव दिख रहा है। एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग एप के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, देश में इसके यूजर्स की संख्या 40 लाख के पार पहुँच गई है। यह आँकड़ा शादी और वफादारी के प्रति बदलते सामाजिक दृष्टिकोण की ओर भी इशारा करता है। आंकड़ों के मुताबिक, बेंगलुरु 18 प्रतिशत यूजर्स के साथ सूची में सबसे आगे है। इसके बाद हैदराबाद (17 प्रतिशत), दिल्ली (11 प्रतिशत), मुंबई (9 प्रतिशत) और पुणे (7 प्रतिशत) का स्थान है। खास बात यह है कि अब यह चलन केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लखनऊ, सूरत, पटना और गुवाहाटी जैसे शहरों में भी तेजी से फैल रहा है। वर्ष 2024 में किए गए सर्वेक्षण में 25 से 50 वर्ष आयु वर्ग के 1,503 शादीशुदा लोगों को शामिल किया गया। इसके नतीजे बताते हैं कि 60 प्रतिशत से अधिक लोग गैर-पारंपरिक रिश्तों जैसे ओपन रिलेशनशिप को लेकर पहले से अधिक खुले हो गए हैं। यह संकेत देता है कि पारंपरिक वैवाहिक ढांचे को लेकर सोच में धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। जून 2025 के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु का कांचीपुरम जैसे शहर भी एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर्स के प्रमुख केंद्रों में उभर रहे हैं। यूजर के हिसाब से 65 प्रतिशत पुरुष और 35 प्रतिशत महिलाएँ इन प्लेटफार्म्स का इस्तेमाल कर रही हैं। हालांकि, महिलाओं की भागीदारी में पिछले दो वर्षों में 148 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। औसतन, यूज़र्स रोजाना 1 से 1.5 घंटे इन एप पर बिताते हैं, जिसमें दोपहर 12 से 3 बजे और रात 10 बजे से आधी रात तक सबसे अधिक सक्रियता देखी जाती है।

कांग्रेस से हटकर वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पश्चिम एशिया संकट से निपटने के लिए मोदी सरकार की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पश्चिम एशिया में हाल के संकट पर एनडीए सरकार की नीति की सराहना कर परिपक्व और कुशल कूटनीति बता दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देकर स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय एकता जरुरी है। कांग्रेस नेता शर्मा ने लिखा कि भारत की प्रतिक्रिया ने संभावित जोखिमों से बचाव किया और इस राष्ट्रीय सहमति एवं दृढ़ संकल्प पर आधारित होना चाहिए। मोदी सरकार ने इस अनिश्चित और अस्थिर परिस्थिति में राजनीतिक दलों को नीतिगत निर्णयों से अवगत कराने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। शर्मा ने कहा कि यह राष्ट्रीय संवाद जारी रहना चाहिए और संकट के समाधान में परिपक्व प्रतिक्रिया समय की मांग करती है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण रुपये का अवमूल्यन हो सकता है, और इस गिरावट को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। कांग्रेस नेता शर्मा ने कहा कि युद्ध ने ऊर्जा, आर्थिक और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता और रुपये तथा अन्य मुद्राओं के अवमूल्यन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संकट की गंभीरता को पूरी तरह समझना होगा और नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यवस्था और वैश्विक संकट प्रबंधन तंत्र के पतन पर विश्व मूकदर्शक नहीं बन सकता।

डीएमके के गढ़ में चुनौती देकर खुद को राज्य की राजनीति में मुख्य प्रतिद्वंद्वी बना रहे थलापति

बीते कई सालों से चेन्नई की 16 सीटें डीएमके की गढ़ रही

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में एक नया तूफान उठ खड़ा हुआ है। सुपरस्टार थलापति विजय ने फरवरी 2024 में अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) लांच की और विधानसभा चुनावों में चेन्नई को अपने अभियान का केंद्र बनाया है। चेन्नई का हर जिला लंबे समय से डीएमके का गढ़ रहा है, और यहाँ की 16 सीटें सत्ताधारी दल के कब्जे में रही हैं। विजय ने अपनी राजनीतिक रणनीति में दो सीटों से चुनाव लड़ने का फैसला किया है, तिरुचिरापल्ली (पूर्व) और पेरम्बूर। जहां तिरुचिरापल्ली उनके लिए सुरक्षित विकल्प है, वहीं पेरम्बूर सीट का महत्व इसलिए है क्योंकि यह मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के कोलाथुर क्षेत्र से करीब है। पेरम्बूर से चुनाव लड़कर विजय सीधे डीएमके के मुखिया के सामने चुनौती पेश कर रहे हैं और खुद को उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में बता रहे हैं।

विजय की रणनीति केवल व्यक्तिगत चुनौती तक सीमित नहीं है। चेन्नई में टीवीके के अन्य मजबूत उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में हैं। महासचिव एन आनंद टी नगर से, आधव अर्जुना विल्लिवक्कम से, उप-महासचिव के राजमोहन एग्मोर से और एआईएडीएमके के पूर्व विधायक बीएस बाबू को कोलाथुर से उतारा गया है। बाबू का मुकाबला सीधे मुख्यमंत्री स्टालिन से होगा। इन उम्मीदवारों के माध्यम से टीवीके चेन्नई के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी पहचान मजबूत करना चाहती है।

चेन्नई पर विजय का फोकस डीएमके के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। डीएमके का यह गढ़ सालों से सुरक्षित माना जाता रहा है और एमजीआर या जयललिता जैसी दिग्गज हस्तियों ने भी चेन्नई में डीएमके को पूरी तरह से मात नहीं दी थी। एमजीआर ने तमिलनाडु में लगातार तीन चुनाव जीतकर राज्य में अपना दबदबा बनाया था, लेकिन चेन्नई में डीएमके पर पूर्ण नियंत्रण नहीं कर सके। जयललिता की लगातार दस साल की कोशिशों ने 2006 और 2011 में डीएमके के गढ़ को कुछ हद तक कमजोर किया था, लेकिन 2016 में डीएमके ने अपना दबदबा फिर से मजबूत किया और 2021 के विधानसभा चुनावों में डीएमके गठबंधन ने चेन्नई की सभी 16 सीटें जीत लीं।

विजय का चेन्नई पर ध्यान सिर्फ़डीएमके की सत्ता को चुनौती देने तक सीमित नहीं है। यह एआईएडीएमके को भी हाशिये पर करने की रणनीति है। एआईएडीएमके ने भाजपा के साथ गठबंधन किया है, वहीं डीएमके ने कांग्रेस को अपने साथ जोड़कर चुनावी तैयारी की है। विजय का उद्देश्य यह दिखाना है कि उनकी पार्टी केवल नए विकल्प के रूप में नहीं है, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में एक मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित हो सकती है। इसके लिए उन्होंने अपने प्रसिद्ध चेहरे और युवा समर्थकों को मैदान में उतारा है।

पेरम्बूर सीट का चुनाव विजय के राजनीतिक उदय का प्रतीक है। यह विधानसभा क्षेत्र सीधे डीएमके के वर्तमान विधायक आरडी शेखर के इलाके से लगता है, और यहां से विजय का मुकाबला मुख्यमंत्री स्टालिन से होगा। यह सीट विजय को डीएमके के गढ़ में अपनी ताकत दिखाने और सीधे मुकाबला करने का अवसर देती है। यह रणनीति उन्हें तमिलनाडु में करिश्माई और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकती है।

संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने पर मैं पीएम मोदी का धन्यवाद करता हूं : चिराग पासवान

-उम्मीद करता हूं कि विपक्ष भी महिलाओं से जुड़े इस बिल का समर्थन करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नारी शक्ति वंदना अधिनियम में संशोधन के संबंध में विशेष संसदीय सत्र बुलाने के एनडीए सरकार के फैसले की सराहना कर कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), ने हमेशा इसतरह के मुद्दे को बहुत महत्व दिया है। केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि महिलाएं इसकी मांग करती रही हैं और हमारी पार्टी ने लगातार इस मांग का समर्थन किया है, हमारे दिवंगत नेता राम विलास पासवान जी के समय से ही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा विशेष सत्र बुलाए जाने पर मैं प्रधानमंत्री मोदी जी को धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं कि विपक्ष भी इस बिल का समर्थन करेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार अप्रैल के तीसरे सप्ताह में संसद का बजट सत्र पुन: बुलाने की तैयारी में है, ताकि लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव करने वाला संशोधन विधेयक पेश किया जा सके। जिसमें महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित रहेगी। एजेंडा में 2023 के नारी शक्ति वंदना अधिनियम में संशोधन और परिसीमन आयोग विधेयक को पेश करना भी शामिल हो सकता है। केंद्र सरकार परिसीमन और सीट पुनर्वितरण के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाना चाहती है।

इजरायल यात्रा के दौरान सैन्य कार्रवाई को लेकर पीएम मोदी की नहीं हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इजरायल यात्रा को लेकर संसद में उठे सवालों के बीच सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। राज्यसभा में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांसद अब्दुल वहाब द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि भारत को ईरान पर होने वाले सैन्य हमले की पहले से जानकारी थी। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने सदन में लिखित जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री की 25-26 फरवरी की इजरायल यात्रा के दौरान ऐसी किसी सैन्य कार्रवाई या हमले को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई थी।

सांसद अब्दुल वहाब ने विदेश मंत्रालय से प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान हुए समझौतों का ब्यौरा मांगा था और साथ ही यह भी पूछा था कि क्या सरकार को यात्रा के अगले ही दिन ईरान पर होने वाले अमेरिकी और इजरायली हमलों का पूर्वानुमान था। विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि इजरायल के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर की गई इस राजकीय यात्रा का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करना था। इस दौरान दोनों देशों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, कृषि, मत्स्य पालन, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और डिजिटल भुगतान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कई समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा संपन्न होने के ठीक बाद 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने ईरान के भीतर कई ठिकानों पर बड़े हमले किए थे, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया। इस संयोग के कारण यह सवाल उठने लगे थे कि क्या रणनीतिक साझेदारी के चलते भारत को इसकी पूर्व सूचना दी गई थी। हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ-साथ इजरायल ने भी इन दावों को गलत बताया है। इजरायली विदेश मंत्री गिदोन सार ने भी स्पष्ट किया कि ईरान पर हमले का निर्णय प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के बाद शनिवार तड़के लिया गया था, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता गुरुवार को विफल हो गई थी। सरकार ने दोहराया है कि भारत के इजरायल के साथ संबंध लोकतांत्रिक मूल्यों और आर्थिक प्रगति के साझा एजेंडे पर आधारित हैं। 2026 के लिए दोनों देशों ने आपसी सहयोग को और गहरा करने का एक व्यापक खाका तैयार किया है। फिलहाल, पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच भारत ने साफ कर दिया है कि उसका ध्यान क्षेत्रीय स्थिरता और द्विपक्षीय विकास पर केंद्रित है, न कि किसी सैन्य अभियान की पूर्व जानकारी या भागीदारी पर।

क्या वह विश्वस्तर के बाबा वेंगा हो गए हैं, जो इस तरह की भविष्यवाणी कर रहे

–एनसीपी के विधायक के बीजेपी में जाने का राउत ने फोड़ा बम, बीजेपी ने किया पलटवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में ऑपरेशन टाइगर की आहट और शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के मंत्री की डिनर डिप्लोमेसी के बीच संजय राउत ने दावा किया था कि राज्य की सियासत में जल्द भूचाल आएगा। राउत ने भविष्यवाणी करते हुए कहा था कि आगामी दिनों में शिंदे गुट और एनसीपी (अजीत गुट) के 25 से 30 विधायक बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। बीजेपी ने संजय राउत के बयान पर पलटवार किया है। इसमें बीजेपी ने उन्हें यूबीटी पर फोकस करने की नसीहत दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत के इस बयान पर बीजेपी ने शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सदस्य संजय राउत पर हमला बोलते हुए पूछा है कि क्या वह विश्वस्तर के बाबा वेंगा हो गए हैं, जो इस तरह की भविष्यवाणी कर रहे हैं। दरअसल सांसद संजय राउत अपने फायरब्रांड अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही उनकी एक किताब रिलीज हुई थी। इसमें उन्होंने अरविंद केजरीवाल समेत कपिल सिब्बल को बुलाया था। उन्होंने इस किताब में भी कई धमाके किए हैं, हालांकि ताजा भविष्यवाणी पर बीजेपी ने राउत को घेरा। बीजेपी ने कहा कि भोंदूबाबा खरात जैसे लोगों को ठगते थे, वैसे ही संजूबाबा राउत भविष्यवाणी के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। बीजेपी में कौन सा दल विलय होगा या कौन कहां जाएगा, इस पर बोलने के बजाय अपने गुट पर ध्यान दें।

नवनाथ बन ने कहा कि संजय राउत चाहते हैं कि उद्धव ठाकरे विधानमंडल में जाएं, लेकिन वे वास्तव में जाएंगे या नहीं, यह कांग्रेस तय करेगी। कांग्रेस की कृपा होगी तभी उद्धव ठाकरे को विधायकी मिलेगी। यूबीटी अस्तित्व में आने से पहले शिवसेना बीजेपी के साथ थी, तब स्वाभिमान और सम्मान था, लेकिन अब आपने अपना स्वाभिमान कांग्रेस के पास गिरवी रख दिया है। विधायकी के लिए सोनिया गांधी के सामने जाकर मुजरा करना पड़ेगा। बन ने कहा था कि देवेंद्र फडणवीस ने क्या बोलना चाहिए, यह बताने के चक्कर में राउत को नहीं पड़ना चाहिए। यूबीटी गुट कांग्रेस में विलय होने वाला है और इसकी जिम्मेदारी संजय राउत ने ली है, ऐसा आरोप भी उन्होंने लगाया।

ममता की बढ़ेगी चिंता... भाईजान औवेसी ने बंगाल चुनाव में उतार दिए 12 प्रत्याशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने शुक्रवार को आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए अपने 12 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। औवेसी की पार्टी ने रघुनाथगंज से इमरान सोआंकी, आसनसोल उत्तर से दानिश अजीज, कंडी से मिस्बाहुल इस्लाम खान, सुजापुर से रेजाउल करीम और मोथाबारी से एडवोकेट मोहम्मद मुस्तहिद हक को चुनावी मैदान में उतारा है। नलहाटी से हाजी अंसार एसके साहब और मोरारी से तासीर एसके साहब को अपना प्रत्याशी बनाया है। बारासात से एआईएमआईएम ने मोनाएम सरदार को और करांडीघी से महबूब आलम को उम्मीदवार बनाया है। सूती से असदुल एसके, बसीरहाट दक्षिण से शबाना परवीन और हबरा से आसिक राज ममोंडल को मनोनीत किया गया है। बात दें कि एआईएमआईएम, तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता हुमायूं कबीर द्वारा गठित आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। एआईएमआईएम-एजेयूपी गठबंधन से मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हिस्सेदारी पर असर पड़ने की उम्मीद है। आगामी चुनाव को मुख्य रूप से सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है।

गर्मी के बीच मौसम का यू-टर्न: उत्तर भारत में ओलावृष्टि और भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जहां एक ओर गर्मी ने दस्तक दे दी है, वहीं दूसरी ओर कुदरत के बदलते मिजाज ने लोगों को हैरत में डाल दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को ताजा पूर्वानुमान जारी करते हुए देश के बड़े हिस्से में बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। इस मौसमी बदलाव का सबसे ज्यादा असर उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों में देखने को मिल रहा है, जहां आने वाले दिनों में मौसम काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में 3 से 8 अप्रैल के बीच झमाझम बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मैदानी इलाकों की बात करें तो पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी अगले कुछ दिनों तक बादल बरसने के आसार हैं। दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 7 और 8 अप्रैल को हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। वहीं, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद के ऊंचाई वाले इलाकों में इस दौरान बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश का दौर जारी रहेगा।

ओलावृष्टि को लेकर जारी चेतावनी खेती-किसानी के नजरिए से चिंताजनक है। मौसम विभाग ने बताया है कि 3 और 4 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ हिस्सों में ओले गिर सकते हैं। इसके अलावा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में भी 4 और 5 अप्रैल को ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है। दक्षिण और मध्य भारत के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों में भी बादलों का डेरा रहेगा। मध्य प्रदेश में 3 और 4 अप्रैल को ओले गिरने की संभावना है, जबकि छत्तीसगढ़ में 4 अप्रैल को मौसम बिगड़ सकता है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा और झारखंड में भी अगले 5 दिनों तक बारिश का दौर बना रहेगा। पूर्वोत्तर की ओर नजर डालें तो असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और गुजरात के कुछ हिस्सों में भी छिटपुट बारिश की उम्मीद जताई गई है। गर्मी के इस मौसम में अचानक हुई इस बेमौसमी बरसात और ओलावृष्टि ने न केवल तापमान में गिरावट दर्ज की है, बल्कि फसलों के लिए भी संकट पैदा कर दिया है।

चुनाव परिणाम के बाद हिंसा रोकने के लिए चुनाव आयोग ने उठाया कदम

बंगाल में तैनात रहेंगी केंद्रीय पुलिस बल की 500 कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। इस बीच चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि बंगाल में वोटिंग पूरी होने के बाद भी कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान तैनात रहेंगे। एक प्रेस नोट में चुनाव आयोग ने कहा कि सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 500 कंपनियां चुनाव के बाद कानून और व्यवस्था की ड्यूटी के लिए अगले निर्देश जारी होने तक राज्य में रहेंगी।

चुनाव आयोग ने ये कदम चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। चुनाव आयोग ने कहा कि मतगणना पूरी होने के बाद भी अगले आदेश तक सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 500 कंपनियां चुनाव के बाद कानून और व्यवस्था की ड्यूटी के लिए पश्चिम बंगाल में तैनात रहेंगी। इसके अलावा चुनाव आयोग ने खास तौर पर चुनाव के इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 200 कंपनियों को बनाए रखने का भी फैसला किया है। इन फोर्स को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, स्ट्रॉन्ग रूम और काउंटिंग सेंटर की सुरक्षा का काम सौंपा जाएगा, और ये काउंटिंग प्रोसेस पूरी तरह से पूरा होने तक वहीं रहेंगी। बयान में आगे कहा गया, ईवीएम/स्ट्रांग रूम और काउंटिंग सेंटर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 200 कंपनियां राज्य में रहेंगी और राज्य में काउंटिंग पूरी होने तक तैनात रहेंगी।

उम्र के आधार पर तय होगा नाबालिग सोशल मीडिया पर सक्रिए रहेंगे या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार बच्चों और किशोरों द्वारा सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और उससे जुड़े जोखिमों को देखते हुए नए दिशा-निर्देश तैयार करने पर विचार कर रही है। सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय एक ऐसा संतुलित मॉडल विकसित करना है, जिसमें उम्र के आधार पर अलग-अलग स्तर की पहुंच और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस महत्वपूर्ण विषय पर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ गहन चर्चा का दौर जारी है।

प्रस्तावित नियमों के तहत मुख्य रूप से पेरेंटल कंट्रोल यानी अभिभावकों के नियंत्रण को मजबूत करने, स्क्रीन टाइम की एक निश्चित सीमा तय करने और कुछ संवेदनशील फीचर्स पर रोक लगाने जैसे सुझावों पर ध्यान दिया जा रहा है। वर्तमान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उम्र की जांच के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण बच्चे गलत जानकारी देकर आसानी से अकाउंट बना लेते हैं, जिसे रोकने के लिए सरकार अब अधिक प्रभावी और तकनीकी रूप से उन्नत पहचान प्रणालियों पर विचार कर रही है। हालांकि, अभी यह तय होना बाकी है कि न्यूनतम उम्र सीमा 13 वर्ष रखी जाए या इसे बढ़ाकर 16 वर्ष किया जाए। इस योजना के क्रियान्वयन में सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बीच देखी जा रही है, जहां अक्सर एक ही मोबाइल फोन पूरे परिवार द्वारा साझा किया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में उपयोगकर्ता की सटीक उम्र की पहचान करना और नियमों को कड़ाई से लागू करना काफी जटिल होगा। साथ ही, यदि उम्र सीमा 16 या 18 वर्ष तय की जाती है, तो डिजिटल पहुंच सीमित होने और गोपनीयता (प्राइवेसी) से जुड़े नए कानूनी सवाल भी खड़े हो सकते हैं। सरकार का प्राथमिक लक्ष्य बच्चों को ऑनलाइन उपलब्ध हानिकारक सामग्री और साइबर खतरों से सुरक्षित रखना है। इसके लिए आईटी नियमों में आवश्यक संशोधन किए जा सकते हैं ताकि प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय की जा सके। फिलहाल, सभी संबंधित पक्षों से राय ली जा रही है और एक व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही इस दिशा में अंतिम निर्णय लिया जाएगा, ताकि डिजिटल सुरक्षा और सूचना तक पहुंच के बीच एक सही संतुलन बना रहे।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**